श्रावण कृष्ण पक्ष पंचमी 10:39 तक
उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

मंगलवार, 15 जुलाई 2025
वर्ष 3, अंक 325, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

एक-दूसरे की सफलता में साझेदार बनें भारत-चीन 14

कांवड़ यात्रा के दौरान कोई बाधा बर्दाश्त नहीं करेंगे 12

बम-बम भोले...

हरिद्वार : श्रावण मास के शुरू होते ही कांवड़ यात्रा जोरों पर है। पहले सोमवार को अलग-अलग जगहों पर भोले के भक्तों के जत्थे डीजे में झूमते दिखे। दिल्ली-हरिद्वार एक्सप्रेसवे पर भगवान शिव की मूर्ति के साथ कांवड़ खींचते हुए कांवड़िये। ● एजेंसी

अंतरिक्ष से अलग हुआ ड्रैगन, आज धरती पर पहुंचेंगे शुभांशु

नई दिल्ली, एजेंसी

22.5 घंटे में सफर करेंगे पूरा, भारतीय समयानुसार दोपहर 3:01 बजे पहुंचेंगे कैलिफोर्निया तट पर

ड्रैगन ग्रेस अंतरिक्ष यान के सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से अलग होने के साथ शुभांशु शुक्ला और वाणिज्यिक एक्सिओम-4 मिशन के तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की पृथ्वी की वापसी यात्रा शुरू हो गई। पिछले 18 दिनों से चारों अंतरिक्ष यात्री आईएसएस पर थे। ड्रैगन अंतरिक्ष यान आईएसएस से भारतीय समयानुसार शाम 4:45 बजे अलग हुआ। इसमें मूल कार्यक्रम से 10 मिनट की देरी हुई तथा कक्षीय प्रयोगशाला से दूर जाने के लिए उसने दो बार थ्रस्टर्स चालू किए।

शुक्ला, कमांडर पैगी व्हिटसन, तथा मिशन विशेषज्ञ पोलैंड के स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की और हंगरी के टिबोर कापू सहित एक्सिओम-4 के चालक दल ने 26 जून को आईएसएस से जुड़ने के बाद से लगभग 76 लाख मील की दूरी तय करते हुए पृथ्वी के चारों ओर लगभग 433 घंटे या 18 दिन में 288 परिक्रमाएं कीं। गले मिलने और हाथ मिलाने के बाद, चारों अंतरिक्ष यात्री अनडॉकिंग से लगभग दो घंटे पहले ड्रैगन अंतरिक्ष यान में प्रवेश कर गए, अपने स्पेससूट पहन लिए और भारतीय समयानुसार अपराह्न 2:37 बजे अंतरिक्ष यान को आईएसएस से जोड़ने वाले हैच को बंद कर दिया।

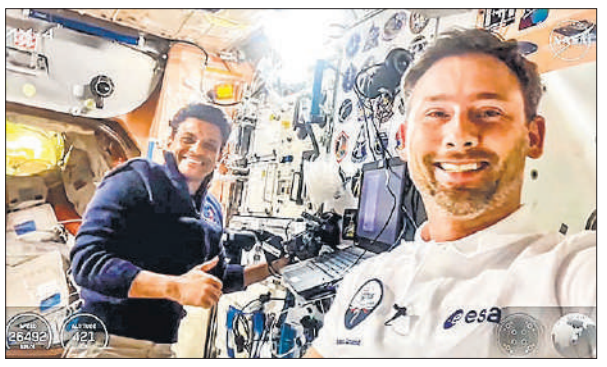

आईएसएस से वापसी से पहले शुभम शुक्ला व एक यात्री सेल्फी लेते हुए।

अंतरिक्ष यान मंगलवार को भारतीय समयानुसार दोपहर 3:01 बजे कैलिफोर्निया तट पर पहुंचेगा। डी-ऑर्बिट प्रक्रिया शुरू करने से पहले, अंतरिक्ष यात्री एक बार फिर स्पेससूट पहनेंगे।

चारों को पुनर्वास में बिताने होंगे सात दिन

चारों अंतरिक्ष यात्रियों को पुनर्वास में सात दिन बिताने होंगे, क्योंकि उन्हें कक्षा में अनुभव की जाने वाली भारहीनता के विपरीत, गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में पृथ्वी पर जीवन के लिए खुद को ढालना होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) ने शुक्ला की आईएसएस यात्रा के लिए लगभग 550 करोड़ रुपये का भुगतान किया। यह एक ऐसा अनुभव है जो अंतरिक्ष एजेंसी को उसके मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, गगनयान की योजना और क्रियान्वयन में मदद करेगा, जिसे 2027 में कक्षा में ले जाया जाएगा।

एक नजर

अशोक गजपति राजू गोवा के राज्यपाल, कविंद्र लद्दाख के उपराज्यपाल नियुक्त

नई दिल्ली। पूर्व नागर विमानन मंत्री पी अशोक गजपति राजू को सोमवार को गोवा का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया जबकि प्रोफेसर असीम कुमार घोष को हरियाणा का राज्यपाल और जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंद्र गुप्ता को लद्दाख का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया। उनकी नियुक्तियां उनके कार्यभार संभालने की तिथि से प्रभावी होंगी। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल पद से ब्रिगेडियर बीडी मिश्रा (सेवानिवृत्त) का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने गुप्ता को लद्दाख का उपराज्यपाल, राजू को गोवा का राज्यपाल और प्रोफेसर घोष को हरियाणा का राज्यपाल नियुक्त किया है।

सीजेआई गवई को संक्रमण दिल्ली में हो रहा इलाज

नई दिल्ली। सीजेआई बीआर गवई को हैदराबाद की उनकी हालिया आधिकारिक यात्रा के दौरान गंभीर संक्रमण होने का पता चला और दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज के बाद उनकी हालत में सुधार हो रहा है। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, सीजेआई पर इलाज का अच्छा असर हो रहा है और उम्मीद है कि एक या दो दिन में उन्हें छुट्टी मिल जाएगी तथा वह अपना काम फिर से शुरू कर देंगे। सीजेआई 12 जुलाई को नालसार विधि विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह को संबोधित करने के लिए हैदराबाद में थे। उसी दिन न्यायमूर्ति ने हैदराबाद में बाबासाहेब डॉ. बीआर आंबेडकर 'संविधान सभा' भारत का संविधान शीर्षक से एक विशेष डाक कवर और भारतीय संविधान में कला एवं सुलेख पर चित्र पोस्टकार्ड का सेट भी जारी किया था।

15 करोड़ के मादक पदार्थ जब्त, दो गिरफ्तार

मोरीगांव/गुवाहाटी। असम में दो अलग-अलग अभियानों में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 15 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए। पहली गिरफ्तारी मोरीगांव जिले में की गई, जबकि दूसरी कार्रवाई दक्षिण सलमारा में की गई। पुलिस ने बताया कि मणिपुर की रहने वाली 25 वर्षीय महिला को मोरीगांव में जगीरोड रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया। वह सोमवार रेलवे स्टेशन के पास घूमती हुई पाई गई, तभी संदेह के आधार पर उसे पकड़ लिया गया।

नागरिक भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अहमियत को समझें

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- लोगों को आत्म-नियमन का करना चाहिए पालन

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संबंध में दिशा-निर्देशों पर विचार करते हुए कहा कि नागरिकों को भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अहमियत समझनी चाहिए और आत्म-नियमन का पालन करना चाहिए। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना व न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ वजाहत खान नामक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही है। खान के खिलाफ पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज हैं। उस पर एक्स पर एक हिंदू देवता के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने का आरोप है।

शीर्ष अदालत ने 23 जून को खान को 14 जुलाई तक किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया था। खान ने एक अन्य सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ एक वीडियो में कथित तौर पर सांप्रदायिक टिप्पणी करने के लिए शिकायत दर्ज कराई थी। उसके वकील ने शीर्ष अदालत में कहा कि ऐसे पोस्ट के जवाब में आपत्तिजनक टिप्पणियां नहीं की जानी चाहिए। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, नागरिकों को भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की अहमियत समझनी चाहिए। वैसे तो कोई नहीं चाहता कि राज्य हस्तक्षेप करे, लेकिन उल्लंघन की स्थिति में सरकार कदम उठा सकती है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, सोशल मीडिया पर इन सभी विभाजनकारी प्रवृतियों पर रोक लगानी होगी। हालांकि पीठ ने स्पष्ट किया कि उसका मतलब सेंसरशिप नहीं है। पीठ ने नागरिकों की भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर दिशानिर्देश तय करने पर विचार करते हुए कहा, नागरिकों के बीच भाईचारा होना चाहिए।

संविधान के अनुच्छेद 19 (2) के तहत भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंधों को रेखांकित करते हुए कहा कि ये पाबंदियां सही ही लगाई गयी हैं। इस बीच, पीठ ने खान को गिरफ्तारी से दिए गए अंतरिम संरक्षण को मामले की अगली सुनवाई तक बढ़ा दिया और वकील से नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के स्व-नियमन के बड़े मुद्दे से निपटने में उसकी सहायता करने को कहा। खान को 9 जून को कोलकाता पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उसने यह आरोप लगाते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था।

● पीठ ने वजाहत खान नामक व्यक्ति की याचिका पर की सुनवाई, हिंदू देवी-देवताओं पर टिप्पणी का मामला

पति-पत्नी की गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई बातचीत सबूत के तौर पर स्वीकार्य

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वैवाहिक मामलों में पति-पत्नी की गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई बातचीत सबूत के तौर पर स्वीकार्य है। न्यायालय ने कहा कि पति-पत्नी का एक-दूसरे पर नजर रखना इस बात का सबूत है कि उनकी शादी मजबूत नहीं चल रही है और इसलिए इसका इस्तेमाल न्यायिक कार्यवाही में किया जा सकता है। पीठ ने एक मामले में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के फैसले को रद्द कर दिया। उच्च न्यायालय ने कहा था कि पति-पत्नी के बीच गुप्त बातचीत साक्ष्य अधिनियम की धारा 122 के तहत संरक्षित है और इसका इस्तेमाल न्यायिक कार्यवाही में नहीं किया जा सकता। उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द करते हुए, पीठ ने निचली अदालत के आदेश को बहाल रखा और कहा कि वैवाहिक कार्यवाही के दौरान रिकॉर्ड की गई बातचीत को संज्ञान में लिया जा सकता है।

एक भी बच्चा विद्यालय से वंचित नहीं रहना चाहिए : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बेसिक शिक्षा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में प्रधानाध्यापक और प्रधानों को दिए निर्देश कि 6 से 14 वर्ष की आयु का एक भी बच्चा विद्यालय से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिषदीय छात्रों के लिए ड्रेस, जूता-मोजा, स्टेशनरी व पाठ्य सामग्री के लिए 1200 रुपये की डीबीटी शीघ्र अभिभावकों के खातों में भेजी जाए।

योगी ने बैठक के दौरान राज्य में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने, बच्चों की शत-प्रतिशत विद्यालयी उपस्थिति सुनिश्चित करने, संसाधनों के कुशल उपयोग तथा अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। कहा कि जिन विद्यालयों में आधारभूत संरचना की कमी है, वहां अविलंब संसाधनों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण में अध्ययन का अवसर प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने विद्यालयों की पेयरिंग व्यवस्था को दूरगामी और व्यापक दृष्टिकोण से लागू किए जाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों तीनों के हित में है। इससे न केवल संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार सुनिश्चित किया जा सकेगा। जिन विद्यालयों में 50 से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं, उन्हें स्वतंत्र विद्यालय के रूप में संचालित करने का निर्देश दिया गया, जिससे प्रशासनिक सुविधा, जवाबदेही और शैक्षणिक निगरानी और अधिक प्रभावी ढंग से की जा सके। वहीं, विलय व्यवस्था के कारण खाली हुए विद्यालय भवनों को लेकर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वहां बाल वाटिकाएं व प्री-प्राइमरी स्कूल संचालित करें।

योगी ने बैठक में शिक्षकों के रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा कि सभी विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात आदर्श स्थिति में होना चाहिए।

● मुख्यमंत्री ने की बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा में प्रधानाध्यापक और प्रधानों को दिए निर्देश

● कहा- परिषदीय छात्रों के लिए 1200 रुपये की डीबीटी शीघ्र अभिभावकों के खातों में जाए

हेलिकॉप्टर से शिव भक्तों पर होगी पुष्पवर्षा

लखनऊ। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि श्रावण मास में खास अवसरों पर शिव भक्तों पर हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा की व्यवस्था करें। साथ ही, कांवड़ यात्रा में घुसपैठ करने और विघ्न डालने की कोशिश करने वाले अराजक तत्वों पर तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यह पवित्र यात्रा पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुरक्षित और श्रद्धामय वातावरण में सम्पन्न हो। शिवभक्तों के स्वागत के साथ सभी प्रमुख स्थलों पर चिकित्सा शिविर, प्राथमिक उपचार केंद्र और एम्बुलेंस सेवाएं पूरी तरह सक्रिय रहे, ताकि आपात स्थिति से निपटा जा सके।

वर्षा वाले क्षेत्रों में नजर रखेंगे मंत्री व प्रमुख सचिव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● भारी वर्षा के बाद जलभराव और बाढ़ की आशंका पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

● संवेदनशील क्षेत्रों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीमों को अलर्ट मोड में रखने के दिए आदेश

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के तमाम जिले बाढ़ की चपेट में हैं। इसका संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुंदेलखंड समेत राज्य के भारी वर्षा वाले क्षेत्रों में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और विभाग के प्रमुख सचिव ड्यूटी लगा दी है। मुख्यमंत्री ने दोनों से ग्राऊंड जीरो पर पहुंचकर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने की हिदायत दी है।

इसी के साथ संवेदनशील क्षेत्रों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीमों को अलर्ट मोड में रखने के आदेश हैं। सोमवार को मुख्यमंत्री ने भारी वर्षा के बाद जलभराव और बाढ़ की आशंका पर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जलनिकासी, राहत और बचाव कार्यों में लापरवाही नहीं चलेगी। वहीं, योगी ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के औसत से कम वर्षा वाले 16 जिलों का जिक्र करते हुए कहा, इन क्षेत्रों में किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो, ताकि खेती-किसानी पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। साथ ही मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

अब तक देवरिया में हुई सबसे कम बारिश : कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि सबसे कम वर्षा देवरिया में हुई है। प्रदेश के 12 जिलों मे सामान्य वर्षा 190.4 मिमी के सापेक्ष 199.9 मिमी वर्षा हुई है। 28 जिलों में 120 प्रतिशत से अधिक वर्षा हुई है। 16 जिलों में 60 से 80 प्रतिशत वर्षा हुई है। 07 जिलों में 40 से 60 प्रतिशत तथा 09 जिलों में 40 प्रतिशत से कम वर्षा हुई है।

मंदाकनी का रौद्र रूप, चित्रकूट के कस्बों में चल रहीं नांव

लखनऊ। चित्रकूट जिले में बीते 24 घंटे से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते मंदाकिनी नदी ने रौद्र रूप धारण कर लिया है। बाढ़ का पानी घाट से निकलकर कस्बे की सड़कों तक पहुंच गया है। कस्बे की सड़कों पर वाहन की जगह नाव चल रही हैं। लोगों के घरों में बाढ़ का पानी घुस चुका है। जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त है।

प्राथमिक स्कूलों का विलय : सुनवाई के लिए शीर्ष कोर्ट राजी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कम छात्र संख्या वाले 100 से अधिक प्राथमिक विद्यालयों का अलग-अलग किसी अन्य विद्यालय में विलय करने के उत्तर प्रदेश सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सोमवार को सहमत हो गया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले को इसी सप्ताह सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई। याचिकाकर्ता तैय्यब खान सलमानी की ओर से पेश अधिवक्ता प्रदीप यादव के तत्काल सुनवाई का अनुरोध करने पर पीठ ने यह रजामंदी जतायी। यादव ने कहा कि अगर आदेश पर रोक नहीं लगाई गई तो सैकड़ों सरकारी स्कूल बंद हो जाएंगे।

मंत्रालयों को खाद्य सामग्री में तेल-चीनी की मात्रा करनी होगी प्रदर्शित

नई दिल्ली, एजेंसी

● स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों, विभागों और स्वायत्त निकायों को लिखा पत्र

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों, विभागों और स्वायत्त निकायों से आग्रह किया है कि वे समोसा, कचौड़ी, पिज्जा, फ्रेंच फ्राइज और वड़ापाव समेत अन्य खाद्य सामग्री में चीनी और तेल की मात्रा का उल्लेख करते हुए तेल और चीनी बोर्ड प्रदर्शित करें ताकि स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा दिया जा सके तथा मोटापे और गैर-संचारी रोगों से निपटा जा सके।

मंत्रालय ने मोटापे से मुकाबले के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सभी आधिकारिक स्टेशनरी जैसे लेटरहेड, लिफाफे, नोटपैड, फ़ोल्डर पर स्वास्थ्य संदेश मुद्रित करने का भी आह्वान किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने 21 जून को लिखे पत्र में कहा कि भारत में वयस्कों और बच्चों, दोनों में मोटापे में तेज़ी से वृद्धि देखी जा रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में पांच में से एक से ज्यादा वयस्क अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त हैं। बच्चों में मोटापे की व्यापकता खराब खान-पान की आदतों और कम शारीरिक गतिविधियों से प्रभावित होती है। उन्होंने कहा है कि 2025 में प्रकाशित 'लैंसेट जीबीडी 2021 मोटापा पूर्वानुमान अध्ययन' के अनुसार, भारत में अधिक वजन और मोटापे से ग्रस्त वयस्कों की संख्या 2021 में 18 करोड़ थी जो 2050 तक बढ़कर 44.9 करोड़ हो जाने का अनुमान है जिससे यह मोटापा से ग्रस्त लोगों के मामले में दुनिया में दूसरा देश बन जाएगा।

नेशनल हेराल्ड : सोनिया-राहुल के खिलाफ ईडी की चार्जशीट मामले में फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

● अदालत 29 जुलाई को सुनाएगी फैसला

राष्ट्रीय राजधानी की एक कोर्ट ने नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी द्वारा दायर आरोप-पत्र पर संज्ञान लेने को लेकर सोमवार को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा, संज्ञान के पहलू पर सभी पक्षों की ओर से दलीलें समाप्त हो गई हैं। मामले को 29 जुलाई को सूचीबद्ध किया जाएगा।

उन्होंने ईडी को निर्देश दिया, यदि आवश्यक हो तो 15 से 17 जुलाई के बीच मामले की फाइलों के निरीक्षण के लिए जांच अधिकारी की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। प्रस्तावित अभियुक्तों की ओर से विभिन्न वकीलों द्वारा केस लॉ और रिकॉर्ड में मौजूद दस्तावेजों के संदर्भ में दी गयी विस्तृत दलीलों को देखते हुए यह निर्देश दिया जाता है कि आरोपी 19 जुलाई तक अपनी दलीलों का एक संक्षिप्त सारांश दाखिल करें, जो तीन-चार पृष्ठों से अधिक न हो। ईडी ने सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी सहित अन्य पर आरोप लगाया है।

संजय भंडारी मामले में ईडी के समक्ष पेश हुए रॉबर्ट वढरा

नई दिल्ली। कारोबारी रॉबर्ट वढराब्रिटेन में स्थित शस्त्र सलाहकार संजय भंडारी और कुछ अन्य से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए सोमवार को ईडी के समक्ष पेश हुए। उनके साथ उनकी पत्नी व सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा भी मौजूद थीं। वाद्रा का बयान पीएमएलए के तहत दर्ज किया गया। जांच एजेंसी ने पिछले महीने बयान दर्ज कराने के लिए दो बार बुलाया था, लेकिन उन्होंने विदेश यात्रा के कारण अपने समन को स्थगित करने का अनुरोध किया था।

खुदरा महंगाई दर छह साल के निचले स्तर 2.1 प्रतिशत पर

नई दिल्ली, एजेंसी

थोक मुद्रास्फीति शून्य से भी नीचे, बेहतर मानसून के कारण सब्जियों समेत अन्य खाने का सामान हुआ सस्ता

बेहतर मानसून के साथ सब्जियों समेत अन्य खाने का सामान सस्ता होने से खुदरा मुद्रास्फीति जून में छह साल के निचले स्तर 2.1 प्रतिशत पर रही है। यह भारतीय रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर से काफी नीचे है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति मई में 2.82 प्रतिशत और जून, 2024 में 5.08 प्रतिशत थी। नवंबर, 2024 से महंगाई दर में लगातार गिरावट आ रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने एक बयान में कहा कि इस साल जून में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति सालाना आधार पर 2.1 प्रतिशत रही। इसमें कहा गया, इस साल मई की तुलना में जून की सकल मुद्रास्फीति में 0.72 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह जनवरी, 2019 के बाद महंगाई की सबसे कम दर है। इससे पहले जनवरी, 2019 में मुद्रास्फीति का निचला स्तर 1.97 प्रतिशत था। एनएसओ ने कहा कि जून, 2025 में मुद्रास्फीति और खाद्य महंगाई में उल्लेखनीय गिरावट मुख्य रूप से अनुकूल तुलनात्मक आधार और सब्जियों, दालों और उसके उत्पादों, मांस और मछली, अनाज और उत्पादों, चीनी और मिष्ठान्न, दूध और उसके उत्पादों तथा मसालों की कीमतों में गिरावट के कारण है। रिजर्व बैंक को मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। वह खुदरा मुद्रास्फीति में कमी के मद्देनजर फरवरी से प्रमुख नीतिगत दर रेपो में एक प्रतिशत की कमी कर चुका है।

इस बीच, थोक मुद्रास्फीति में भी गिरावट आई है और जून में यह 19 महीने के बाद शून्य से नीचे 0.13 प्रतिशत रही। मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों और ईंधन के दाम में गिरावट के साथ विनिर्मित उत्पादों की कीमत में नरमी से थोक महंगाई दर कम हुई है। थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति मई में 0.39 प्रतिशत रही। पिछले साल जून में यह 3.43 प्रतिशत थी।

नरमी का मुख्य कारण खाद्य और पेय पदार्थ : नायर

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने खुदरा मुद्रास्फीति के बारे में कहा कि नरमी का मुख्य कारण खाद्य और पेय पदार्थ खंड है। इसमें 75 महीनों के बाद 0.2 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जबकि पिछले महीने इसमें महंगाई 1.5 प्रतिशत रही थी। नायर ने कहा, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति लगातार आठवें महीने उम्मीद से अधिक कम होकर जून, 2025 में 2.1 प्रतिशत पर आ गई, जो पिछले महीने मई में 2.8 प्रतिशत थी। यह जनवरी, 2019 के बाद सबसे निचला स्तर है। उन्होंने कहा, हम अगस्त, 2025 की बैठक में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत में एक और कटौती की संभावना से इनकार नहीं कर रहे हैं।

शोहरत बटोरने के लिए अपमानित करते अफसर

लेखपाल संघ ने ज्ञापन देकर लगाया आरोप, हापुड़ में साथी की मौत के बाद जिले भर में धरना-प्रदर्शन किया

एसडीएम कन्नौज नवनीता राय को ज्ञापन देते लेखपाल संघ के अध्यक्ष शुभम मिश्र, साथ खड़े पदाधिकारी व सदस्य। अमृत विचार

तिर्वा तहसील परिसर में धरना देते लेखपाल। अमृत विचार

छिबरामऊ में धरने पर बैठे लेखपाल संघ के लोग। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमत विचार। हापुड में लेखपाल सुभाष मीणा की मौत के विरोध में लेखपाल संघ ने जिले की तीनों तहसीलों में धरना-प्रदर्शन किया। कन्नौज तहसील में धरने के बाद मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम नवनीता राय को सौंपा। आरोप लगाया कि कुछ अफसर जनता के बीच शोहरत बटोरने की चाहत में समाधान दिवस व बैठक के दौरान अधीनस्थ को सार्वजनिक रूप से अपमानित करते हैं। इससे कर्मचारी तनाव में आ रहे हैं। स्वास्थ्य व पारिवारिक जीवन बिगड़ रहा है।

सोमवार को उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ अध्यक्ष शुभम मिश्र व मंत्री विशाल चौरसिया के नेतृत्व में लेखपाल सदर तहसील परिसर में एकत्र हुए। तहसीलदार कार्यालय के बाहर धरना देकर नारेबाजी की। बताया कि हापुड़ के डीएम ने बिना जांच व झूठी शिकायत पर लेखपाल पर कार्रवाई की जिससे सुभाष मीणा की मौत हो गई। इससे प्रदेश के लेखपाल साथी आहत हैं। मुख्य सचिव के निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है। मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई है। साथ ही मृतक के आश्रितों के लिए आर्थिक मदद, योग्यता के तहत सरकारी सेवा, दोषियों पर कार्रवाई की मांग हुई है। साथ ही अच्छा व्यवहार करने को कहा है। ज्ञापन के दौरान अभिषेक द्विवेदी, अखिलेश मिश्र, रामाधार वर्मा, अश्वनी कुमार, योगेश यादव, अभिनय गौतम मौजूद रहे।

तिर्वा और छिबरामऊ में भी धरना देकर ज्ञापन

कन्नौज/तिर्वा/छिबरामऊ। जनपद हापुड़ में गलत शिकायत पर हुई कार्रवाई से आहत लेखपालों ने तिर्वा व छिबरामऊ में भी धरना देने के बाद एसडीएम को सीएम को संबोधित ज्ञापन देकर मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता के साथ योग्य आश्रित को सरकारी नौकरी देने की मांग की। सोमवार को लेखपाल संघ के बैनर तले तिर्वा तहसील परिसर में लेखपालों ने धरना प्रदर्शन कर अधिकारियों के अमानवीय व्यवहार के खिलाफ जोरदार विरोध जताया और मुख्यमंत्री सम्बोधित चार सूत्री मांगों का ज्ञापन संबंधित एसडीएम को सौंपा। प्रदर्शन की अगुवाई तहसील अध्यक्ष अभिषेक यादव ने की। संघ ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में मांग की कि अधिकारी अधीनस्थों से सम्मानजनक व्यवहार करें। मौके पर पहुंचे एसडीएम राजेश कुमार को ज्ञापन सौंपने के बाद धरना समाप्त किया गया। इस मौके पर धर्मवीर, राहुल गुप्ता, तपन मिश्रा, किशन कुमार, उमेश चंद्र, सौरभ, हृदेश पांडे समेत अन्य लेखपाल मौजूद रहे। छिबरामऊ संवाददाता के अनुसार यहां भी लेखपाल संघ के बैनर तले तहसील परिसर में धरना पर बैठ गए। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने चकबंदी लेखपाल संघ के आंदोलन का समर्थन किया है। धरना और शोक सभा के बाद मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा गया।

एक नजर

उधारी मांगने पर युवक से की अभद्रता

गुरसहायगंज, कन्नौज। उधारी के पैसे मांगने पर युवक ने पीड़ित से गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर मारपीट पर अमादा हो गया। जिसके बाद कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। नगर के मोहल्ला गांधी नगर निवासी दीपक कुमार पुत्र छुन्नू लाल ने कोतवाली पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में कहा है कि मोहल्ले के ही एक युवक से जब उधारी के 08 हज़ार रुपये मांगे तो बहाने बाजी कर पैसा देने से मना कर दिया और मारपीट पर अमादा हो गया। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

महिला को मारपीट कर किया घायल

गुरसहायगंज, कन्नौज। पति-पत्नी के विवाद में बीज बचाव करने गई परिवार की महिला को युवक ने मारपीट कर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता के पुत्र ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। ग्राम सिंहपुर निवासी उमेश पुत्र नेकसे ने कोतवाली पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में कहा है कि 25 जून की दोपहर करीब 02 बजे उसके परिवार का ही एक युवक अपनी पत्नी से मारपीट कर रहा था। तभी उसकी मां लीलावती ने उसे बचाने का प्रयास किया। तो आरोपित युवक ने उसकी मां को ही मारपीट कर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित पुत्र की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गालीगलौज का विरोध करने पर मारपीट

तिर्वा। थाना ठठिया के कौलेपुर्वा गांव निवासी पायल पुत्री शिवराम ने पुलिस को तहरीर देते बताया कि एक जुलाई को वह अपने दरवाजे पर बैठी थी। उसी दौरान गांव के ही निवासी नीरज, श्रीपाल पुत्रगण रामविलास आए और गालीगलौज करने लगे। जब विरोध किया तो मारपीट कर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पूर्व विधायक ने दिया सड़क निर्माण का भरोसा

छिबरामऊ, कन्नौज। ग्राम मोहन नगला में सड़कों की बदहाल स्थिति ने ग्रामीणों का जीना दुश्वार कर दिया है। समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक अरविंद सिंह यादव ने गांव का दौरा किया। ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और जल्द से जल्द सड़क निर्माण का भरोसा दिया। कहा कि वे राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कन्नौज सांसद अखिलेश यादव से बात कर सड़क निर्माण कार्य को प्राथमिकता दिलवाएंगे। इस दौरान रवी यादव, मोनू, हीरालाल कॉलेज, अंकुर यादव, लोकेन्द्र सिंह और जीतू सिंह भी मौजूद रहे।

पानी के विवाद को लेकर की मारपीट

गुरसहायगंज, कन्नौज। रास्ते में पानी निकालने के विवाद को लेकर भाई व उसकी पत्नी ने अपनी मां से गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर मारपीट कर घायल कर दिया और जब युवक ने बचाने का प्रयास किया तो उससे भी मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम मलिकपुर निवासी सचिन कुमार पुत्र राजेश्वर ने कोतवाली पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में कहा है कि उसका भाई व पत्नी रास्ते से पानी निकालते हैं। 14 जुलाई की सुबह 8.30 बजे जब वह रास्ते से पानी निकाल रहे थे। तभी उनकी मां ने विरोध किया। तो आरोपी युवक ने उनके साथ गाली गलौज कर मारपीट शुरू कर दी। जब सचिन ने बचाने का प्रयास किया तो आरोपित युवक व उसकी पत्नी ने उससे भी मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामले की जाच शुरू कर दी है।

विद्यार्थी परिषद ने दी देश की छात्र शक्ति को दिशा

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस कार्यक्रम का आज होगा समापन
- वक्ताओं ने स्वामी विवेकांनद के आदर्शों वाला संगठन बताया

अमृत विचार। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस मनाया जा रहा है। 7 से 15 जुलाई तक जिले के 145 इंटर कॉलेजों में 45 कार्यक्रम होने हैं। इसी के तहत शहर के एक निजी स्कूल में संगोष्ठी हुई। मुख्य वक्ता प्रांत सह संगठन मंत्री तरुण बाजपेयी ने कहा कि जब-जब देश को आवश्यकता हुई तो देश की छात्र शक्ति को दिशा देने का काम विद्यार्थी परिषद ने किया।

मुख्य अतिथि पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने कहा कि विद्यार्थी परिषद स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलने वाला संगठन है जो युवाओं के अंदर राष्ट्र भक्ति को जगाने का कार्य करते हैं। साथ ही युवा शक्ति को राष्ट्र शक्ति बनाने की ओर अग्रसर है। विशिष्ट अतिथि सुमित प्रजापति ने कहा कि राष्ट्र निर्माण एवं छात्र हितों के लिए विद्यार्थी परिषद कार्य करता आ रहा है जो विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। कार्यक्रम का संचालन सक्षम गुप्ता ने किया। बताया कि नगर में 20 कार्यक्रम संपन्न होंगे। इस मौके पर विभाग संगठन मंत्री संजय राणा, जिला संगठन मंत्री शुभम विद्यार्थी, प्रांत एसएफडी सह संयोजक दीपक राजपूत, जिला सह संयोजक दिव्यांशु तिवारी, खेलो भारत सह संयोजक निष्कर्ष द्विवेदी रहे।

मृतक के परिवार से मिले मंत्री

संवाददाताजलालाबाद, कन्नौज

रोते बिलखते परिजनों को सांत्वना देते मंत्री असीम अरुण। अमृत विचार

- दोनों परिवारों को कृषक व आवासीय पट्टा, पेंशन का अश्वासन

अमृत विचार। ग्राम उत्तिमापुर पट्टी में अजय कुमार के मकान में लिंटर ढलाई कर रहे दो मजदूर की दबने से मौत के बाद मृतक के घर पहुंचे मंत्री ने पीड़ित परिवारों को सांत्वना दी और सरकार की योजनाओं के लाभ देने अश्वासन दिया।

सोमवार को मृतक के परिवारों से मिलने के लिए उनके पैतृक निवास भवानीपुर अनौगी खेड़ा 5:45 बजे पहुंचे समाज कल्याण राज्यमंत्री असीम अरुण व एसडीएम सदर नवनीत राय ने शोक संवेदना व्यक्त की। कहा कि दोनों मृतक परिवार के परिजनों को कृषक पट्टा, आवासीय पट्टा, आवास, वरिष्ठजनों को पेंशन, बाल्य सेवा योजना के अंतर्गत 18 वर्ष तक दोनों परिवारों के बच्चों को 25-25 सौ रुपये दिए जाएंगे। वहीं मृतक श्याम जीत व ज्ञानेंद्र कुमार की पत्नी को एक एक हजार रुपये प्रति माह देने का तत्काल आश्वासन दिया। घटना में घायल भूपेंद्र उर्फ टिल्लू से मंत्री असीम अरुण मिले और घायल से हाल जाना। हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। कहा कि जो भी लोग इस लापरवाही में शामिल है जांच करा कर कार्रवाई की जाएगी। सोमवार को दोनों मृतकों का पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौपे गये। इस के देर शाम दोनों मृतकों का अंतिम संस्कार जलेसर गंगा घाट पर कर दिया गया। इस दौरान एसडीएम नवनीता राय, भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया, विवेक पाठक, महेंद्र सिंह बघेल, रजनी पाल आदि मौजूद रहे।

सार-संक्षेप

तालग्राम में पौधा रोपण करते चेयरमैन व अन्य। अमृत विचार

पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

गुरसहायगंज, कन्नौज। नगर पंचायत तालग्राम में दावत-ए-इस्लामी इंडिया के (जीएनआरएफ) द्वारा पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें चेयरमैन मोहसिन खान व थाना प्रभारी शशिकांत कनौजिया, कस्बा इंचार्ज दिनेश चन्द्र ने थाना परिसर में पौधा रोपण किया। बताया कि यह अभियान 07 से 15 जुलाई तक चलेगा। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधा लगाना है, पेड़ बनाना है का संकल्प लिया। चेयरमैन ने कहा कि पौधा रोपण पर्यावरण संकट की चुनौती के समाधान की ओर एक प्रयास है। जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और बढ़ते प्रदूषण के इस दौर में यह अभियान प्रकृति संरक्षण की दिशा में एक मजबूत कदम है। इस दौरान कारी फैज आलम, इरफान अत्तारी, आसिफ अत्तारी, जलालुद्दीन, अब्दुल वाहिद, सलमान, असलम, समसाद अंसारी, लिपिक दीपक सविता, अनुज कुमार मौजूद रहे।

भीकमपुर में खेत में मिला भारी भरकम मगरमच्छ

कन्नौज। सदर कोतवाली की जलालपुर पनवारा चौकी क्षेत्र के भीकमपुर गांव के खेतों में भरकम मगरमच्छ मिला। खेत पर गई महिला ने उसे देख शोर मचाया। सूचना पर वन विभाग की टीम ने पकड़कर काली नदी में छोड़ दिया। सोमवार की सुबह सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव भीकमपुर के निकट खेतों में गई एक महिला ने खेत में भरे पानी में मगरमच्छ को देखा। डर से वह शोर मचाते हुए भागी। इसी बीच खेतों पर मौजूद लोग मौके पर पहुंच गये। इसके बाद जलालपुर पनवारा चौकी प्रभारी प्रशांत गौतम को जानकारी दी। वह मौके पर पहुंचे और वन विभाग को सूचना दी। दो घंटे के बाद वन विभाग की टीम पहुंची और किसी तरह मगर को बांध कर निकट में बह रही काली नदी में छोड़ दिया। नदी में भारी भरकम मगर के छोड़े जाने से लोग उधर जाने से कतराने लगे हैं। लोगों का कहना है कि काली नदी किनारे अपने मवेशी लेकर जाते हैं। अब मवेशियों को भी खतरा बना हुआ है।

भीकमपुर गांव के खेत में मगरमच्छ देखते ग्रामीण।

1100 पौधे लगाने का रंजू सिंह ने लिया संकल्प

छिबरामऊ, कन्नौज। कृष्णा फाउंडेशन की प्रबंधक एवं पर्यावरणविद् रंजू सिंह लकी ने इस बरसात में 1100 पौधे लगाने का संकल्प लिया है। उन्होंने सावन के पहले सोमवार पर विशुनगढ़ क़िला स्थित चौधरी सदानंद हाई स्कूल परिसर में बरमदेव मंदिर, अर्जुनपुर, चतुरीपुर, मटेना रोड व अजय यादव के ईट भट्ठा पर भी पौधरोपण किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी से अनुरोध किया है कि एक-एक पौधा जरूर लगाएं और बड़े होने तक उसकी देखभाल करें। रामबक्स वर्मा एडवोकेट, सुमित यादव, पवनेश यादव, आराधना त्रिपाठी व उर्मिला पाल मौजूद रहे।

50 से ऊपर रैंक वाले अधिकारी योजनाओं पर ध्यान दें: डीएम

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ने दर्पण पोर्टल की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश
- बेसिक शिक्षा, यूपी नेडा, उद्यान, कृषि व पशुपालन का प्रदर्शन अच्छा, मिली तारीफ

अमृत विचार। जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक में निर्देश दिए कि दर्पण पोर्टल पर लोक निर्माण विभाग, पर्यटन विभाग, लोक शिकायत में खराब प्रदर्शन आया है इसे सुधारा जाए। डीएम ने खराब रैंक मिलने पर नाराजगी भी जताई। दूसरी ओर अच्छा प्रदर्शन करने वाले बेसिक शिक्षा विभाग, उद्यान, कृषि, पशुपालन, यूपी नेडा की पीएम सूर्य घर में और चिकित्सा विभाग का अच्छा प्रदर्शन होने पर अधिकारियों की सराहना भी की।

सोमवार को हुई बैठक में कहा कि 50 से ऊपर रैंक वाले अधिकारी विभागीय योजनाओं पर ध्यान देकर सुधारें। जिनकी रैंक खराब है उनकी पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा डीएम ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र/ छात्राओं के लिए मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना मील का पत्थर साबित हो रही हैं। योजना के तहत तैयारी करने वाले जनपद के 05 अभ्यर्थी यूपी पुलिस, 03 अभ्यर्थी जेईई व 01 का चयन नीट में हुआ है। आर्थिक रूप से कमजोर समाज के सभी वर्गों के प्रतिभाशाली युवाओं को आईएएस, पीसीएस, नीट, जेईई, एनडीए, सीडीएस, सीयूईटी, सीएपीएफ जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग देता है।

क्लासेज ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से होती हैं। इसके साथ ही मॉक टेस्ट, इंटरव्यू प्रैक्टिस, स्टडी मटीरियल और पर्सनल मेंटरशिप की सुविधा भी दी जाती है। डीएम ने कहा कि कक्षा 11, 12 एवं स्नातक के इच्छुक विद्यार्थी abhyudaya.up.gov.in पर ऑनलाइन एवं ऑफलाइन फार्म भरने के लिए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य के माध्यम से फार्म जमा करवा सकते हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला समाज कल्याण अधिकारी एक व्हाट्सएप नंबर विकसित करें, जिस पर विद्यार्थी सीधे अपना आवेदन कर सकें।

फर्जी मुकदमों को रद करने की मांग

छिबरामऊ, कन्नौज। जिला कांग्रेस कमेटी ने जिलाध्यक्ष मो.शाकिर हुसैन एडवोकेट के नेतृत्व में नायब तहसीलदार को राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपकर वाराणसी में कांग्रेस नेताओं पर लगाए गए फर्जी मुकदमे रद्द कराए जाने तथा श्रद्धालुओं के लिए मूलभूत सुविधाओं का उचित इंतजाम किए जाने की मांग की है।

ज्ञापन में काशी की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता पर जोर देते हुए कहा गया कि यह शहर न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे देशवासियों की आस्था का केंद्र है। सावन माह में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। जनप्रतिनिधियों द्वारा जनता की समस्याओं को उठाने पर सरकार दमनात्मकस कार्रवाई कर रही है।

आत्महत्या कर फंसाने की धमकी देने का आरोप

गुरसहायगंज, कन्नौज। आए दिन घर पर लड़ाई झगड़ा कर आत्महत्या करने की दमकी देने व घर से भागने का प्रयास कर ससुरालियों को झूठे मुकदमे में फसाने की धमकी देने वाली बहू के के खिलाफ सास ने पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। ग्राम भूड़हा निवासिनी निर्मला देवी पत्नी संतराम ने कोतवाली पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में कहा है कि उसकी बहु आए दिन घर में लड़ाई झगड़ा करती है। वह घर से भागने और आत्महत्या का प्रयास कर घर वालों को झूठे मुकदमे फसाने की धमकी देती है। पीड़िता के तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सम्मन विनावर इनफिसाल मुकदमा

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत श्रीमान् अपर जिलाधिकारी न्यायिक महोदय जिला चित्रकूट
वाद मुकदमा -47/2025 मुद्दई
नियत तिथि-16/07/2025
साकिन
श्रीचन्द्र बनाम सम्पत आदि

1. चुनकू पुत्र सुरिजपाल, 2. हरि प्रसाद पुत्र सुरिजपाल पुत्रगण सुखनन्दन,3.ब्रदी प्रसाद,4. विशाल प्रसाद, 5.गोपाल चन्द्र, 6.शिवलाल उर्फ शिवलाल पुत्रगण सुखनन्दन, निवासी-ग्राम देऊँधा, तहसील, मऊ, जनपद-चित्रकूट (उ0प्र0)

दरगाह श्रीचन्द्र पुत्र पितम्बर ने आपके नाम एक नालिस वावत के दायर लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आ0 ता0/- 16 माह 207 सन् 2025 ई 0बवक्त बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के अदालत से करार बाकई बाकिफ किया गया हो और जो कुल उमर अइन मुतालिक मुकदमें का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई शख्श हो जवाब ऐसे सवालात को दे हाजिर हो और जवाब देहीदात काकर और दरगाह वही तारीख जो आपके इजराय के लिए मुकर्रर है वास्ते इनमिसाल कतई मुकदमा की तहजीब हुई है आप को लाजिब है कि उसी-सेज जुमला दस्तावेज की जिसका आप अपनी जवाब देही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो के करें। आपको इत्तला दी जाती है कि अनरववाज मजकूर आप हाजिर होगें तो मुकदमा गैर हाजिर मजकूर और फैसला होगा। बरख्त मुहर अदालत के आज तारीख सन 2025 ई0 को जारी किया गया।

आज्ञा से
न्यायालय

मिनी आईटीआई हेतु प्रवेश सूचना

कस्बा मौदहा जिला हमीरपुर के मदरसा यादगार मोहम्मदी हुसैनी मिनी आईटीआई के निम्न ट्रेडों पर प्रशिक्षण हेतु सत्र 2026 के लिए 31 जुलाई 2025 तक अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाएंगे।

क्र0सं0	ट्रेड	शैक्षिक योग्यता	आयु
1.	कंप्यूटर (कोपा)	सेकेण्डरी (मुंशी, मौलवी) उत्तीर्ण	14 वर्ष से अधिक
2.	आशुलिपि (हिंदी)	सेकेण्डरी (मुंशी, मौलवी) उत्तीर्ण	14 वर्ष से अधिक
3.	वैल्डर (गैस एवं विद्युत)	फौकानिया (कक्षा-8) उत्तीर्ण	14 वर्ष से अधिक

प्रशिक्षण केंद्र-मदरसा यादगार मोहम्मदी हुसैनी, मोहल्ला- हैदरगंज, कस्बा मौदहा, जिला हमीरपुर (उ.प्र.)

मो.न.-8707085146, 9307881853, 8604350010

प्रधानाचार्य - मोहम्मद सलमान खान
मदरसा यादगार मोहम्मद हुसैनी
मिनी आईटीआई, मौदहा, हमीरपुर

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

सूचना
मैंने अपना नाम SABIT ALI से बदलकर MOHAMMAD SHAHZADE रख लिया है अब भविष्य में मुझे MOHAMMAD SHAHZADE के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O- ISHRAT ALI R/O- JABRI KHURD ANWARI, BARABANKI

सूचना
मैंने अपना नाम MASOUD AHMAD से बदलकर MASAOOD AHMAD रख लिया है अब भविष्य में मुझे MASAOOD AHMAD के नाम से जाना व पहचाना जाये।S/O- MUNEER AHMAD R/O- BARHI EDILPUR POST-HANSWAR, AMBEDKAR NAGAR

सूचना
मैने अपना नाम MAYANK NARESH GARG से बदलकर MAYANK GARG रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-NARESH CHANDRA GARG ADD-C-1402 C-BLOCK INDIRA NAGAR DIST-LUCKNOW- 226016(U.P.)

सूचना
मैने अपना नाम SADAKAT से बदलकर MOHD SADAKAT रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। C/0-LIYAKAT ALI ADD-H.N.-34, LOKHARIYAPUR, POST-LAHARPUR, DIST-SITAPUR-261135 (U.P)

सूचना
मैं, मुख्तार खान, इनाया मुख्तार के पिता, जिनका जन्म 22/10/2012 को हुआ, एतद्द्वारा घोषणा करता/करती हूँ कि मेरी बेटी का नाम इनाया मुख्तार से बदलकर इनाया खान कर दिया गया है। अब से, उसे सभी आधिकारिक उद्देश्यों और दस्तावेजों, जिनमें शैक्षिक, पहचान और सरकारी रिकार्ड शामिल हैं, के लिए इनाया खान के नाम से जाना जाएगा। **इनाया खान पुत्री मुख्तार खान निवासी- 19/20 कुर्सी रोड, स्पोर्ट कालेज के पास गुडम्बा, लखनऊ**

सूचना
मैं **प्रीती वर्मा पत्नी श्री पियूष कुमार, निवासी- फ्लैट नं0-604, ब्लॉक-सी, लाइलैक टावर, ओमेक्स रेजिडेंसी-1, सरसवां, अर्जुनगंज, लखनऊ** की हूँ, मेरी पुत्री दिविशा वर्मा जिसकी जन्म तिथि 05.07.2019 है। यहकि मेरी पुत्री का पूर्व में नाम दिव्यांका वर्मा था जिसके स्थान पर मैने पुत्री का नाम बदलकर दिविशा वर्मा रख लिया है। अतः मेरी पुत्री के नये नाम का संशोधन मेरे द्वारा अपनी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में भी करा दिया है। यह कि मेरी पुत्री को भविष्य में दिविशा वर्मा के नाम से ही जाना व पहचाना जाय।

सूचना
मैं **ज्ञानेन्द्र बाजपेयी पुत्र स्व. वासुदेव बाजपेयी निवासी-गढ़ेवा, ककवन कानपुर नगर** का हूँ। मैं और मेरे परिवारिक सदस्य (पत्नी, बेटा सहित) अपने चारों भाई व तीनों बहनों तथा उनके परिवार के समस्त सदस्यों से सम्बन्ध विच्छेद करता हूँ।उनके चाल-चलन, क्रिया कलाप व किसी तरह के लेनदेन से मेरा व मेरे परिवारिकजनों से कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा।

बेदखली सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र पवन कुमार का चाल चलन आचरण व्यवहार ठीक नहीं है आये दिन वह मेरे साथ गाली गलौज मारपीट करता है। उसकी गलत हरकतो तथा आसामाजिक कृत्य से मै व परिवार के लोग परेशान हो चुके हैं आज की तिथि से मैं अपने पुत्र पवन कुमार को अपनी सारी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। आज से मेरे व पवन कुमार के बीच कोई वास्ता सरोकार नहीं रहेगा इसके द्वारा किया गया किसी प्रकार का लेनदेन व गलत आचरण का वह स्वंय जिम्मेदार होंगा। **दशरथा पत्नी नंदलाल, निवासी-ग्राम पूरे बड़ हरियन, पोस्ट-मेघमऊ, परगना-इसौली, तहसील बल्दीराय, सुल्तानपुर।**

बैठक जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने बैठक के दौरान समीक्षा कर दिए निर्देश

बिना सूचना के अफसर मुख्यालय न छोड़ें

संवाददाता कन्नौज

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक लेते जिलाधिकारी, साथ मौजूद सीडीओ व मौजूद विभागीय अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक के दौरान गौशालाओं के प्रबंधन, पौधरोपण महाअभियान, नदी सफाई एवं मनरेगा कार्यों की समीक्षा की। निर्देश दिए कि सीवीओ डॉ. अनिल कुमार छुट्टा जानवरों को पकड़ने के लिए क्षेत्रवार कार्ययोजना तैयार करें। इसके लिए आवश्यक वाहन, ड्राइवर एवं क्षेत्रीय सूची तत्काल उपलब्ध कराई जाए।

डीएम ने नादेमऊ, अनौगी, बेहरिन आदि गांव में गौशालाओं में लगाए गए ट्री-गार्ड की गुणवत्ता पर असंतोष व्यक्त किया। निर्देश दिए कि ट्री-गार्ड टिकाऊ एवं मजबूत बनाए जाएं ताकि पौधों की सुरक्षा हो सके। पांडु नदी संरक्षण पर निरंतर सफाई और दोनों किनारों पर पौधरोपण करने को कहा। पौधरोपण कार्य की जिओ टैगिंग सभी ग्राम पंचायतों में अनिवार्य रूप से कराने को कहा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि सभी कार्य नियोजित ढंग से किए जाएं। कोई भी अधिकारी बिना पूर्व सूचना के मुख्यालय न छोड़े। बैठक में सीडीओ रामकृपाल चौधरी, पीडी रामऔतार सिंह, उपायुक्त मनरेगा दिनेश यादव, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश वर्मा उपस्थित रहे।

दि किसान सहकारी चीनी मिल्स लिमिटेड, कायमगंज, फर्रूखाबाद

निविदा सूचना

सत्र 2025-26 हेतु चीनी मिल में ई-निविदा के माध्यम से चीनी मिल में विभिन्न प्रकार के जॉब वर्क जैसे मिल में फैब्रीकेशन एण्ड इरेक्शन, चीनी गोदामो, ड्रायर हाऊस में चीनी के बोरों की भराई, तौलाई एवं सिलाई तथा बाह्य गन्ना क्रय केन्द्र-फैजबाग प्रथम, हजियॉपुर-प्रथम, रोशनाबाद, कुतुबपुर सराय, गूदरागंज-ए, गूदरागंज-बी से मिल गेट तक गन्ना परिवहन के कार्यों हेतु दिनांक 12.07.2025 से 31.07.2025 तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी मिल कार्यालय एवं वेब-साईट **www.etender.up.nic.in** से प्राप्त की जा सकती है। प्राप्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित होगा।

प्रधान प्रबन्धक

आज का मौसम
मंगलवार को बादल छाए रहेंगे। इसके साथ ही हल्की बारिश होने के आसार हैं।
33.0⁰ अधिकतम तापमान
27.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05:26
सूर्यास्त 07:07

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

तीन तस्कर हत्थे चढ़े, 6 लाख कीमत का 42 किलो गांजा बरामद

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- दो अलग-अलग स्थान से गिरफ्तार किये गये तस्कर
- नेपाल से गांजा लाकर कानपुर का तस्कर इनको करता सप्लाई

अमृत विचार। कोतवाली पुलिस, एसओजी व सर्विलांस की संयुक्त टीम ने तीन शातिर गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनसे 42 किलोग्राम नाजायज गांजा बरामद किया गया। इसकी कीमत लगभग 06 लाख रुपये बताई गई जबकि 01 मोटर साइकिल बरामद की गई है। एसपी ने गिरफ्तार करने वाली टीम को 10 हजार रुपये देने की घोषणा की है।

सदर कोतवाली पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम ने नेपाल से लाये गये करीव 42 किलो गांजे के साथ विपिन पुत्र अजयपाल सिंह यादव निवासी ग्राम प्रतापपुर सुरसी थाना ठठिया जनपद कन्नौज, शोभित उर्फ कल्लू कटियार पुत्र सुभाषचन्द्र कटियार निवासी ग्राम मानपुर कोतवाली कन्नौज को मानपुर ठठिया रोड पर हाइवे के पुल के करीब 300 मीटर ठठिया रोड से गिरफ्तार किया। इन से कुल 35 किलो 830 ग्राम गांजा बरामद हुआ। इसी तरह पुलिस ने तीसरे गांजा तस्कर अमरजीत पुत्र रामबाबू निवासी मोहल्ला सराय बहादुर थाना कोतवाली जनपद कन्नौज को मोहल्ला शेखपुरा से चौधरी सराय जाने वाले रोड पर टावर के पास से गिरफ्तार किया। इस के पास से पुलिस ने 06 किलो 130 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा है। मामले का खुलासा एसपी विनोद कुमार व सीओ सदर अभिषेक प्रताप अजेय ने किया। एसपी ने बताया कि उक्त गांजे को नेपाल के काठमाण्डू से लाया जाता है। इसे कानपुर का धर्मेंद्र नाम का व्यक्ति सप्लाई करता है।

पुलिस कार्यालय में खुलासा करते एसपी विनोद कुमार, सीओ अभिषेक प्रताप अजेय व तस्करों के साथ कोतवाली पुलिस। अमृत विचार

गिरफ्तारी करने वाली टीम
प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कन्नौज जितेन्द्र प्रताप सिंह, दरोगा मोहम्मद तौकीर, शैलेन्द्र सिंह, राधे कृष्ण पाण्डेय, सुभाष चन्द्र यादव के अलावा एसओजी टीम प्रभारी दरोगा कमल भाटी, हेड सिपाही मनोज कुमार, सुधीर कुमार आदि।

महिलाओं सहित 15 लोगों पर शांति भंग की कार्रवाई
छिबरामऊ, कन्नौज। शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर चलाए जा रहे अभियान में विशुनगढ़ पुलिस ने 15 लोगों के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई की है। ग्राम खबरिया निवासी बलराम पुत्र प्रताप सिंह, ललित पुत्र सज्जन सिंह, मदनलाल पुत्र घासीराम, प्रदुम पुत्र मदनलाल, रजनी पत्नी वीरेन्द्र, कोमल पुत्री वीरेन्द्र, शान्ति पत्नी सज्जन, रामसखी पत्नी मदनलाल वर्षा पुत्री मदनलाल, ग्राम डाडे निवासी उपदेश पुत्र रामस्वरुप तथा ग्राम हमीरपुर निवासी रवि पुत्र बदन सिंह, रामू पुत्र तारा सिंह, ऊषा देवी पत्नी दयाराम, महावीर पुत्र श्याम सिंह व संदीप पुत्र कमलेश सहित 15 लोगों को शांति भंग में गिरफ्तार कर लिया गया है।

मंदिर मार्ग पर गिरा पेड़, श्रद्धालुओं को हुई भारी परेशानी

छिबरामऊ, कन्नौज। श्री गंगेश्वर नाथ मंदिर मार्ग पर रविवार रात एक नीम का पेड़ गिर जाने से श्रद्धालुओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। पैदल, ई-रिक्शा और बाइक से जाने वाले श्रद्धालु किसी तरह निकल गए, लेकिन चार पहिया वाहनों का आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। स्थानीय निवासी कौशलेंद्र सिंह चौहान उर्फ श्यामू ने बताया कि उन्होंने एक सप्ताह पहले ही नगर पालिका को पेड़ के झुकने की सूचना दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की। बारिश के कारण पेड़ उखड़कर सड़क पर गिर गया। सूचना मिलते ही पालिकाध्यक्ष मनोज दुबे के निर्देश पर यह पेड़ कटवा कर रास्ता साफ करा दिया गया।

गंगेश्वर नाथ मंदिर रोड पर गिरा वृक्ष।

मकरंदनगर में रुद्राभिषेक करते श्रद्धालु। अमृत विचार

गुरसहायगंज में शिव मंदिर में भोलेनाथ का अभिषेक करते श्रद्धालु। अमृत विचार

जिले के शिवालयों में गूंजा हर-हर महादेव

सावन के पहले सोमवार को शिवमंदिरों में सुबह से उमड़ी आस्था, लाइन में लगकर किए दर्शन

कार्यालय संवाददाता कन्नौज/ गुरसहायगंज/छिबरामऊ

- जगह-जगह जलाभिषेक के साथ रुद्राभिषेक हुए

अमृत विचार। सावन के पहले सोमवार को जिले भर के शिवालयों में हर-हर महादेव के स्वर गुंजायमान रहे। शहर समेत तमाम शिव मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का उमड़ना शुरू हो गया। दर्शन पूजन और जलाभिषेक का क्राम देर रात तक जारी रहा। तमाम आस्थावानों ने रुद्राभिषेक कर भोलेनाथ को मनाया।

बता दें कि 10 जुलाई को अषाढ़ी पूर्णिमा के बाद अगले दिन 11 जुलाई से सावन का महीना जो भगवान शिव को समर्पित माना जाता है शुरू हो गया है। इस बार पहला सोमवार 14 जुलाई को पड़ा। ऐसे में भक्तों ने पहले से ही पूजन की तैयारी पूरी कर ली थी जबकि शिव मंदिरों को भी बेहतर तरीके से सजाया गया था। एक दिन पहले तक साफ सफाई का काम चलता रहा। सोमवार को तड़के से ही शहर स्थित सिद्धपीठ बाबा गौरीशंकर समेत तमाम शिवमंदिरों में श्रद्धालुओं का उमड़ना शुरू हो गया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक करने के बाद विधिविधान से दूध, दही, घी, शहद, पंचामृत से अभिषेक किया। इसके बाद बेल पत्र, शमी पत्र, धतूरा, आक के पुष्प समेत अन्य सामग्री जो भोले को प्रिय से पूजन अर्चन कर मत्था टेका। तमाम भक्तों ने व्रत रखकर भगवान शिव के प्रति आस्था दिखाई। मकरंदनगर में भक्तों ने आचार्य पं. मधुसूदन शुक्ला की देखरेख में रुद्राभिषेक किया। यह क्रम देर शाम तक जारी रहा जबकि शिव मंदिरों में दर्शन को कतारें लगी रहीं।

गुरसहायगंज संवाददाता के अनुसार सोमवार को नगर के चौराहा स्थित श्रीराम मंदिर, सर्विस रोड स्थित सती माता मंदिर, पावर हाउस स्थित गंगेश्वर नाथ मंदिर, चकोर रोड स्थित पशुपतिनाथ मंदिर, रामगंज स्थित शिव मंदिर, तिराहा स्थित संतोषी माता मंदिर, अफसरी स्थित काली देवी मंदिर सहित अन्य मंदिरों में श्रद्धालुओं ने पूजा कर भगवान भोलेनाथ की उपासना की। नगर के रेलवे स्टेशन स्थित प्राचीन शिव मंदिर वरिष्ठ समाजसेवी अशोक गुप्ता, पालिकाध्यक्षा मुन्नी देवी गुप्ता, पालिकाध्यक्ष मयंक गुप्ता ने पूजा एवं जलाभिषेक किया। इस दौरान मनोज गुप्ता, नवल किशोर गुप्ता, दीपक सिंह, गंगा सिंह कुशवाह, रानू गुप्ता सहित तमाम श्रद्धालु मौजूद रहे। उधर नगर के मोहल्ला गोपाल नगर स्थित सीताराम धाम पर भाजपा क्षेत्रीय मंत्री देवेंद्र देव ने श्रद्धालुओं के साथ रुद्राभिषेक कर प्रसाद वितरण किया। इस दौरान आंचल गुप्ता, हरीओम गुप्ता, मयंक गुप्ता, शिवा गुप्ता, सचिन गुप्ता, विमलेश कुशवाहा, अमन वर्मा आदि मौजूद रहे।

छिबरामऊ संवाददाता के अनुसार भक्तों ने नगर के शिव मंदिरों पर जाकर दूध, दही व गंगाजल से अभिषेक करके सोमवार के व्रत की कथा की। व्रत भी रखा। पंडित बनारसीदास शास्त्री ने बताया कि सावन के महीने में रखे गए सोमवार के व्रत वर्ष भर के व्रतों का फल प्रदान करता है। इस महीने में भगवान शिव के पावन शिवलिंग पर गंगाजल, दूध व दही से अभिषेक करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं।

छिबरामऊ में मंदिर में भगवान शिव की आराधना करते भक्त। अमृत विचार

एसपी ने शिव मंदिरों में देखी सुरक्षा, दिये जरूरी निर्देश

कन्नौज। सावन के पहले सोमवार को एसपी विनोद कुमार, सीओ सदर अभिषेक प्रताप अजेय के साथ गौरीशंकर मंदिर व शहर में निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था जांची। भक्तों की भीड़ को देखते हुए लगाई गई पुलिस जवानों की ड्यूटी के संबंध में दिशा निर्देश दिये। मंदिर कमेटी से बात कर भक्तों को दर्शन कराने की व्यवस्था की जानकारी ली। सीओ सदर व कोतवाली प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह से कहा कि भीड़ अधिक होने पर लाइन लगवाने का ध्यान रखें। इसके बाद मुख्य बाजार का निरीक्षण कर व्यापारियों को सुरक्षा का भरोसा दिया।

दौलेश्वर मंदिर में सुबह से दर्शन को लगी कतार
तिर्वा, कन्नौज। सावन के पहले सोमवार पर शिवभक्तों ने सुबह से ही दौलेश्वर समेत अन्य शिव मंदिरो मे जाकर विधिविधान के साथ पूजा अर्चना की। मंदिरों में एक दिवसीय मेला भी लगा। सुबह तीन बजे से दौलेश्वर मंदिर में शिवभक्तो का आना शुरू हो गया। शिवभक्तों ने गंगा स्नान करने के बाद मंदिर आकर जलाभिषेक कर पूजा सामग्री अर्पित की। मंदिर परिसर के बाहर लगे मेले में भक्तो ने खूब खरीददारी की। मंदिर समिति ने महिलाओं व पुरुषों को दर्शन कराने के लिए अलग अलग लाइन लगवाकर एक एक को मंदिर में प्रवेश दिया।

तिर्वा के दौलेश्वर मंदिर में दर्शन को कतार में लगे भक्त। अमृत विचार

13.63 लाख जनसंख्या के आधार पर तय होगा गांव का आरक्षण

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक ही ग्राम पंचायतों में चुनाव के लिए आरक्षण तय किया जाएगा इसका ऐलान हो चुका है। वर्ष 2026 में संभावित त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियां शुरू हो गईं हैं। अगले साल अप्रैल-मई में प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य (बीडीसी) व जिला पंचायत सदस्य (डीडीसी) पदों पर चुनाव होना है। 14 साल पहले की गांव में कुल जनसंख्या 13 लाख 63 हजार 419 है।

पुरानी जनगणना के तहत जनपद में अनुसूचित जन जाति के महज 14 लोग ही रहते हैं। अनुसूचित जाति के 2 लाख 73 हजार 72 लोग हैं जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग की संख्या 8 लाख 22 हजार 67 लोग हैं। सामान्य वर्ग की जनसंख्या 2 लाख 68 हजार 266 है।

हालांकि यह तय है कि 14 साल के बाद आंकड़े बदल गए होंगे लेकिन हर 10 साल में होने वाली नई जनगणना अब तक शुरू नहीं हुई है इस वजह से पुराने आंकड़े को ही आधार मानकर प्रधान, बीडीसी व डीडीसी का आरक्षण तय किया जाएगा। 18 जुलाई से मतदाता पुनरीक्षण अभियान की तैयारियां भी चलने लगेंगी। निर्वाचन आयोग से इसका विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। 14 अगस्त से 29 सितंबर तक वोट बनवाए जाएंगे। गलत नाम हटाए जाएंगे।

कहा जा रहा है कि सीटों का आरक्षण अक्टूबर से शुरू होगा। इसमें ओबीसी के लिए 27 फीसदी सीटें आरक्षित होंगी। एससी को 20.69 फीसदी, एसटी के लिए 0.56 प्रतिशत कोटा रहेगा। कुल आरक्षण में महिलाओं के लिए 33 फीसदी सीटे निर्धारित रहेंगी।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से कार सवार युवक की मौत

संवाददाता सौरिख,कन्नौज

अमृत विचार। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे के रास्ते कार रोक कर उतरे सवार को ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौत हो गई।

लखनऊ जनपद के सेक्टर 14 के अबांती पुरम थाना इंद्रा नगर निवासी मनोज कुमार पुत्र स्व.रामौतार, मां, छोटी बहन आरती, भाभी सन्नो पत्नी ज्ञान चन्द्र कार चालक शिवम पुत्र नरेश सिंह निवासी सेक्टर 14,मकान न 015 बसंत बिहार लखनऊ के साथ मेंहदीपुर बाला जी के दर्शन करने गए थे। वहां से रविवार देर रात आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे के रास्ते लौट रहे थे। देर रात करीब 12 बजे थाना क्षेत्र के 157 किलोमीटर पर पहुंचे तो लघुशंका के लिए कार रोक दी। मनोज लघुशंका के बाद वापस आकर कार के पास ही खड़े हो गए तभी आगरा की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए डॉ भीमराव अम्बेडकर मेडिकल कॉलेज तिर्वा ले जाया गया जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

डाककर्मी से मारपीट में 12 पर रिपोर्ट

तिर्वा। डाकघर कर्मी के साथ मारपीट की घटना में पुलिस ने दो नामजद व 10 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर दी है।

थाना इंदरगढ़ के हसेरन कस्वा निवासी अर्जुन सिंह पुत्र बैजनाथ ने पुलिस को तहरीर देते बताया कि वह उमर्दा डाकघर पर पैकर पद पर काम करता है। दो जुलाई को अपने कार्यस्थल से उमर्दा से तिर्वा होकर कमालगंज जा रहा था। ईशन नदी पर उमर्दा निवासी मोनू यादव पुत्र ओमप्रकाश व ओमप्रकाश पुत्र शिस्ते यादव अपने 10 अज्ञात साथियो के साथ मिले और रास्ता रोककर लाठी डंडो से मारपीट कर घायल कर दिया।

कंसल्टिंग इंजीनियरों के क्षेत्र बदलने की तैयारी

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- पीड़ित बोले, किस स्थानांतरण नीति के तहत किया जा रहा तबादला
- निदेशालय स्तर से कोई निर्देश नहीं आया और 3 साल का है अनुबंध

अमृत विचार। ग्राम पंचायतों में कुल 2 फीसदी कमीशन पर काम करने वाले कंसल्टिंग इंजीनियरों के ब्लॉक क्षेत्र बदलने की तैयारी हो रही है। उधर, इंजीनियर्स का कहना है कि शासनादेश के विरुद्ध स्थानांतरण किए जा रहे हैं। उनका अनुबंध 3 साल के लिए हुआ है। विकास खंड बदलने के लिए कोई निर्देश या आदेश निदेशालय से नहीं है।

पंचायती राज विभाग में करीब 15 तैनात कंसल्टिंग इंजीनियर तैनात हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने डीपीआरओ राजेंद्र प्रकाश को पत्र देकर कहा है कि उनका मासिक मानदेय नहीं है। 2 फीसदी कमीशन पर काम करते हैं इसलिए प्राथमिकता के आधार पर गृह ब्लॉक क्षेत्र में तैनात किया गया है। कंसल्टिंग इंजीनियरों का अनुबंध ग्राम पंचायतों में कार्य के सापेक्ष प्राक्कलन एवं माप पुस्तिका तैयार कर गुणवत्ता पूर्वक कार्य कराने का है। अगर किसी ग्राम पंचायत में कंसल्टिंग इंजीनियर का विवाद होता है तो उसे अनुबंध के मुताबिक डीपीआरओ की मध्यस्थता दूर कराया जाएगा। 30 दिन तक मामला नहीं सुलटता तो डीडी पंचायत कानपुर मंडल के पास बाद जाएगी। इंजीनियरों का कहना है कि किसी महीने में बजट के अभाव में कार्य नहीं मिलता है। ग्राम पंचायत में कार्य का भुगतान होने के 6 से 8 महीने बाद बार-बार कहने के बावजूद कंसल्टिंग इंजीनियरों का भुगतान नहीं किया जाता है। घर से 50 से 60 किलोमीटर दूरी तक भ्रमण करना पड़ता है। तबादला के बाद दूरी 100 किमी तक हो जाएगी।

> छिबरामऊ क्षेत्र के कुछ कंसल्टिंग इंजीनियर्स की शिकायतें आईं हैं कि वह अधिक कमीशन मांगते हैं। अभी किसी का ब्लॉक नहीं बदला गया है। इसके लिए प्रस्ताव बनाकर निदेशालय से मार्ग दर्शन मांगा जा रहा है। कंसल्टिंग इंजीनियरों ने भी ज्ञापन देकर अपनी बात रखी है।
> -राजेंद्र प्रकाश, डीपीआरओ

मनमानी लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे के लिए सिकरोरी गांव के पास बननी है 400 मीटर सड़क

विधानमंडल में उठा मामला, समय भी गुजरा पर नहीं बनी सर्विस रोड

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे के लिए सिकरोरी-अलमापुर गांव के पास महज 400 मीटर की सर्विस लेन बननी है। मामला विधानमंडल में उठा चुका है। मंत्री की ओर से दिया गया समय भी गुजर चुका है लेकिन अब तक काम शुरू नहीं हुआ। खास बात यह कि मेसर्स यश कंस्ट्रक्शन मैनपुरी को टेंडर भी दिया जा चुका है। इसकी जानकारी आरटीआई में दी गई है।

दरअसल, जुलाई 2024 में एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने सदन में मामला उठाते हुए कहा था कि जमीन पर किसान खेती कर रहे हैं। किसानों का उस पर कब्जा है। अब तक उनको मुआवजा नहीं मिला है जो सर्विस लेन बन सके। हाईकोर्ट में रिट भी 2018 से पेंडिंग है। जमीन पर सड़क बनवाने के लिए अधिकारी काश्तकारों को परेशान कर रहे हैं। सरकार इसको परसू (पैरवी) करे। एमएलसी ने आगे कहा कि सर्विस लेन बनने से आसपास के 17 गांव को राहत मिलेगी। साथ ही तिर्वा बाईपास भी बनाया जा सकता है। अधिकारियों ने गलत तथ्य दिए हैं और छिपा दिए हैं। अफसर गुमराह कर रहे हैं। यह विषय गंभीर है है गलत उत्तर पर कार्रवाई तय की जाए। जवाब में मंत्री नंद गोपाल नंदी ने, क्या गुमराह कर दिया... यह कहते हुए जवाब दिया कि अलमपुर गांव में 410 मीटर सर्विस रोड का निर्माण भूमि विवाद की वजह से नहीं हो सका। 2016 में हाईकोर्ट में रिट पर आदेश पारित नहीं हुआ है। 24 अगस्त 23 को जमीन का सीमांकन कराया गया है। कार्यस्थल पर काश्तकारों की सहमति पर विवाद समाप्त हो गया है।

2024-25 में लोकसभा क्षेत्र चुनाव की वजह से निविदा आमंत्रित नहीं हुई। छूटी हुई सर्विस रोड के लिए भूमि उपलब्ध है। 22 मीटर चौड़ा मिट्टी का कार्य टॉप 10 मीटर तक होना है। जनवरी 2025 तक इसे पूरा करा लिया जाएगा। सभापति ने भी एमएमलसी को 9 माह इंतजार करने की बात कही थी। बताया गया है कि 21 अगस्त 2024 तक निविदा आमंत्रित की गई थीं।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे के लिए अधूरी पड़ी सर्विस रोड। अमृत विचार

- मेसर्स यश कंस्ट्रक्शन मैनपुरी को टेंडर भी हो चुका, आरटीआई में दी गई जानकारी

इन्होंने मांगी आरटीआई
- कन्नौज। सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के तहत तिर्वा कस्बे के मोहल्ला सुभाषनगर निवासी एडवोकेट अंशुल गुप्ता की जानकारी पर यूपीडा लखनऊ के अधिशाषी अभियंता ने बतपाया कि कार्य के लिए 6 निविदादाताओं ने प्रतिभाग किया था। मेसर्स यश कंस्ट्रक्शन मैनपुरी को टेंउर दे दिया गया है। अन्य 5 निविदादाताओं को धरोहर राशि वापस हो गई है। 7 मई 2025 को दी गई जानकारी में कहा गया है कि कार्य के लिए एलओए जारी हो गया है। कार्य शुरू होने के 9 महीने में पूरा कर लिया जाएगा। अंशुल गुप्ता ने बताया कि कार्य पूरा होना तो दूर शुरू भी नहीं हुआ है। कुछ काश्तकारों ने जमीन नहीं दी है। सदन में मंत्री गलत बयान देते हैं।

> सर्विस लेन बनाने के लिए प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही पता लगाया जाएगा कि दिक्कत कहां है। उसे दूर कर कार्य शुरू कराया जाएगा। किसी भी ग्रामीण या किसान को दिक्कत नहीं होने दी जाएगी।
> -आशीष सिंह, एडीएम (वित्त एवं राजस्व)

सार-संक्षेप

जहरीले कीड़े के काटने से दो युवकों की हालत बिगड़ी
सौरिख, कन्नौज। अलग-अलग गांव में जहरीले कीड़े के काटने से दो युवकों की हालत बिगड़ गई। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां से तिर्वा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। थाना क्षेत्र के गांव मुखड़ा निवासी विवेक कुमार पुत्र दीपक (22) रविवार शाम 7 बजे धान की फसल में पानी लग रहा था। तभी जहरीले कीड़े ने उसे काट लिया। परिवार के लोग उसे सामुदायिक स्वास्थ्य ले आए जहां डॉक्टर ने जरूरी वैक्सीन लगाकर तिर्वा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहीं क्षेत्र के गांव सलेमपुर निवासी सूरज पुत्र महाराज सिंह (30) रविवार रात करीब 11 बजे शौच के लिए खेतों की तरफ गया था तभी उसे जहरीले कीड़े ने काट लिया। घर पहुंच कर उसने परिवार के लोगों को बताया तो वे सीएचसी ले गए। डॉक्टर ने जांच पड़ताल करने के बाद वैक्सीन लगाई और तिर्वा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

सावन के पहले सोमवार को शिव मंदिरों में जलाभिषेक ,उमड़े श्रद्धालु

पूजा अर्चना को श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़, सुबह से ही दर्शन के लिए लाइन में लग गए

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

मंदिर में दर्शन के लिए लगी श्रद्धालुओं की भीड़। अमृत विचार

अमृत विचार। सावन के पहले सोमवार को लेकर सुबह से ही जनपद भर के मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली।

वहीं महिला, पुरुष और युवतियां भी भगवान शिव की पूजा अर्चना करने के लिए हाथों में थाली, फूल, बेलपत्र, धतूरा, रोली- चंदन और जल का कलश लेकर मंदिरों पर लगी भीड़ खड़ी हुई थी। अपनी बारी आने का इंतजार कर रही थीं तो कुछ युवा हर हर महादेव जय भोलेनाथ के जोरदार नारे लगाकर आगे बढ़ रहे थे और अपने आराध्य की पूजा करने के लिए लाइन में खड़े हुए थे । सावन मास की शुरुआत से पहले ही दिन प्रमुख शिव मंदिरों में भव्य सजावट की गई मंदिरों को फूलों की मालाओं, रंग-बिरंगी झालरों और आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया।

सावन पर शिव मंदिरो में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ रही, नवाबगंज विकासखंड क्षेत्र के पुठरी में स्थित प्राचीन शिव मंदिर में, शहर के पांडेश्वर नाथ शिव मंदिर, ठाकुरद्वारा मंदिर, भोलेपुर स्थित हनुमान मंदिर सहित कई प्रमुख शिवालयों में सजावट की गई है । मंदिर परिसर को फूलों से सजाया गया, जिससे पूरे वातावरण में भक्तिमय माहौल दिख रहा था । सावन के पहले दिन भोलेपुर स्थित हनुमान मंदिर में भगवान शंकर को जल चढ़ाने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ रही।

मंदिर के पुजारियो के अनुसार सावन के पहले सोमवार को भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है, ऐसे में श्रद्धालुओं को भक्ति और श्रद्धा का अनुभव कराने के लिए विशेष सजावट के साथ ही साथ तैयारियां की जाती हैं। फूलों की भीनी खुशबू और लाइटों की झिलमिलाहट से मंदिरों को आकर्षक रूप दिया गया।

पुठरी मंदिर में दर्शन करने आई महिला का पर्स चोरी

संवाददाता नवाबगंज

- प्राचीन शिव मंदिर पुठरी पर दर्शन के दौरान हुई चोरी
- पीड़ित की शिकायत पर भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की

अमृत विचार। प्राचीन शिव मंदिर पुठरी पर फर्रुखाबाद के मोहल्ला काली देवी की निवासी मुस्कान पत्नी सौरभ सुबह जल चढ़ाने मंदिर पर आए थे।

मंदिर की मठिया के अंदर जल चढ़ाते समय किसी ने मुस्कान के थैले में कट मार कर उसमें रखे पर्स को चोरी कर लिया। मुस्कान ने बताया पर्स में 3500 रुपये और जरूरी कागजात थे। इसकी शिकायत मंदिर परिसर में ड्यूटी पर तैनात महिला दरोगा मीना कुमारी से की। तो महिला दरोगा मीना कुमारी ने शिकायत करने आई मुस्कान से कहा कि क्या हमने तुम्हारे थैले का ठेका ले रखा है। जल चढ़ाओ और घर जाओ। थानाध्यक्ष के मंदिर में मौजूद ना होने से महिला दरोगा ने पीड़ित को ही मंदिर से भगा दिया। यदि थानाध्यक्ष मौजूद होते तो शायद चोरी भी नहीं होती। पीड़ित शिकायत करती रही लेकिन महिला दरोगा कुर्सी पर आराम फरमाती रहीं थी। थानाध्यक्ष ने ड्यूटी तो लगाई थी श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए लेकिन पीड़ितों की जेब कटती रही और महिला दरोगा मीना कुमारी कुर्सी पर आराम करती रहीं। पीड़ित के शिकायत करने के बाद भी दरोगा कुर्सी से उठकर उसके साथ चोर की तलाश करने भी नहीं गई। पीड़ित मुस्कान को बोल दिया कि यहां से जाओ अपना पर्स खुद ढूंढो जाके। पुलिस ड्यूटी करती रही, और श्रद्धालु की चोरी हो रहीं हैं । महिला दरोगा के व्यवहार से ऐसा प्रतीत हो रहा था कि पुलिस संरक्षण में ही चोरियां होती हैं। क्योंकि जब पुलिस पीड़ित को ही धमका कर भगा दे तो समाज में गलत ही संदेश जाएगा।

20 जुलाई को निकलेगी विशाल कांवड़ यात्रा

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। अखिल भारत हिंदू महासभा एवं जय भोले बाबा कमेटी द्वारा कांवड़ यात्रा का आयोजन 20 जुलाई को प्रस्तावित है।

यात्रा की तैयारी बैठक पांडेश्वर नाथ मंदिर में हुई। इस दौरान बैठक में बड़ी संख्या में शिव भक्त मौजूद रहे। कावड़ यात्रा पांचाल घाट से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होकर निकलेगी 1 इस दौरान बैठक में विभिन्न लोगों को जिम्मेदारियां दी गई ,संजय मिश्रा को व्यवस्थापक, अजय दुबे और अज्जू को संयोजक, हरिओम वाल्मीकि को सहसयोजक की जिम्मेदारी और समस्त गौरक्षा टीम को यातायात एवं व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई ।कांवड़ यात्रा में 251 कावड़ का लक्ष्य तय किया गया।अधिक जितनी भी हो जाएं वह कमेटी द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। कावड़ का शुल्क 251 रुपए रखा गया है। जलाभिषेक के बाद प्रसाद की व्यवस्था मंदिर में की जाएगी।

बैठक में जय बाबा भोले कमेटी बाबा कमेटी अध्यक्ष प्रमोद दीक्षित भोले ने कहा यात्रा में सपरिवार शामिल हों जिससे कि सनातन की अलख जगी रहे व्यापार मंडल जिला अध्यक्ष मनोज मिश्रा,ब्राह्मण जन सेवा समिति के अध्यक्ष नारायण दत्त द्विवेदी,ब्रह्म मंच के जिला अध्यक्ष अमन दुबे हिंदू महासभा कार्यकारी जिला अध्यक्ष हरिओम वाल्मीकि सभी के विचारों को सुनते हुए विमलेश मिश्रा ने कहा कि यात्रा में सभी के विचार सर्वमान्य है और उन पर अमल करते हुए विद्य विधान से कावड़ यात्रा का आयोजन किया जाएगा।

मीटिंग का संचालन सौरभ मिश्रा के द्वारा किया गया । मीटिंग में कई लोग मौजूद रहे।

संस्कार भारती ने कला साधकों को किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

संस्कार भारती कला साधक सम्मान समारोह में डा .रामबाबू पाठक एवं डा .शिवओम अम्बर सम्मानित होते हुए । अमृत विचार

अमृत विचार। संस्कार भारती का गुरुपूर्णिमा, नटराज पूजन एवं कला साधक सम्मान समारोह आज जोगराज स्ट्रीट स्थित क्रेजी सभागार में आयोजित किया गया। इस दौरान क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी दीप्ति वत्स ने कहा कि पौराणिक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करके राष्ट्र के मानचित्र पर स्थापित करने को वह कार्यरत हैं। कला साधक सम्मान में कुमारी राना हिज़ाब ने संसद में उद्बोधन दिया था,उन्हें राष्ट्रीय बालश्री, कुशल वक्ता मंच और नुक्कड़ नाटक कलाकार एवं मंचीय कला साधक सम्मान से सम्मानित किया गया।

सत्यपाल सिंह सोमवंशी प्रगल्भ को वरिष्ठ कवि साहित्य कला साधक सम्मान से, अजय सिंह चौहान को ब्लॉक मेकर और प्रिंटिंग में उनका परिवार लगभग 80 वर्ष से जुड़ा है। राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया था एवं निफ्ट रायबरेली और दिल्ली के छात्र शोध हेतु उनके पास आते हैं उन्हें लोक कला साधक सम्मान से सम्मानित किया। अर्पण शाक्य शिक्षक सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित, चित्रकार दृश्य कला साधक सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ रामबाबू पाठक ने गुरु की महत्वता का वर्णन रामचरितमानस के प्रसंग के साथ किया, श्रीराम के मर्यादा पुरुषोत्तम बनने के पीछे उनके गुरुओं का योगदान रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि भाई भाई का प्रेम और गुरुओं का योगदान सदैव प्रेरणादायक है । विशिष्ट अतिथि डॉ शिव ओम अम्बर ने कहा कि गुरु सदैव गुरु रहता है। आज समाज में मूल्यों का क्षरण हो रहा है। ऐसे में मात्र गुरु ही पथ प्रदर्शक बन सकते हैं। प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ सीखता है वह केवल गुरु ही अंधकार से उजाला दिखाता है। अंत में संस्कार भारती के जिला अध्यक्ष अनिल प्रताप सिंह ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए बताया कि उपाध्यक्ष चित्रा अग्निहोत्री,अजय दीक्षित,रामजी बाजपेई,अनुराग अग्रवाल को जबकि सहसचिव प्रीति तिवारी को मनोनीत किया ।

सावन के पहले सोमवार को उमड़ी भक्तों की भीड़ ,किया जलाभिषेक

संवाददाता, कालपी

सजा शिव दरबार।

जानकीरी देते महंत।

पूजा करते महंत।

अमृत विचार । उपकाशी के नाम से देश विदेश में विख्यात धर्म नगरी कालपी धाम में आज सुबह से ही सभी शिव मन्दिरों में भक्तों की भारी भीड़ रहीं सावन मास के प्रथम सोमवार को प्रमुख शिव मंदिरों में भव्य सजावट की गयी मंदिरों को फूलों की मालाओ, रंग बिरंगी झालरों तथा आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया।

सावन के पहले सोमवार के पर शिव मंदिरों में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ सुबह से ही बनी रही पातालेश्वर, रामेश्वर, गोपेश्वर, भोलेश्वर, कपिलेश्वर, फालेश्वर ढोड़ेश्वर, भूरेश्वर, वानेश्वर, तिग्रेश्वर सहित वनखण्डी देवी मन्दिर में विराजमान भगवान नर्मदेश्वर व मृत्युंजय भगवान के मन्दिर में विशेष भीड़ रही ।

मंदिर के पुजारी वीरेंद्र पाठक ने बताया कि पातालेश्वर मन्दिर अत्यंत प्राचीन है। इसका निर्माण द्रोणाचार्य जी के द्वारा करवाया गया था कौरवों व पांडवों के गुरु द्रोणाचार्य ने यहां शिवलिंग की पूजा की थी उसके बाद उन्हें अश्वत्थामा नामक पुत्र की प्राप्ति हुयी थी।

पातालेश्वर मन्दिर में एक स्वयंभू शिवलिंग है जो लगभग आठ मीटर नीचे गर्भगृह में स्थित है यह भी मान्यता है की इस शिवलिंग की उत्पत्ति पाताल लोक से हुई जिससे इस मन्दिर का नाम पातालेश्वर पड़ा।इस मन्दिर के अंदर नाग देवता का मन्दिर भी है लोग शिव जी की पूजा के बाद नाग देवता की भी पूजा करते है, जिससे कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। वीरेंद्र पाठक जी के अनुसार आज पूरे दिन वातावरण में भक्तिमय माहौल बना रहा। सावन के पहले सोमवार को भगवान शंकर को जल चढ़ाने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ मौजूद रही। वहीं रामेश्वर धाम ओम गणेश मंदिर पर भी सैकड़ों भक्त पहुंचे। वहां पर मौजूद भक्तों ने रुद्राभिषेक कर जल अर्पित किया। वहीं मंदिर के महंत ज्योतिषचार्य गौरव जी महाराज द्वारा भी विधिवत अभिषेक कराया गया। वहां पर आने वाले भक्तों को प्रसाद भी वितरित किया गया।

स्कूल के कमरे में सर्प देख भागे बच्चे

अमृतपुर। सोमवार को रविवार अवकाश के बाद विद्यालय खुला। शिक्षक द्वारा कमरे का दरवाजा खोला गया तो कमरे में सर्प देखकर उल्टे पैर बाहर निकल आए। और बच्चों को बताया कि कमरे में सर्प है। यह बात सुनकर बच्चे चीखते हुए स्कूल से भाग कर सड़क पर पहुंच गए । बच्चों को स्कूल से जाता देखकर शिक्षक ने तत्काल पुलिस को सूचना दी

राजेपुर के ग्राम रम्पुरा में शिक्षकों द्वारा सुबह प्राथमिक विद्यालय खोला तो कमरे के अंदर सर्प दिखाई दिया। जिसे देखकर विद्यालय में मौजूद छात्र भाग खड़े हुए। उन्होंने प्रधानाध्यापक को सूचना दी। प्रधानाध्यापक द्वारा थाना पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद एसआई राघवेंद्र भदौरिया मौके पर पहुंचे और उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी। वन विभाग के दरोगा राहुल ने मौके पर पहुंचकर सर्प को पकड़ लिया और साथ ले गए। उसे जंगल में छोड़ दिया।

लेखपालों ने ज्ञापन सौंप कर उठाई कार्रवाई की मांग

संवाददाता, कालपी (जालौन)

अमृत विचार। हापुड़ में उत्पीड़न से परेशान लेखपाल की हृदय विदारक मौत की घटना से नाराज उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के सदस्यों ने द्वारा उप जिलाधिकारी कालपी को ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई करने की मांग उठाई है।

सोमवार को तहसील परिसर में लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष जयवीर सिंह के नेतृत्व में लेखपालों ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी अतुल कुमार को सौंपते हुए अवगत कराया है कि हापुड़ जिले में अपमानजनक तरीके से बिना जांच के ही झूठी शिकायत पर उत्पीड़नात्मक कार्रवाई करने के तनाव में परेशान होकर लेखपाल सुभाष मीणा की मृत्यु हो गई है। लेखपालों ने बताया कि समय-समय पर अधीनस्थों के द्वारा गलत तरीके से अपमानित करने की प्रवृत्ति बढ़ गई है। जिससे कर्मचारी तनाव के बीच नौकरी कर रहे हैं। बढ़ते कार्य के दबाव के साथ कार्य करना पड़ रहा है। अधिकारियों के व्यवहार के कारण कर्मचारियों का स्वास्थ्य एवं पारिवारिक जीवन बिगड़ रहा है। इस संबंध में संगठन के पदाधिकारियों के साथ में बैठक फिर किए जाने का प्रावधान है।

उन्होंने मांग उठाई है कि हापुड़ की घटना का तुरंत संज्ञान लेते हुए उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिए जायें । ज्ञापन में मांग उठाई है कि मृतक लेखपाल के आश्रित को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। मृतक लेखपाल के आश्रित को योग्यता अनुसार नौकरी सेवा में नियुक्त दिए जाएं। सचिन गुप्ता, हेमंत पाल, रोहित पटेल, प्रशांत गौतम, दिनेश कुमार समेत काफी लेखपाल मौजूद रहे।

सार-संक्षेप

कांग्रेस जिला अध्यक्ष शकुंतला देवी व अन्य कांग्रेसी ज्ञापन सौंपते हुए ।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष व समर्थकों पर मुकदमे लगाने का विरोध

फर्रुखाबाद। कांग्रेस जिला अध्यक्ष शकुन्तला देवी के नेतृत्व में सोमवार को कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी सदर तहसील में एकत्र हुए और राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार सनी कनौजिया को सौंपा । उन्होंने कहा कि सरकार पर दमनात्मक कार्यवाही करने का आरोप लगाते हुए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पर लगाया गया मुकदमा वापस लेने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन सरकार फर्जी विकास का ढिंढोरा पीटती रहती है। प्रदेश में विकास के नाम पर लूटतंत्र हावी है जरा सी बरसात में सड़के गढ्ढों में तब्दील हो गयी हैं ।10 जुलाई को प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में वाराणसी में जिला व शहर अध्यक्ष सहित तमाम कार्यकताओं ने वाराणसी में जलभराव, ध्वस्त सीवर, पीड़ित दुकानदारों, यात्रियों की समस्याओं में निराकरण हेतु सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने हेतु पोल खोल यात्रा निकाल रहे थे जिस पर प्रदेश सरकार के इशारे पर स्थानीय सिगंरा थाने में प्रदेश अध्यक्ष जिला एवं शहर अध्यक्ष वाराणसी सहित 10 कांग्रेस जनों के खिलाफ फर्जी मुकदमा दर्ज कराया गया है ।

गोसेवा समिति ने कंपिल पुलिस को दिया ज्ञापन

कायमगंज। कंम्पिल थाना पुलिस को गोसेवा समिति ने ज्ञापन देते हुए पुलिस प्रशासन से सावन मास में सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने की मांग की। समिति ने ज्ञापन में कहा कि ऐतिहासिक श्री रामेश्वर नाथ मंदिर का विशेष महत्व है जहां सावन मास के प्रत्येक सोमवार पर दूरस्थ से भोले बाबा के भक्ति दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंचते हैं। जिससे भक्तों की भारी संख्या में भीड़ रहती है। इसलिए हर सोमवार को पुलिस की कड़ी चौकसी रखी जाए। इस दौरान गोरक्षक युवराज, सारांश, अभिषेक, मोहन, देवांश, अनुराग, सचिन, कन्हैया, आलोक, सेजल, गुलशन आदि मौजूद रहे।

बेतवा नदी के बढ़ते जल स्तर का किया निरीक्षण

कालपी। राजघाट बांध के जल भराव क्षेत्र में पानी की आवक अधिक होने के कारण बांध का निर्धारित लेवल बनाए रखने के लिये 30,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। एसडीएम अतुल कुमार ने तटवर्ती क्षेत्रों का निरीक्षण कर के नागरिकों से बेतवा नदी के किनारे से दूर रहने की नसीहत दी है। सोमवार को बेतवा नदी में छोड़े गए पानी और बढ़ते जलस्तर को देखते हुए कालपी उपजिलाधिकारी अतुल कुमार ने थानाध्यक्ष कदौरा प्रभात सिंह, राजस्व कर्मचारियों, लेखपालों के साथ बेतवा नदी के किनारे बसे गांवों हिमनपुरा, पथरेहटा, क्योटरा के समीपवर्ती क्षेत्रों का निरीक्षण किया। बाढ़ राहत से संबंधित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय हो कि नदी का जल अभी आबादी से काफी दूर है। स्थानीय निवासियों को नदी के निकट नहीं जाने और पशुओं को नदी से दूर रखने की सलाह दी गई है। इसके वावजूद प्रशासन सतर्कता बरते हुये है।

तालाब में उतराता मिला मजदूर का शव

फर्रुखाबाद। मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र में घर के बाहर बने तालाब में मजदूर अचानक पैर फिसलनें से डूब गया। उसका शव तालाब में उतराते परिजनों नें देखा तो कोहराम मच गया| पुलिस नें शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्राम महमदपुर निवासी महावीर जाटव ने पुलिस को बताया कि उसका 27 वर्षीय पुत्र सुधीर बीते 13 जुलाई को घर के बाहर बने तालाब में पैर फिसलने से चला गया और डूब गया| जिससे उसकी मौत हो गई| मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था और उसका विवाह नहीं हुआ था| महावीर की सूचना पर मदनपुर चौकी इंचार्ज रमेश चंद ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया |

सड़क हादसे में युवक की गई जान

फर्रुखाबाद। जहानगंज थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक सोनू सिंह की मौत हो गई। वह क्षेत्र के ग्राम फरीदापुर निवासी देशराज सिंह का पुत्र था। जानकारी के अनुसार सोनू अपने दोस्तों के साथ मोटरसाइकिल से गोला की ओर जा रहा था, तभी मिश्रा ढाबा (निकट अल्लाहगंज) के पास अचानक सामने आई बाइक से टक्कर हो गई। हादसे में सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया। साथी युवक आनन-फानन में उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, लेकिन अस्पताल के गेट पर ही उसकी मौत हो गई।

नाबालिग छात्रों के दो पहिया चलाने पर रखें नजरः डीएम

फर्रुखाबाद। स्कूल बस संचालकों की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में एआरटीओ द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में 468 स्कूल वाहन पंजीकृत हैं जिनमे से 118 वाहनों की फिटनेस समाप्त हो गई है, जिनमे से 40 वाहन 15 वर्ष पुराने हैं जबकि स्कूली वाहनों की उम्र 15 वर्ष है। 231 वाहनों के परमिट समाप्त हो गए हैं। एक से 15 जुलाई तक स्कूली वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है, जिसमे 62 वाहनों का चालान तथा 26 वाहनों को सीज किया गया है। नाबालिग छात्रों द्वारा दो पहिया वाहन चलाने के संबंध में एआरटीओ प्रवर्तन सुभाष राजपूत द्वारा बताया गया कि मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार मोटर यान के स्वामी को दोषी मानते हुए 3 वर्ष तक कारावास तथा 25000 के जुर्माने का प्रावधान है इसके अतिरिक्त वाहन का पंजीयन 1 वर्ष की अवधि के लिए निरस्त कर दिया जाएगा तथा नाबालिग का ड्राइविंग लाइसेंस 25 वर्ष की आयु पूर्ण करने के उपरांत ही बन सकेगा। जिलाधिकारी द्वारा स्कूल संचालकों को निर्देश दिए गए कि विद्यालय के मुख्य द्वार पर होर्डिंग लगाए जाएं तथा नाबालिग से वाहन चलाने पर पूर्णरूप से प्रतिबंध लगाया जाए।

लेखपालों ने नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

फर्रुखाबाद। लेखपाल संघ के सदर तहसील अध्यक्ष अभय त्रिवेदी के नेतृत्व में एक ज्ञापन नायब तहसीलदार सनी कनौजिया को दिया गया। ज्ञापन में कहा है कि विगत दिनों जनपद हापुड़ में हुई लेखपाल के विरुद्ध कथित ज्यादती एवं लेखपाल द्वारा की गई आत्महत्या के विरोध में उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के आह्वान पर जिला अध्यक्ष सचिन मिश्रा के नेतृत्व में सदर तहसील परिसर में धरना लेखपालों द्वारा दिया गया तथा धरने के पश्चात मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन नायब तहसीलदार सनी कनौजिया को देकर उक्त धरना समाप्त कर सभी लेखपाल अपने-अपने गंतव्य को प्रस्थान कर गए कुशलता रही ।ज्ञापन में मांग की गई हापुड़ के मृतक लेखपाल के आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाय। मृतक आश्रित को योग्यतानुसार सरकारी सेवा में नियुक्ति तत्काल दी जाय।

बने आत्मनिर्भर 28 कंपनियों ने किया प्रतिभाग, छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़ कर लिया हिस्सा

रोजगार मेले में 700 बेरोजगारों को मिला काम

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

- रोजगार मेले का उद्घाटन भाजपा सांसद ने किया
- परिसर में मेला लगाकर 25 सौ को रोजगार का लक्ष्य रखा था

अमृत विचार। जनपद के बेरोजगार लाभार्थियों को जो विभिन्न ट्रेडों के प्रमाण पत्र लेकर घूम रहे थे उनको निजी कंपनी के प्रतिनिधियों ने मेले में आकर उन्हें रोजगार देकर आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया है । रोजगार मेला का उद्घाटन कर भाजपा सांसद मुकेश राजपूत ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री का एक सपना है कि बेरोजगारों को रोजगार देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाए इसी के चलते विभिन्न कंपनियों के मालिकों ने सोमवार को आईटीआई फर्रुखाबाद परिसर में मेला लगाकर 2500 लाभार्थियों को रोजगार देने का लक्ष्य रखा था लेकिन मेला में सिर्फ 700 लाभार्थियों को आत्मनिर्भर बनने का मौका मिल सका।

मेला मे लाभार्थियों की संख्या कम होने की वजह से जो लोग आए थे उन्हें यह अवसर मिला है । उन्होंने कहा कि जिले की आईटीआई प्रदेश में दूसरे नंबर पर है । कहा कि जल्द ही जिले का आईटीआई प्रदेश में एक नंबर पर पहुंच जाएगा ।

उ०प्र० कौशल विकास मिशन व पं० दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के द्वारा बृहद रोजगार मेला का आयोजन सोमवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में किया गया जिसमें भारत की प्रतिष्ठित कम्पनियों जैसे-हीरो मोटर, महेन्द्रा एण्ड महेन्द्रा, श्री राम पिस्टन, वीई कार्मशियल, व्हीकल (वाल्वो आयशर), विलंक्टि, माहले, स्वराज इंजन लि., न्यू होलेण्ड ट्रैक्टर, हेली कल स्प्रिंग, एशियन, हायर एप्लाइंस, सोलर पावर प्रोजेक्ट हेलीकल स्प्रिंग जैसी अन्य और कम्पनियों प्रतिभाग किया ,जिसमें योग्यता 8वीं/ 10वीं/ 12वीं पास से लेकर आईटीआई, कौशल विकास डिप्लोमा, बीटेक, अन्य ग्रेजुएट, बीए, बीएससी के पास अभ्यर्थी को विल्कुल फी में नौकरी पाने का सुनहरा मौका मिल रहा है. जिसमें कम से कम 18 वर्ष से 35 वर्ष आयु के अभ्यर्थी जॉब व अप्रेन्टिस के लिए प्रतिभाग कर सकते हैं।जिसमें अपनी योग्यता के अनुसार कम से कम 8 घण्टे ड्यूटी, सैलरी / स्टाईपेण्ड 12000/ महीना से लेकर 20000 / महीना तक पा सकते हैं. और ओवर टाइम के साथ 15000/ महीना से 24000/ महीना कमा सकते है। जिसमें पुरुष और महिलायें प्रतिभाग कर सकते हैं। बृहद रोजगार मेला में 28 से अधिक प्रतिष्ठित कम्पनियों 2500 से अधिक रिक्तियों के साथ प्रतिभाग किया। कहा कि किसी से भी किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जायेगा। नौकरी पाकर अभ्यर्थी जीवन एवं खुशहाल बनाये। अधिक से अधिक संख्या में आकर नौकरी पाकर अपने को समृद्ध बनाये। ऐसी हमारी व सरकार की मंशा है।

लेखपालों ने धरना देकर किया प्रदर्शन

अमृतपुर । अमृतपुर तहसील के लेखपालों ने तहसील अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह की अगुआई मे धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को संबोधित 4 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन उपजिलाधिकारी अतुल कुमार सिंह को सौंपा ।ज्ञापन मे जनपद हापुड़ के जिलाधिकारी पर लेखपाल पर दमनात्मक कार्यवाही का आरोप लगाया जिससे तनाव ग्रस्त होकर लेखपाल सुभाष मीणा की मृत्यु हो गई। जिसकी उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई। ज्ञापन मे मृतक आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। मृतक आश्रित की सरकारी सेवा मे तत्काल न्युक्ति की जाए। जांच शीघ्र पूरी कर दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही की जाए। सभी अधिकारियों को अधीनस्थ के साथ सम्मानजनक एवम् मानवीय व्यवहार करने के निर्देश दिए जाएं।

भारतीय किसान यूनियन ने एसडीएम को सौंपा मांग पत्र

संवाददाता कायमगंज

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते किसान नेता । अमृत विचार

अमृत विचार। कायमगंज में भारतीय किसान यूनियन (अखंड प्रदेश) ने एक मांग पत्र उप जिलाधिकारी कायमगंज को सौंपते हुए कहा कि इन समस्याओं का जल्द समाधान किया जाए।

इसमें कहा गया है कि ग्राम सभा मझोला मजरा जरारा सत्तार नगर खसरा नंबर 107 में 4 डिसमल भूमि शम्भू शरन ने क्रय की है और खसरा नंबर 106 मातादीन व रतिराम आदि के नाम अंकित है जिसमें 1 डिसमल बंजर भूमि जिसे शम्भू शरन ने गुंडई के बल पर कब्जा कर लिया है। जबकि ग्राम सभा का पानी इसी जगह में होकर जा रहा था। जिसे बंद कर दिया और चारों तरफ से ग्राम सभा की जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है। पैमाइश कराकर ग्राम सभा की जमीन को तत्काल कब्जा मुक्त कराई जाए और भू माफिया पर कठोर कार्रवाई की जाए। मौजा बराविकू खसरा नम्बर 432, 434 की मेड़बंदी कराने का आदेश हो गया है जिसमें कानूनगो 2000 रुपये ले चुके हैं। अब 10000 रुपये और मांग रहे हैं। तत्काल पैमाइश कराकर मेड़बंदी कराई जाए। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

शिवालयों में जलाभिषेक को उमड़े भक्त

सावन का पहला सोमवार : भोर पहर से लेकर देररात लगी रही श्रद्धालुओं की कतारें, जगह-जगह हुए भंडारे

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार । सावन के प्रथम सोमवार पर जिले के प्रमुख शिव मंदिरों के साथ अन्य मंदिरों में भगवान का जलाभिषेक व पूजन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ रही। सुबह से ही मंदिरों में जलाभिषेक शुरू हो गया था।शहर के अधिकतर मंदिरो में देर शाम भगवान का रंग-बिरंगे फूलों से विशेष आकर्षक श्रृंगार किया गया था। भगवान के श्रृंगार दर्शन के लिए भी मंदिरों में लंबी लाइनें लगी रही और हर तरफ हर-हर महादेव के जयघोष गुंजायमान होते रहे। प्रमुख मंदिरों के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

लालपुरा स्थित प्राचीन नीलकंठ महादेव मंदिर पर सुबह पांच बजे ही भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया था। यहां पर मंदिर के गर्भ गृह में भक्तों ने भगवान का जलाभिषेक व पूजन अर्चन किया। पूजा अर्चना के लिए दोपहर तक भक्तों की लंबी लाइनें लगी रही। देर शाम यहां पर भगवान के दरबार में फूल बंगला सजाकर विशेष श्रृंगार किया गया । श्रृंगार दर्शनों के लिए देर रात तक भक्तों की भीड़ रही। मंदिर के बाहर मेला भी आयोजित किया गया है। यहां पर भीड़ के चलते सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार बाजपेई महामंत्री राजीव कुमार मिश्रा लाल दिग्दर्शन सिंह यादव केके द्विवेदी कुलदीप अवस्थी ने सहयोग प्रदान किया ।

चौगुर्जी स्थित प्राचीन शिव मंदिर

नीलकंठ मंदिर पर दर्शन करने के लिए लगी श्रद्धालुओं की कतार। अमृत विचार

- भगवान भोले नाथ का फूलों से किया गया दिव्य श्रृंगार
- हर-हर,बम -बम के गूंजे जयकारे

में भक्तों के द्वारा पूजा अर्चना के साथ खूब जलाभिषेक भी किया गया यहां पर मंदिर के महन्त आचार्य भुवनेश मिश्रा ने रुद्राभिषेक भी कराया। भगवान भोलेनाथ का विभिन्न प्रकार के फूलों से आकर्षक श्रृंगार किया गया था वही मंदिर परिसर को फूलों गुब्बारों व बिजली की रंग बिरंगी लाइटों से सजाया गया था। रात 8:00 बजे हुई भगवान की महा आरती में काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भगवान के विशेष श्रृंगार के दर्शनों के लिए शाम 5:00 बजे से ही भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया था ।आचार्य भुवनेश मिश्रा ने भक्तों को प्रसाद वितरित किया ।

भारेश्वर महादेव मंदिर में लगी भक्तों की भारी भीड़। अमृत विचार

शहर में लायन सफारी के निकट निर्माणाधीन केदारेश्वर महादेव मंदिर पर श्रद्धालुओं ने खूब जलाभिषेक किया।

यहाँ पर एक सैकड़ा से अधिक कांवड़िया श्रंगीरामपुर से डॉक कांवड़ लेकर पहुंचे और गंगा जल से केदारेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया। वहीं आसपास गांव तथा जिले के अलावा बाहर से भी आए काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान का पूजन अर्चन कर जलाभिषेक किया ।

कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए किये कड़े इंतजाम

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार । एसएसपी ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव ने श्रावण मास के प्रथम सोमवार के दृष्टिगत हाईवे पर समस्त थाना क्षेत्रान्तर्गत ड्यूटी प्वाइंट पर लगे पुलिस कर्मियों को कांवड़ियों के आवागमन एवं उनकी सुरक्षा के लिए के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही थाना कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत स्थित नीलकण्ठ मन्दिर पर जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

श्रावण मास के प्रथम सोमवार के दृष्टिगत एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने थाना कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत प्राचीन नीलकंठ महादेव मन्दिर पर जाकर मन्दिर में आने वाली शिव भक्तों की भीड़ के सम्बन्ध में की गयी व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में जायजा लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। एसएसपी ने मन्दिर के आसपास के क्षेत्र में पैदल गश्त कर आम जनमानस को उनकी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया। एसएसपी ने चौपला डायवर्जन व कांवड़ियों के आवागमन रूट पर लगे पुलिस व यातायात कर्मियों को चेक करते हुये कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत आवश्यक

नीलकंठ मंदिर की व्यवस्थाओं का जायजा लेते एसएसपी। अमृत विचार

- एसएसपी ने नीलकंठ मंदिर का निरीक्षण कर पुलिस को सतर्क रहने के दिये निर्देश

दिशा निर्देश दिये तथा कांवड़ियों के आवागमन रूट पर स्थित थानों के समस्त थाना प्रभारियों थाना चौबिया, बसरेहर, फ्रेण्डस कालोनी एवं कोतवाली नगर एवं प्रभारी यातायात इटावा को भी स्वयं भ्रमणशील रहकर कांवड़ियों की सुरक्षा के सम्बन्ध में उनके समक्ष आने वाली यातायात परेशानियों को भी दूर करने के सम्बन्ध में दिशा निर्देश दिये। अन्त में एसएसपी ने रूट पर आने-जाने वाले कांवड़ियों से वार्ता करते हुये उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली।

भारेश्वर मंदिर में की पूजा

इटावा। चकरनगर के भरेह में स्थित महाभारतकालीन भारेश्वर महादेव मंदिर में सावन के पहले सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। चंबल और यमुना संगम के किनारे स्थित इस मंदिर में दूर-दराज से आए हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के दर्शन किए। मंदिर में महिला और पुरुष श्रद्धालुओं की अलग-अलग कतारें लगी रहीं। एक लाइन में लगभग 500 से अधिक श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए कई घंटे प्रतीक्षा करनी पड़ी। श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में स्थित दुकानों से प्रसाद और पूजा सामग्री खरीदी। संगम स्थल पर पहुंचे भक्तों ने यमुना-चंबल की धाराओं में स्नान किया।

सपा की नीतियों को जन जन तक पहुचाएं : सांसद

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार । समाजवादी पार्टी जिला कार्य समिति की मासिक बैठक सिविल लाइन स्थित पार्टी कार्यालय पर प्रदीप शाक्य उर्फ बबलू की अध्यक्षता में संपन्न हुई ।

मुख्य अतिथि सांसद इटावा जितेंद्र दोहरे ने कहा कि पार्टी के पदाधिकारियों को पूरी निष्ठा के साथ पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचने में जुट जाना चाहिए। वर्तमान सरकार जन विरोधी है। विशिष्ट अतिथि राघवेंद्र गौतम विधायक भरथना एवं इटावा से प्रत्याशी रहे सर्वेश शाक्य ने जनपद में चलाए जा रहे पीडीए जनसंवाद कार्यक्रम में और तेजी लाने के लिए पदाधिकारियों को प्रेरित किया। सपा जिला अध्यक्ष प्रदीप शाक्य उर्फ बबलू ने बूथ स्तरीय संगठन की बारीकी से समीक्षा करते हुए विधानसभा अध्यक्षों एवं ब्लॉक अध्यक्षों को निर्देश दिए कि वह सेक्टरबार बूथ अध्यक्षों की समीक्षा कर लें। सेक्टर प्रभारी बूथ प्रभारी के माध्यम से प्रत्येक बूथ पर पांच सक्रिय जुझारू कार्यकर्ताओं के नामों की सूची मोबाइल नंबर सहित बूथ वॉइस तैयार कर जिला कार्यालय में जमा कर दी जाए। सपा जिलाध्यक्ष श्री शाक्य ने ब्लॉक अध्यक्ष बसरेहर, भरथना, नगर अध्यक्ष लाइनपार, शहर अध्यक्ष द्वारा निर्धारित तिथियों में पीडीए जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित न कराये जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए अविलंब कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया है।

रजवाह में पड़ा मिला युवक का शव

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। इकदिल थाना क्षेत्र के गांव केशों पुर के पास एक युवक का संधिग्ध परिस्थितियों में शव रजवाह में पड़ा मिला। इस घटना से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर स्वजन भी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम बुलाकर शव की जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गांव केशोपुर कला निवासी गौरव 30 वर्ष रविवार की सुबह मजदूरी के लिए घर से गया था। देर शाम घर पर नही आया तो स्वजनों द्वरा काफी खोजने का प्रयास किया गया लेकिन नहीं मिला । सोमवार की सुबह करीब सात बजे ग्रामवासी अपने दैनिक दिनचर्या के लिए

शव मिलने के बाद मौके पर मौजूद पुलिस व आसपास के लोग। अमृत विचार

- परिजनों ने जतायी हत्या की आशंका, मचा कोहराम

जैसे ही गांव के पास के रजवाहे के पास पहुंचे तो रजवाह में शव पड़ा देखा। ग्रामवासियों की सूचना पर पहुंचे पिता ने शव को देख शिनाख्त मृतक गौरव के रूप में की। सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह चौहान अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और फोरेंसिक टीम बुलवाकर शव रजवाह से निकालने के बाद शव की गहनता से जांच पड़ताल कर शव का पंचनामा भर शव को पोस्टमार्टम हॉउस भेजा । परिवार के लोगों का आरोप है कि मृतक के चेहरे पर चोट के निशान थे जिससे खून बह रहा था इस कारण से उन्होने हत्या कर शव को रजवाह में डाल देने की आशंका जताई है। वहीं वहां पर मौजूद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

तीन लोगों किया विषाक्त पदार्थ का सेवन, भर्ती

इटावा। जनपद के अलग अलग स्थानों पर किसी बात से नाराज होकर तीन लोगों ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। सभी को उनके परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया।

थाना इकदिल क्षेत्र के अंतर्गत बिरारी निवासी संगीता पत्नी गौरव कुमार ने किसी बात से नाराज होकर विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। थाना कोतवाली सदर क्षेत्र के अंतर्गत मोहल्ला करोल निवासी महक पुत्री निजाम ने किसी बात से नाराज होकर विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। वहीं थाना बसरेहर क्षेत्र के अंतर्गत संतोषपुर घाट निवासी बबीता पत्नी राजेश ने विषाक्त पदार्थ खा लिया। तीनों लोगों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सार-संक्षेप

पीडीए जनसंवाद पंचायत में बोलते हुए पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ।

समाजवादी आंदोलन ही देश को बचा सकता है : शिवपाल सिंह

सैफई । समाजवादी पार्टी द्वारा सामाजिक न्याय, आरक्षण की रक्षा और संविधान बचाओ अभियान के तहत चलाए गए पीडीए जनसंवाद पंचायत कार्यक्रम का समापन सोमवार को तहसील क्षेत्र के परासना स्थित आदर्श रामवेटी मैरिज हॉल में भव्य आयोजन के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं जसवंतनगर से विधायक शिवपाल सिंह यादव मुख्य अतिथि रहे। समापन समारोह को संबोधित करते हुए शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि "यह पीडीए की मीटिंग भारतीय जनता पार्टी की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ है। भाजपा ने एनडीए बनाया था, समाजवादी पार्टी ने पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) बनाया है । क्योंकि आज सबसे अधिक शोषण इन्हीं वर्गों का हो रहा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी में सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व है, यहां तक कि जब पार्टी की नींव पड़ी थी, तब डॉ. राम मनोहर लोहिया जैसे वैश्य समाज के ऊंची जाति के लोग भी शोषितों के साथ खड़े थे। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार गरीबों के स्कूल बंद कर रही है, जबकि समाजवादी सरकार में शिक्षा और सिंचाई दोनों नि:शुल्क थीं। गुजरात से ठेकेदार आते हैं और भ्रष्टाचार करके पुल गिराते हैं। तहसील, थानों और बिजली विभाग में भ्रष्टाचार पर भी शिवपाल ने तीखा हमला बोला और कार्यकर्ताओं से कहा कि "भ्रष्टाचारियों के नाम लिख लो, तारीख लिख लो, समय आएगा तो सबका हिसाब होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओ से सपा की नीतियों को जनजन तक पहुंचाएं।

हाईवे पर जहरखुरानी का शिकार हुआ ट्रक चालक

जसवंतनगर। थाना जसवंतनगर क्षेत्र के अंतर्गत मलजनी के समीप हाइवे पर जहरखुरानों ने एक ट्रक चालक को जहरखुरानी का शिकार बनाकर उसके सामान सहित ट्रक से करीब चार सौ लीटर डीजल चोरी करके फरार हो गए। ट्रक चालक को अचेत अवस्था मे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जानकारी के अनुसार उपेन्द्र निवासी दुर्गापुरा लवेदी इटावा ट्रक चालक है वह हरियाणा में ट्रक चलाता है। उपेन्द्र अपने ट्रक में पार्सल का सामान लादकर गुड़गांव से कलकत्ता जा रहा था तभी थाना जसवंतनगर क्षेत्र के अंतर्गत मलजनी के समीप हाइवे पर जहरखुरानों ने उसे विषाक्त पदार्थ खिला दिया जिससे वह बेहोश हो गया। जहरखुरान ट्रक चालक के पास से पर्स जिसमे रुपये और एटीएम कार्ड रखा था तथा मोबाइल और ट्रक से करीब चार सौ लीटर डीजल चोरी करके चालक को बेहोशी की हालत में ट्रक में छोड़कर फरार हो गए। ट्रक चालक के भाई शिवेंद्र ने बताया कि मेरी उपेन्द्र से शिकोहाबाद तक फोन पर बात हुई उसके बाद बात नहीं हुई। जब फोन किया तो किसी अन्य व्यक्ति ने फोन उठाकर काट दिया इसके बाद लोग बाइकों से भाई की तलाश में जा रहे थे तो मलजनी हाइवे पर ट्रक खड़ा मिला जिसमे उपेन्द्र बेहोश पड़ा था।

बिजली घर के गेट से टकराकर पलटा ट्रक

इटावा । थाना फ्रेंड्स कॉलोनी क्षेत्र के अंतर्गत कुनेरा विद्युत पावर स्टेशन में एक तेज़ रफ्तार बेकाबू ट्रक मुख्य गेट में घुसकर पलट गया। हादसे में ट्रक में सवार एक व्यक्ति घायल हो गया । जानकारी के अनुसार दुर्घटना ग्रस्त ट्रक मैनपुरी से इटावा की ओर आ रहा था। चालक को नींद की झपकी आने के कारण ट्रक अनियंत्रित हो गया और कुनेरा पावर स्टेशन के मैनगेट से टकराते हुए पलट गया। दुर्घटना के समय गेट के पास कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ी जनहानि हो सकती थी। ट्रक सीधे पावर स्टेशन के गेट से जा भिड़ा और पलट गया। ट्रक में सवार एक व्यक्ति घायल हो गया जिसे पुलिस ने तत्काल जिला अस्पताल भिजवाया गया। हादसे के बाद ट्रक चालक और उसका सहयोगी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना फ्रेंड्स कॉलोनी की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है।

भाजपाइयों ने प्रधान के घर जाकर जताया शोक

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। बसरेहर ब्लॉक के ग्राम पंचायत दुगावली में दलित समाज के वर्तमान 85 वर्षीय प्रधान शम्भूदयाल वाल्मीकि की हत्या पर एससी एसटी आयोग पूर्व सदस्य किशन लाल सुदर्शन वाल्मीकि के नेतृत्व में भारतीयजनता पार्टी के प्रतिनिधि मंडल ने जिलाध्यक्ष अरुण कुमार अन्नू गुप्ता के साथ उनके आवास पर जाकर शोक संवेदना व्यक्त की।

भाजपा प्रतिनिधि मंडल में एससी एसटी आयोग पूर्व सदस्य किशन लाल सुदर्शन (वाल्मीकि) के नेतृत्व में भाजपा जिलाध्यक्ष अन्नू गुप्ता,कानपुर देहात जिला मंत्री धीरज वाल्मीकि अनुसूचित मोर्चा महामंत्री संजीत कुमार व राम प्रकाश वाल्मीकि ने मौके पर पहुंचकर घटना का स्थलीय निरिक्षण किया। भाजपा नेता किशन लाल सुदर्शन वाल्मीकि ने बाद में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि

मृत प्रधान के परिजनों से बात करते एससीएसटी आयोग के पूर्व सदस्य किशन लाल सुदर्शन वाल्मीकि साथ में भाजपा जिला अध्यक्ष व अन्य। अमृत विचार

- भाजपा ने समाजवादी पार्टी के पीडीए पर साधा निशाना

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार अपराध व अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रहीं है। इस घटना में शामिल आरोपियों पर कठोर दण्डनात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जा रहीं है। थानाध्यक्ष से अभी तक जो जानकारी प्राप्त हुई है उसके अनुसार आरोपी की गिरफ्तारी कर जेल भेजा जा चुका है। किशन लाल सुदर्शन ने कहा समाजवादी पार्टी का तथाकथित पीडीए केवल कोरा झूठ व ढकोसला है। असल मायने में पीडीए का मतलब पहला दावेदार अहीर ही है। समाजवादी पार्टी द्वार पोषित व संरक्षित गुंडों द्वारा आए दिन अनुसूचित व ओबीसी वर्ग के लोगों के साथ मारपीट व हत्या की जा रहीं है। जिसका समाजवादी पार्टी द्वारा मूक समर्थन किया जा रहा है। भाजपा सरकार होने की वजह से ही सारी घटनाएं प्रकाश में आ रहीं है वरना सपा सरकार में इन्ही घटानाओ में डरा धमकाकर समझौता करवा लिया जाता रहा है। इस मौके पर अन्नू गुप्ता, प्रेमदास कठेरिया, अजय धाकरे रहे।

अवैध तमंचा कारतूस सहित युवक गिरफ्तार

जसवंतनगर। थाना पुलिस ने क्षेत्र में गश्त के दौरान सिसहाट जाने वाली रोड के पास से पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में उसके पास से तमंचा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद उसे जेल भेज दिया।

थाना निरीक्षक रामसहाय सिंह ने बताया कि सिटी इंचार्ज मनीष कुमार अपनी टीम के साथ सोमवार को क्षेत्र में गश्त पर थे। नगर के ईदगाह तिराहे के पास सिसहाट जाने वाली सड़क पर उन्हें एक युवक संदिग्ध अवस्था में खड़ा मिला। पुलिस ने रोककर तलाशी ली तो उसके पास से 315 बोर का एक देशी तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में पकडे गए युवक ने अपना नाम रेहान निवासी कैस्त बताया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद उसे जेल भेज दिया।

भारत विकास परिषद ने बांटी पाठ्य सामग्री

कार्यालय संवाददाता इटावा

- स्थापना दिवस पर किया गया आयोजन

अमृत विचार। मुख्य शाखा इटावा ने भारत विकास परिषद् का 63 वां स्थापना दिवस गणेश माध्यमिक विद्यालय मानिकपुर मोड़ स्थित छात्रावास में रह रहे पूर्वोत्तर राज्यों के छात्रों के मध्य मनाया गया।

शाखा अध्यक्ष हरी शंकर त्रिपाठी की अध्यक्षता में छात्रावास के संरक्षक राम प्रकाश पाण्डेय, प्रबन्धक महेश सिंह, प्रान्तीय अध्यक्ष इन्द्र नारायण पाण्डेय,पूर्व महासचिव संजय मिश्रा ने भारत माता और स्वामी विवेकानन्द के चित्रों का पूजन करते हुए दीप प्रज्ज्वलित किया। बी. के. सिंह ने परिषद की स्थापना के बारे में जानकारी दी। छात्रावास के संरक्षक राम प्रकाश पाण्डेय ने भारत विकास परिषद के कार्यों की प्रशंसा की। पांचाल प्रान्त के अध्यक्ष इन्द्र नारायण पाण्डेय ने परिषद के सेवा और संस्कार के कार्यों की विस्तृत चर्चा की। विवेक रंजन गुप्ता कोषाध्यक्ष ने भी विचार व्यक्त किए। परिषद द्वारा 31 बच्चों को पाठ्य सामग्री, डेली यूज की किट, खाद्य सामग्री चावल और दाल प्रदान किए गये। छात्रावास संरक्षक राम प्रकाश पाण्डेय और प्रबन्धक महेश सिंह ने प्रान्तीय अध्यक्ष इन्द्र नारायण पाण्डेय और शाखा अध्यक्ष हरी शंकर त्रिपाठी को उत्तरीय भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर आशा राम मिश्रा, ओम नारायण शुक्ला, सौरभ कुमार सक्सेना, बी. पी. श्रीवास्तव, राम शंकर श्रीवास्तव, मुलायम सिंह यादव, बृजेश कुमार राठौर, अविनाश कुमार पाल, सबोध कुमार चतुर्वेदी एडवोकेट, निशा गुप्ता, कु. विधिका और मयंक आदि मौजूद रहे।

आक्रोश जिला मुख्यालय के अलावा तहसील मुख्यालयों पर भी दिए गए ज्ञापन

प्रदेश अध्यक्ष पर मुकदमों से कांग्रेसियों में रोष

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार । कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय तथा कांग्रेस के अन्य नेताओं पर मुकदमा दर्ज किए जाने से आक्रोशित कांग्रेसियों ने सोमवार को जिला तथा तहसील मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपे। इनमें मुकदमा को वापस लेने की मांग की गई है। शहर में कचहरी पहुंचकर कांग्रेस की ओर से राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा गया।

ज्ञापन में कहा गया है कि काशी जैसा धार्मिक स्थल अपनी मूलभूत समस्याओं से जूझ रहा है लेकिन डबल इंजन की सरकार सावन के महीने में भी श्रद्धालुओं के लिए इंतजाम नहीं किए गए। इसके विपरीत कांग्रेस के नेताओं

जिला मुख्यालय पर अधिकारी को ज्ञापन सौंपते कांग्रेस नेता। अमृत विचार

पर मुकदमा दर्ज किया गया। 10 जुलाई को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया, जो कि फर्जी है। इसमें राज्यपाल से अनुरोध किया गया है कि सरकार को इस फर्जी एफआईआर को निरस्त करने के लिए निर्देश दिए जाएं। ज्ञापन देने वालों में कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष मलखान सिंह यादव, शहर अध्यक्ष मोहम्मद राशिद, पूर्व शहर अध्यक्ष पल्लव दुबे, कीरत प्रसाद पाल, कोमल सिंह कुशवाहा, आरबी सिंह पाल, कुसुम लता उपाध्याय, प्रेरणा जुबेरी, अमित अग्निहोत्री, रामजीवन कुशवाहा, सोजब रिजवी, सतीश शाक्य यूथ कांग्रेस अध्यक्ष शोजब रिजवी अरुण यादव ललित दुवे हाजी फजल यूसुफ संजय दोहरे आसिफ जादान सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बाइक फिसलने से युवक-युवती घायल, सैफई रेफर

जसवंतनगर। राष्ट्रीय राजमार्ग पर खेड़ा धौलपुर फ्लाईओवर पर बारिश के दौरान बाइक फिसलने से एक युवक और युवती घायल हो गए।

प्रतापगढ़ जिले के गांव पुरयोधा निवासी सतीश यादव 22 अपनी रिश्तेदार राधा यादव 21 के साथ मोटरसाइकिल से आगरा जा रहा था। जैसे ही दोनों खेड़ा धौलपुर फ्लाईओवर पर पहुंचे,तेज बारिश होने से भीगी सड़क पर बाइक फिसल गई, जिससे दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए।स्थानीय लोगों ने तत्काल एम्बुलेंस को सूचना दी। एम्बुलेंस कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर दोनों घायलों को सीएचसी पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार सतीश को पैर और सिर में चोटें आई हैं, जबकि राधा के हाथ और पैर में गंभीर चोटें हैं दोनों को सैफई रैफर कर दिया गया है।

लेखपालों ने प्रदर्शन कर जताया आक्रोश

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ इटावा,भरथना, जसवन्तनगर,ताखा समेत जनपद की सभी तहसीलों के लेखपालों ने विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को संबोधित अपने अपने तहसीलदारों को ज्ञापन सौंपे हैं। जनपद हापुड़ में डीएम के दमनात्मक व्यवहार और उत्पीड़न से तनावग्रस्त होकर लेखपाल सुभाष मीणा की मौत से आहत तहसील के लेखपालों ने सोमवार को कार्य बहिष्कार के साथ धरना प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराया।

भरथना तहसील अध्यक्ष अजय यादव, जसवंतनगर तहसील अध्यक्ष जहीर खान और ताखा तहसील अध्यक्ष राजेश यादव के नेतृत्व में तहसील क्षेत्र के सभी लेखपालों ने चार सूत्रीय मांगों वाला ज्ञापन मुख्यमंत्री को संबोधित कर

ताखा एसडीएम को ज्ञापन देते लेखपाल। अमृत विचार

- हापुड़ में लेखपाल द्वारा जहर खाकर जान देने का मामला

भरथना तहसीलदार दिलीप कुमार, जसवंतनगर तहसीलदार नेहा सचान ताखा तहसीलदार जाहिर अंसारी को सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि डीएम हापुड़ ने बिना जांच पड़ताल के झूठी शिकायत पर मृतक सुभाष मीणा के खिलाफ उत्पीड़नात्मक कार्रवाई की, जिससे वह तनाव में आ गए और उनकी मौत हो गई। लेखपालों ने मुख्यमंत्री से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए। साथ ही मृतक आश्रितों को आर्थिक सहायता और योग्यता अनुसार नौकरी देने की मांग की गई। ज्ञापन देने वालों में अजय यादव,मंत्री सुधीर कुमार,अजीत कुमार,सुन्दर सिंह,रामनरेश सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

शिवजी के दरबार में लगी श्रद्धालुओं की कतार

देवकली मंदिर में हजारों की संख्या में शिवभक्तों ने किया जलाभिषेक, तड़के से मंदिरों में गूंजे भगवान भोले नाथ के जयकारे

भगवान भोलेनाथ के दर्शन करते श्रद्धालु। अमृत विचार

मंदिर के बाहर लगी शिवभक्तों की कतार। अमृत विचार

देवकली मंदिर में निरीक्षण करते एसपी अभिजीत आर शंकर। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। सावन के पहले सोमवार को शहर सहित जिले में शिव भक्तों ने भगवान भोलेनाथ को बेलपत्र, गंगाजल, दूध, भांग, धतूरा चढ़ाकर अराधना कर मंगल कामना की। देररात से ही भगवान के दर्शनों और पूजन के शिवालयों में भक्तों की लाइनें देखने को मिलीं। वहीं प्रशासन ने भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। कई मंदिरों के बाहर मेडिकल व्यवस्था भी उपलब्ध रही। शहर के देवकली मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। वाहनों के लिए रूट डायवर्ट किया गया था।

सोमवार को शहर के देवकली मंदिर में बोल बम, हर हर महादेव, जय शिव शंकर के उद्घोष, ढोल की ध्वनि के बीच सावन के पहले सोमवार पर शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। सोमवार को तड़के चार बजे देवकली मंदिर के पट खुल गए। इसके बाद पूजा-अर्चना को शिवभक्तों की लंबी कतारें लग गईं। कोई जल, कोई दूध तो कोई बेलपत्र चढ़ाकर भगवान शिव का अभिषेक करता नजर आया। इस वर्ष सावन माह में देवकली में मंदिर आने वाली भीड़ को दृष्टिगत रखते हुए मंदिर परिसर में चार सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

अस्थाई चौकी का हुआ निर्माण

- एक माह तक चलने वाले सावन माह में कोई वारदात न हो, इसके लिए एसपी अभिजीत आर शंकर ने एक अस्थाई चौकी का भी निर्माण कराया है। इस चौकी पर दो एसआई व चार पुलिसकर्मी मौजूद रहेंगे। किसी प्रकार की समस्या होने पर पीड़ित चौकी पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है।

बड़े वाहनों पर रही रोक

- सावन के पहले सोमवार में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए। खानपुर चौराहे से ही बड़े वाहनों पर रोक लगा दी गई। इसके अलावा मंदिर परिसर से एक किलो मीटर दूर पर पार्किंग की व्यवस्था की गई। वहीं दुपहिया व चार पहिया वाहन खड़े किए गए। इसके अलावा पांच स्थानों पर बैरीकेडिंग की भी व्यवस्था की गई है। एसपी अभिजीत आर शंकर ने बताया कि सावन के पहले सोमवार को दृष्टिगत रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसके अलावा एक अस्थाई चौकी का भी निर्माण कराया गया है। मंदिर परिसर में पर्याप्त पुलिस फोर्स की ड्यूटी भी लगाई गई है।

सावन का पहला सोमवार : देवघट बाबा समेत सभी शिवालयों में भक्तों ने किया जलाभिषेक, सुबह 5 बजे से लगीं कतारें

- **बिधूना, औरैया।** सावन के पहले सोमवार को शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी।इस अवसर पर बम बम भोले हर हर महादेव के उद्घोष से नगर एवं क्षेत्र का वातावरण गुंजायमान रहा। क्षेत्र के शिवालयों में सुबह 5 बजे से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया। देवघट बाबा मंदिर मऊ गूरा, भयानक नाथ मंदिर कुदरकोट, वनखंडेश्वर मंदिर बिधूना, बूढ़े बाबा मंदिर ऐरवाकटरा, नुनारेश्वर और सिद्धेश्वर मंदिर बेला ,मडोकमीत स्थिति शिव मंदिर में बम भोले ,हर-हर महादेव के जयकारे गूंजे। भयानक नाथ मंदिर कुदरकोट में कांवड़ियों ने गंगा जी के विभिन्न घाटों से गंगाजल लाकर अभिषेक किया। प्राचीन देवघट बाबा मंदिर मऊ गूरा में ब्रह्म मुहूर्त से ही भक्तों की भीड़ जुटी। कई श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक के साथ रुद्राभिषेक भी किया। दोपहर तक मंदिर में पूजा-अर्चना का क्रम जारी रहा। प्रशासन ने मंदिर परिसर में बैरिकेडिंग लगाकर व्यवस्थित दर्शन की व्यवस्था की। इससे सभी श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन का लाभ मिला। मंदिर परिसर में एम्बुलेंस की भी व्यवस्था की गयी है। ताकि अगर किसी भक्त को अचानक कोई दिक्कत हो तो उसे समय से उपचार मिल सके। देवघट बाबा मंदिर के महंत विज्ञानानंद पुरी ने बताया कि यहां के राजा पूरनमल को देवगढ़ बाबा ने पारसमणि दी थी। एक बार दिल्ली के राजा ने किले पर आक्रमण किया था। तब भगवान शिव की कृपा से सांप, बिच्छू और ततैया जैसे जहरीले जीवों ने आक्रमणकारियों को भगा दिया था। कोतवाली प्रभारी मुकेश बाबू चौहान के नेतृत्व में पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए। मंदिर परिसर में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

डाक कांवड़ यात्रा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

- **अछल्दा (औरैया)।** सावन के पहले सोमवार को सिंगिरामपुर से जल भरकर कस्बा क्षेत्र में निकलने वाली डाक कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक रमेश सिंह के निर्देशन में कस्बा प्रभारी ब्रजेश कुमार व उपनिरीक्षक रामबहादुर ने सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाली। कावड़ यात्रा के दौरान कस्बे के प्रमुख स्थलों नहर पुल, आदर्श चौराहा, नेविलगंज आदि पर पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई। यात्रा मार्ग पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और यात्रा शांतिपूर्ण संपन्न हो सके। कस्बा प्रभारी ब्रजेश कुमार ने कहा, सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हम मुस्तैद हैं।

सार-संक्षेप

पौधरोपण कर उन्हें सुरक्षित रखने का लिया संकल्प

फफूंद, औरैया। ब्लॉक भाग्यनगर के अंतर्गत ग्राम कटरा मनेपुर में कंपोजिट विद्यालय प्राइमरी व जूनियर में पौधरोपण किया गया। पिछले साल के लगाई गई पौधे आज भी हरे भरे हैं। कार्यक्रम में बेंचेलाल कोरी, प्रधानाध्यापक अजीत राजपूत व नीलम त्रिपाठी ने एक-एक पौधा अपनी मां के नाम लगाया। कहा कि वृक्ष से हमें ऑक्सीजन तो मिलती है, लेकिन अपने जीवन के सुखद बना ने के लिए तरह-तरह के फल प्राप्त होते हैं। जिनको खाकर आदमी स्वस्थ और प्रसन्न रहता है। फल इस प्रकार से प्राप्त नहीं होते हैं, पेड़ लगाने के लिए तो सब लगा देते हैं, पेड़ लगा करके उसको सीचना पड़ता देखरेख करनी पड़ती है। तब कहीं स्वाद फलों का मिलता है। इस मौके पर अर्चना वर्मा, आरती राठौर, मधु आदि मौजूद रहीं।

ओपन जिम परिसर में भरा पानी, जंग खा रहीं मशीनें

अछल्दा (औरैया)। अछल्दा ब्लॉक परिसर में लाखों रुपये की लागत से बनाया गया ओपन जिम अब लोगों के लिए स्वास्थ्य लाभ की जगह परेशानी का कारण बनता जा रहा है। जिम में जलभराव, टूटी मशीनें और देखरेख के अभाव के कारण स्थानीय लोग असुविधा झेलने को मजबूर हैं। ग्रामीण युवाओं और कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य-संवर्धन की दृष्टि से शुरू किया गया ये ओपन जिम शुरुआत में उपयोगी साबित हुआ। लेकिन अब इसमें साफ-सफाई की कमी, मशीनों की खराब हालत और लगातार बारिश के चलते जमा पानी नई मुसीबत बन गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिम परिसर में कई दिनों से पानी भरा हुआ है, जिससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है और बीमारियों का खतरा बना हुआ है। इसके अलावा, अधिकांश फिटनेस उपकरण या तो खराब हो चुके हैं या जंग लगने की स्थिति में हैं। सुबह व्यायाम करने आने वाले लोगों का कहना है कि न तो छाया की व्यवस्था है, न बैठने की, और न ही पीने के पानी की सुविधा। टूटे-फूटे उपकरणों से व्यायाम करने पर शरीर को लाभ के बजाय हानि होने की आशंका बनी रहती है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि ओपन जिम की तत्काल मरम्मत कराई जाए, जलनिकासी की व्यवस्था सुधारी जाए और नियमित रूप से साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि जिम अपने मूल उद्देश्य को पूरा कर सके।

जिम परिसर में भरा पानी। अमृत विचार

क्रॉसिंग पर लगा जाम। अमृत विचार

दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर जाम से व्यापार प्रभावित

अछल्दा, औरैया। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर स्थित कस्वा की 13-एस क्रॉसिंग पर जाम की समस्या आम होती जा रही है। प्रतिदिन लगने वाले जाम से जहां आम जनता परेशान है, वहीं व्यापारी वर्ग का व्यापार भी बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सोमवार को साप्ताहिक बाजार के चलते शाम करीब 6:00 बजे जब क्रॉसिंग बंद हुई तो वहां भीषण जाम लग गया। जाम के कारण 112 डायल की पुलिस वाहन सहित दर्जनों बाइक सवार घंटों तक फंसे रहे। बाइक सवारों को रेंग-रेंग कर किसी तरह निकलना पड़ा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आरपीएफ और सिविल पुलिस ने मिलकर जाम खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ और अव्यवस्थित ट्रैफिक के चलते सफलता नहीं मिली। इस दौरान रेल क्रॉसिंग पर ट्रेन के आउटर पर खड़ी रहने की भी नौबत आ गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। लोगों ने ओवरब्रिज की मांग को दोहराया है।

बुजुर्ग की मौत पर छानबीन करती पुलिस। अमृत विचार

रेलवे ट्रैक पार कर रहा वृद्ध ट्रेन की चपेट में आया, मौत

कानपुर देहात। कस्बा रूरा से निकली डीएफसीसी रेलवे ट्रैक को पार करते समय एक वृद्ध मालगाड़ी की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। रूरा कस्बा के गणेश गंज के रहने वाले शांती स्वरूप गुप्ता (65) सोमवार को अपने घर के पीछे वाले रास्ते से पुराने रेलवे अंडरपास के ऊपर से गुजर रहे थे। तभी डीएफसीसी की डाउन रेलवे लाइन पर खंभा नंबर 532/02 के समीप मालगाड़ी की चपेट में आने से उनकी मौके पर मौत हो गई है। मालगाड़ी के गार्ड ने इसकी सूचना स्टेशन मास्टर रूरा को दी। स्टेशन मास्टर के मेमो पर पहुंचे चौकी इंचार्ज राम किशुन वर्मा ने जांच पड़ताल की और मृतक के पास मिले मोबाइल से सूचना उनकी बेटी सोनी गुप्ता व पुत्र सुनील कुमार गुप्ता को दी। परिजनों ने बताया कि शांती स्वरूप अपनी पत्नी लीला देवी के साथ गुजैनी कानपुर में रहते थे। सोमवार की सुबह ही रूरा स्थित घर आए थे। परिजन कानपुर से रूरा आने के लिए रवाना हो गए है।

कार्यक्रम के दौरान मौजूद नगर पंचायत अध्यक्ष व अन्य। अमृत विचार

मनकामेश्वर मंदिर में रही भक्तों की भीड़

अछल्दा (औरैया)। सावन के पहले सोमवार को ग्वारी गांव स्थित ऐतिहासिक मनकामेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भोर से ही भक्त जल कलश लेकर मंदिर पहुंचे और 'बोल बम' के जयकारों के साथ भोलेनाथ का जलाभिषेक किया।

विकास खंड क्षेत्र में यह मंदिर आस्था का बड़ा केंद्र माना जाता है, जहां सावन के पहले दिन विशेष भीड़ उमड़ती है। वही कस्वा स्थित सराय बाजार में पंच मुखी मन्दिर पर भीड़ रही है।

भारेश्वर महादेव के दर्शनों को सुबह से शाम तक रहीं कतारें

संवाददाता, अजीतमल औरैया

- श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ का अभिषेक कर मांगी खुशहाली

अमृत विचार। श्रावण मास के पहले सोमवार पर कस्बा सहित आसपास क्षेत्र में भगवान भोले नाथ को खुश करने के लिये सुबह से ही शिवालयों पर भक्तो की भीड़ लगना शुरू हो गयी । बम भोले के जय घोष के साथ भक्तो ने पूजा अर्चना कर भगवान से प्रार्थना की।

श्रावण मास के प्रथम सोमवार को चम्बल युमना संगम स्थिति भारेश्वर महादेव पर जहा सुबह से क्षेत्र के भक्तों का आने जाने का तांता लगा रहा तो वही कस्बे के उत्तरी छोर पर स्थित बगिया बाले शंकर जी के स्थान पर सुबह चार बजे से भक्त पूजा अर्चना करने पहुचने लगे। सुबह से ही महिलाओं एवं पुरुषों की लम्बी लाइने लगी देखी गईं। हाथों में फूल, नारियल, धतूरा तथा जल का कलश लिए भक्त अपनी बारी आने का इन्तजार करते देखे गये। भक्तों ने जलाभिषेक कर फूल, धतूरा, मिष्ठान आदि चढ़ाकर अपनी मनोकामना पूर्ण होने का वरदान मांगा। वहीं क्षेत्र के समस्त शिवालयों पर जय भोले के जयकारों से पूरा माहौल भक्ति मय हो गया।

89 युवाओं का कंपनियों में हुआ चयन, मिला रोजगार

कार्यालय संवाददाता, औरैया

- उप्र. कौशल विकास मिशन के तहत लगा रोजगार मेला

अमृत विचार। उप्र. कौशल विकास मिशन औरैया द्वारा स्व. शिव बालक राम स्वर्णकार स्मृति शिक्षा प्रसार संस्थान डीडीयू-जीकेवाई, कलेक्ट्री रोड दिबियापुर औरैया में वृहद रोजगार मेला का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ अध्यक्ष नगर पंचायत दिबियापुर राघव मिश्रा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित एवं फीता काटकर किया गया। वृहद रोजगार मेले में 14 कम्पनियों ने प्रतिभाग किया। कौशल विकास मिशन, आईटीआई तथा अन्य योजनाओं के लगभग 296 लाभार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिसमें 89 अभ्यार्थियों का चयन कम्पनियों द्वारा किया गया।

नगर पंचायत अध्यक्ष राघव मिश्रा ने कहा कि उप्र. कौशल विकास मिशन द्वारा बेरोजगार युवाओं को कौशल विकास मिशन के रोजगारपरक प्रशिक्षण से प्रशिक्षित करते हुए रोजगार से जोड़ा जा रहा है। सरकार की योजनाओं को विस्तार से बताते हुए समस्त अभ्यार्थियों को कहा कि इस रोजगार मेले से जुड़े। जिसके पश्चात जिला कौशल प्रबन्धक अतुल सिंह ने समस्त आई कम्पनियों के बारे जानकारी दी एवं सेवायोजन पोर्टल पर पंजीकरण कराने हेतु कहा। उसके पश्चात उप्र. कौशल विकास मिशन द्वारा चलाए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वृहद रोजगार मेले में अतुल सिंह, प्रमोद कुमार, अजय शर्मा, नागेन्द्र तोमर, शैलेन्द्र सोनी, नितिन वर्मा, रवि कान्त सिंह, नृपेन्द्र सिंह, रमेश चन्द्र आदि मौजूद रहे।

किसानों की फसल बर्बाद कर रहे छुट्टा मवेशी

संवाददाता, फफूंद, औरैया

- सड़कों पर भ्रमण करने से हो रहीं दुर्घटनाएं

चौराहे पर खड़े छुट्टा गोवंश। अमृत विचार

अमृत विचार। भले ही सरकार द्वारा गोवंश को गौशालाओं में आश्रय देने के तमाम वायदे और दावे किए जा रहे हैं। लेकिन, जमीनी धरातल पर इन सरकारी दावों को संबंधित अधिकारियों की उदासीनता से पलीता लगता नजर आ रहा है। 90 प्रतिशत अन्ना गोवंश किसानों की फसलें उजाड़ने के साथ सड़कों पर चहलकदमी कर गोवंश बड़े पैमाने पर मार्ग दुर्घटनाओं को भी अंजाम दे रहे हैं। जिससे गोवंश की धमाचौकड़ी से समूचे जिले में हाय तौबा मची हुई है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आवारा गोवंश को गौशालाओं में आश्रय देने के जिले के संबंधित आला अधिकारियों को निर्देश देने के साथ अन्ना गोवंश के गौशालाओं में पहुंचाने के तमाम दावे भी किए जा रहे हैं। लेकिन जिले में अधिकतर जगहों में अन्ना गोवंश झुंड के झुंड किसानों की लाखों की फसलों को तहस-नहस कर पर बर्बाद कर रहे हैं। किसानों की बदहाली पिछले कई वर्षों से निरंतर बढ़ती जा रही है। गोवंशों के झुंड के झुंड सड़कों पर टहलने भागने से आए दिन बड़ी मार्ग दुर्घटनाएं हो भी रही हैं, इससे जिले में आवारा गोवंश की समस्या से हाय तौबा मची हुई है। जिले में गौशालाओं की हालत यह है कि 95 प्रतिशत अस्थाई गौशालाओं में उंगलियों पर गिनने लायक इक्का-दुक्का गोवंश ही आश्रय पाते नजर आ रहे हैं। अन्ना गोवंश के कहर से किसान पिछले लंबे अर्से से परेशान हैं। उनकी फसलों की बर्बादी हो रही है। ओमप्रकाश, कमलेश, विशाल, गोरेलाल, सर्वेश, अनिल, राजू आदि क्षेत्रीय जागरूक लोगों व किसान नेताओं ने अन्ना गोवंश की समस्या से जल्द निजात दिलाने की मांग की है। समाधान न किए जाने पर इसके खिलाफ आंदोलनात्मक कदम उठाने की भी चेतावनी दी है।

शिविर पांच दिवसीय ब्लॉक स्तरीय संदर्भदाताओं का प्रशिक्षण शुरू

संदर्भदाता नवाचारों को विद्यालय स्तर तक पहुंचाएं

संवाददाता, दिबियापुर, औरैया

- एनसीईआरटी आधारित पुस्तकों के बारे में दी जानकारी

प्रशिक्षण के दौरान जानकारी देते अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। निपुण भारत मिशन के अंतर्गत एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी) तथा एनसीईआरटी पाठ्यक्रम आधारित पांच दिवसीय ब्लॉक स्तरीय संदर्भदाताओं एवं मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण का शुभारंभ सोमवार को बीआरसी भाग्यनगर के सभागार में हुआ। प्रशिक्षण में जनपद के सभी एआरपी (एकेडमिक रिसोर्स पर्सन) ने सहभागिता की।

प्रशिक्षण का उद्घाटन खंड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय दाताराम एवं डाइट अजीतमल के प्रवक्ता विजय राजपूत व एसआरजी सुनील दत्त राजपूत ने किया। प्रशिक्षण प्रभारी डाईट प्रवक्ता ने अपने संबोधन में बताया कि शैक्षिक सत्र 2025-26 से कक्षा 3 तक के विद्यार्थियों को एनसीईआरटी आधारित पुस्तकों से शिक्षित किया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जिसमें तर्कशीलता, चिंतनशीलता, जेंडर समानता, सांस्कृतिक जुड़ाव, बहुभाषी कौशल, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा अंतर्विषयक दृष्टिकोण जैसी महत्वपूर्ण विशेषताएं समाहित हैं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले संदर्भदाता इन नवाचारों को विद्यालय स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाएं। प्रशिक्षण सत्रों का संचालन जनपद स्तरीय संदर्भदाताओं एसआरजी सुभाष रंजन द्विवेदी, अलका यादव, एआरपी विपिन दुबे एवं अनुजा सेंगर द्वारा किया गया। इनके द्वारा अलग-अलग सत्रों के माध्यम से ब्लॉक स्तरीय प्रतिभागियों को विभिन्न विषय वस्तुओं पर गहन जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान एसआरजी सुनील दत्त राजपूत, प्रथम संस्था के मुकेश कुमार व दीपक यादव भी मौजूद रहे। इस मौके पर एसआरजी सुभाष रंजन द्विवेदी ने बताया कि पहले तीन दिन कक्षा 3 की एनसीईआरटी आधारित हिंदी (वीणा प्रथम), गणित (गणित मेला) एवं अंग्रेजी की पुस्तकों पर केंद्रित रहेंगे। प्रतिभागियों को नए शैक्षणिक सत्र के लिए शिक्षण की रणनीतियों पर भी समझ विकसित कराई जाएगी। पहले दिन के सत्र में प्रतिभागियों ने कक्षा 3 की पुस्तकों की संरचना, उद्देश्यों व शिक्षण विधियों पर चर्चा की और अपनी समझ को साझा किया। इस मौके पर प्रतिभागियों द्वारा भी बदलाव व नवाचारों को लेकर अपने विचार साझा किए और मिशन निपुण की सफलता हेतु समर्पित भाव से कार्य करने की प्रतिबद्धता दोहराई।प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विकासखंडों के एआरपी और केआरपी ने जनपदस्तरीय सन्दर्भदाताओं से तार्किक प्रश्न विकसित कर अपनी समझ विकसित की।

सड़क किनारे मिला युवक का शव, हत्या का आरोप

कानपुर देहात। अकबरपुर का एक युवक कस्बे के रूरा रोड पर एक युवक का शव संदिग्ध हालत में पड़ा मिला। मामला प्रेम प्रसंग को लेकर बताया जा रहा है। वहीं परिजनों ने हत्या का आरोप लगाकर हंगामे का प्रयास किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की और कार्रवाई का आश्वासन दिया।

अकबरपुर के शंकरदयाल मोहल्ला निवासी सागर (18) का कस्बा के रूरा रोड के पास रहने वाली एक युवती के घर आना जाना था। युवती की कुछ समय पूर्व शादी हो चुकी है। रविवार को वह अपने ससुराल से मायके अकबरपुर आई थी। लोगों ने बताया कि इसकी जानकरी होने पर सागर उससे मिलने गया था। इसके बाद सोमवार सुबह सागर का शव रूरा रोड पर ही एक ऑटो सेंटर के पास सड़क किनारे पड़ा मिला। जानकारी होने पर परिजन मौके पर पहुंचे और कोहराम मच गया। मृतक के परिजनों ने हत्या का आरोप लगा हंगामे का प्रयास किया।

हापुड़ में लेखपाल की आत्महत्या पर लेखपाल संगठन ने की जांच की मांग

संवाददाता, बिधूना (औरैया)

सीएम के नाम का ज्ञापन सौंपते संगठन के पदाधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। हापुड़ में एक लेखपाल की आत्महत्या के बाद सोमवार को उत्तर प्रदेश के लेखपाल संगठन ने विरोध प्रदर्शन करते हुए उच्च अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपा है। लेखपाल संगठन का आरोप है कि जिलाधिकारी के दमनात्मक व्यवहार और बिना जांच के की गई कार्रवाई के कारण लेखपाल ने यह आत्मघाती कदम उठाया है।

लेखपाल संगठन ने सीएम को पत्र लिखकर मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। संगठन का कहना है कि कुछ अधिकारी सोशल मीडिया और प्रिंट मीडिया में चर्चा में बने रहने के लिए कर्मचारियों पर दबाव बनाते हैं। इससे कर्मचारी तनाव और डिप्रेशन में काम कर रहे हैं।

संगठन ने मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता और उनके आश्रितों को योग्यता के अनुसार सरकारी नौकरी देने की मांग की है। साथ ही दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की गई है। मुख्यमंत्री से मामले का संज्ञान लेते हुए जांच की बात कही है। लेखपाल संगठन ने सभी अधिकारियों को अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने के निर्देश देने की मांग की है। संगठन का कहना है कि मुख्य सचिव के पहले के निर्देशों का पालन नहीं हो रहा है, जिसमें कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए हर महीने बैठक करने को कहा गया था। इस दौरान लेखपाल संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी बिधूना गरिमा सोनकिया को सौंपा। इस मौके पर धरना प्रदर्शन में रोहित यादव अध्यक्ष, विनय कुमार मंत्री, रोहित पाठक वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अवनीश कुमार कनिष्ठ उपाध्यक्ष, शिवानी यादव उपमंत्री, चंद्र प्रकाश कुशवाहा कोषाध्यक्ष एवं सौरभ सिंह ऑडिटर आदि दर्जनों लेखपाल मौजूद रहे।

एक नजर

नई बिजली दरों को लेकर 15 को होगी आगरा में जनसुनवाई

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में नई बिजली दरों के निर्धारण को लेकर 15 जुलाई को आगरा में जनसुनवाई होगी। इस बीच, उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने दरों में बढ़ोतरी के प्रस्ताव व निगमों के निजीकरण प्रक्रिया का सख्त विरोध की तैयारी की है। राज्य विद्युत नियामक आयोग की जनसुनवाई में दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के अधिकारी व उपभोक्ता प्रतिनिधि शामिल होंगे। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि पावर कॉरपोरेशन ने सलाहकार कंपनी ग्रांट थॉनर्टन के रिपोर्ट को मंजूर करने के लिए नियामक आयोग पर दबाव बना रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह निजीकरण के प्रस्ताव को मंजूर नहीं होने दिया जाएगा, साथ ही, बिजली दरों में बढ़ोतरी नहीं होने दी जाएगी।

मीटर लगाने की सहमति पर आवंटित होंगे विभागीय आवास

अमृत विचार, लखनऊ : बिजली कर्मियों के विभागीय आवासों पर स्मार्ट मीटर लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। अब स्मार्ट मीटर लगाने की सहमति देने पर ही बिजली कर्मियों को विभागीय आवास आवंटित होंगे। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन की ओर से इस सिलसिले में निर्देश जारी किये गये। कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ आशीष कुमार गोयल ने बिजली कर्मियों ने विभागीय आवासों पर स्मार्ट मीटर लगाने की अपील करते हुए कहा कि अगर वे विभागीय आवासों में रहते हैं तो शीघ्र स्मार्ट मीटर लगवा लें। यह मीटर एनर्जी एकाउंटिंग के लिए लगाए जा रहे हैं। सभी कार्मिकों को पहले की तरह छूट की सुविधा जारी रहेगी। अध्यक्ष ने कहा कि अब ऊर्जा निगमों के कार्मिकों को विभागीय आवास के लिए स्मार्ट मीटर लगवाने की सहमति देनी होगी, तभी उन्हें निगम के आवास आवंटित होंगे।

उच्च शिक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री को दिया आगरा के विकास संबंधी ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर आगरा के सर्वांगीण विकास से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी आगरा के पूर्व महानगर अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता भी मौजूद रहे। ज्ञापन में प्रमुख रूप से आगरा में प्रस्तावित नक्षत्रशाला के शीघ्र भूमि पूजन एवं शिलान्यास की तिथि तय करने, यमुना डाउन स्ट्रीम में बैराज के निर्माण, वेदान्त मंदिर से हाथी घाट तक यमुना किनारे चौपाटी की तर्ज पर पार्क एवं सार्वजनिक स्थल विकसित करने तथा पालीवाल पार्क परिसर में बाल विहार, लंगड़े की चौकी स्थित हनुमान मंदिर के पास नाले के निर्माण की मांग शामिल रही।

किसानों के हक पर डाका डालने वालों की खैर नहीं : मुख्यमंत्री

डीएम रहें सतर्क, खाद की कमी न होने पाए

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- किसानों को खाद की निर्बाध आपूर्ति व्यवस्था की हुई उच्चस्तरीय समीक्षा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खाद की कालाबाजारी या पड़ोसी देशों में तस्करी करने वालों पर ज़ीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने के निर्देश दिए। चेतावनी दी कि जो भी व्यक्ति या संगठन किसानों के हक पर डाका डालने का प्रयास करेगा, उसके खिलाफ कठोरतम दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में खाद की कोई नहीं है। ऐसे में सभी जिलाधिकारी सतर्क रहें कि किसानों को समुचित मात्रा में सभी प्रकार की रासायनिक खादें मिलने में कोई कठिनाई न आने पाए।

मुख्यमंत्री योगी सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में खरीफ सीजन के दृष्टिगत किसानों को आवश्यक खाद की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश में किसानों को खाद की कोई कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि खाद की आपूर्ति श्रृंखला की सघन मॉनीटरिंग सुनिश्चित की जाए और कालाबाजारी या जमाखोरी की किसी भी कोशिश पर कठोरतम कार्रवाई हो।

खाद की प्रदेश के भीतर कालाबाजारी अथवा पड़ोसी देशों में तस्करी के प्रयासों के विरुद्ध ज़ीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने के निर्देश देते हुए कहा कि थोक एवं खुदरा विक्रेताओं के स्टॉक की नियमित जांच की जाए, और गड़बड़ी मिलने पर लाइसेंस निरस्त करने से लेकर एफआईआर तक की कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए यह आवश्यक है कि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक समय पर और उचित मूल्य पर उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए जिलों में नियमित रूप से खाद वितरण की समीक्षा हो और जिलाधिकारी स्तर से इसकी निगरानी हो। यदि किसी क्षेत्र में खाद की कमी की सूचना मिलती है, तो तत्काल वैकल्पिक आपूर्ति की व्यवस्था की जाए।

खाद कहां और किस मूल्य पर उपलब्ध है, इसे बताएं

मुख्यमंत्री ने किसानों को समय पर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए कृषकों से संवाद और प्रचार-प्रसार की व्यवस्था को भी सशक्त करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि किसानों को पता होना चाहिए कि खाद कहां और किस मूल्य पर उपलब्ध है, इसके लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म, कृषि विभाग की वेबसाइट, और स्थानीय मीडिया का समुचित उपयोग किया जाए।

मेडिकल रिसर्च व टेक्नोलॉजी का ग्लोबल सेंटर बनेगा केजीएमयू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी ने 941 करोड़ रुपये की सात परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास
- केजीएमयू में किया परियोजनाओं का निरीक्षण, वॉर्ड में जाकर मरीजों का पूछा हालचाल
- बलरामपुर में स्थापित किया जा रहा है केजीएमयू का सेटेलाइट केंद्र

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) परिसर में 941 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित सात परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने वॉर्ड में जाकर न सिर्फ मरीजों का हालचाल लिया, बल्कि डॉक्टरों से संवाद करते हुए भावी स्वास्थ्य विस्तार की योजनाओं पर भी चर्चा की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह अपने आप में किसी भी चिकित्सा संस्थान के लिए बड़ी उपलब्धि है। एक साथ करीब एक हजार करोड़ रूपए की लागत से परियोजनाएं शुरू होना इस बात का प्रमाण है कि डबल इंजन की सरकार प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे को विश्वस्तरीय बनाने के लिए कितनी गंभीर हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस संस्थान में आज जब कई परियोजनाएं एक साथ धरातल पर उतर रही हैं, तो यह महज निर्माण नहीं, बल्कि स्वस्थ उत्तर प्रदेश, समर्थ भारत" की दिशा में एक नए युग की शुरुआत है। टेक्नोलॉजी के साथ खुद को भविष्य के लिए तैयार हो रहा है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 प्रकोप प्रारंभ होने पर केजीएमयू प्रदेश का पहला संस्थान था, जहां कोविड जांच की सुविधा शुरू की गई। इसी साहसिक और त्वरित पहल से उप्र. ने समय रहते महामारी से मुकाबले की रणनीति विकसित की।

केजीएमयू में विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

मुख्यमंत्री ने यहां ऑर्थोपेडिक सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक और न्यू कार्डियोलॉजी विंग का लोकार्पण किया। साथ ही 500 बेड वाले ट्रॉमा सेंटर, जनरल सर्जरी विभाग के नवीन भवन, प्रशासनिक परिसर और पेशेंट यूटिलिटी कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि बलरामपुर में केजीएमयू का सेटेलाइट सेंटर स्थापित किया जा रहा है। इससे मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही उपचार मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने आईआईटी कानपुर के साथ मेडिकल टेक्नोलॉजी पर केंद्रित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की पहल की जानकारी दी। साथ ही कहा कि हमारा प्रयास हैं कि केजीएमयू और एसजीपीजीआई इस सेंटर से जुड़कर नई रिसर्च करें और भारत को हेल्थ टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भर बनाएं।

जनसामान्य की आस्था का केंद्र बना केजीएमयू

मुख्यमंत्री ने मरीजों से संवाद के दौरान उनकी संतुष्टि पर प्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह सामान्य बात नहीं है कि एक मरीज का आत्मविश्वास उसका इलाज कर रहा होता है। केजीएमयू में भर्ती मरीजों की आंखों में यह विश्वास मैंने खुद देखा है। यही इस संस्थान की सबसे बड़ी पूंजी है। मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों और अधिकारियों से आह्वान किया कि वे नकारात्मकता को दूर रखें और समय के साथ स्वयं को अपडेट करें। इस दौरान उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, स्वास्थ्य एंव चिकित्सा राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य पार्थसारथी सेन शर्मा, केजीएमयू की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद समेत कई गणमान्य, केजीएमयू प्रशासन से जुड़े अधिकारीगण व चिकित्सक मौजूद रहे।

इन परियोजनाओं का हुआ लोकार्पण व शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने केजीएमयू में 105 करोड़ रूपए की लागत से न्यू कॉर्डियोलॉजी विंग की शुरुआत की। वहीं 375 करोड़ रूपए की लागत से जनरल सर्जरी विभाग का छह मंजिला नवीन भवन, सात मंजिला ट्रॉमा सेंटर विस्तार एवं पेशेंट यूटिलिटी कॉम्प्लेक्स, सेंटर फॉर ऑर्थोपेडिक सुपरस्पेशियलिटी, डायग्रोस्टिक लैब एवं पेशेंट रिलेटिव एकमोडेशन फैसिलिटी ब्लॉक, नवीन प्रशासनिक भवन, न्यू गेस्ट हाउस का विस्तार का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

कृषि शिक्षा, प्रशिक्षण व अनुसंधान कार्य में सुधार के लिए गठित होगी पांच सदस्यीय समिति

अमृत विचार, लखनऊः कृषि शिक्षा, प्रशिक्षण व अनुसंधान कार्य में और सुधार के लिए विशेषज्ञों की पांच सदस्यीय समिति गठित होगी। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने इस सिलसिले में कृषि अधिकारियों को निर्देश दिये। कृषि मंत्री सोमवार को विधानभवन में उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) को अधिक कार्यकुशल बनाए जाने को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

बैठक में परिषद के जरिये कृषि क्षेत्र में किए जा रहे अनुंसधान, कृषि क्षेत्र की प्रगति के लिए किए जा रहे कार्य व धरातल पर उनके व्यवहारिक प्रयोग में आ रहे गतिरोध पर चर्चा हुई।

कृषि मंत्री ने कहा कि अनुसंधान परिषद को सभी कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्रों के साथ समन्वय बनाकर शिक्षा, प्रशिक्षण व अनुसंधान के कार्य को उत्कृष्टता के स्तर पर ले जाना होगा।

इसे व्यवहारिक रूप से लागू करने में आ रही चुनौतियों के लिए जो भी नीतिगत निर्णय लिए जाने हैं, उस पर एक पांच सदस्यीय समिति गठित की जाय। इस समिति की ओर से दो माह के भीतर सुझाव प्रस्तुत किए जाएं। उन्होंने कहा कि परिषद के जरिये नियमित रूप से अनुसंधान कार्यों पर प्रस्तुति दी जाए।

प्रदेश के सभी जिलों में मिल रही युवाओं को सीधे नौकरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 12 से 14 के बीच चले रोजगार मेलों में युवाओं को मिली सीधे नियुक्ति
- प्रत्येक जिले को जारी की गई 50,000 रुपये की अग्रिम धनराशि
- सोमवार को केवल राजधानी में 1246 का चयन किया
- चयनित अभ्यर्थियों को 10,000 से 25,000 रुपये प्रतिमाह के सीटीसी वेतन के साथ अन्य सुविधाएं भी

अमृत विचार: कौशल विकास मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में युवाओं को सीधे नौकरी दी जा रही है। सोमवार को केवल राजधानी में ही मल्टी नेशनल कंपनियों ने 1246 युवाओं का चयन किया। चयनित अभ्यर्थियों को 10 हजार से 25 हजार रुपये प्रतिमाह के सीटीसी वेतन के साथ अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी।

दरअसल, 12 से 14 जुलाई के बीच प्रदेशभर चले रोजगार मेलों में स्थानीय उद्योगों एवं कंपनियों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में इन युवाओं को सीधे नियुक्ति मिली है। इन मेलों के लिए प्रत्येक जिले को 50 हजार रुपये की अग्रिम धनराशि भी जारी की गई थी।

राज्य सरकार की ओर से विश्व युवा कौशल दिवस-2025 के अवसर पर राजधानी लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 15 और 16 जुलाई को दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ 15 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। कार्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

इस संबंध में सोमवार को उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, अलीगंज लखनऊ में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान विभाग के डॉ. हरिओम ने बताया कि रोजगार मेलों में चयनित युवाओं में से 11 को राज्य स्तरीय कार्यक्रम के मंच से नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। साथ ही कौशल युथ आइकॉन के रूप में सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि, कौशल मेले में 100 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनमें प्रशिक्षुओं द्वारा बनाए गए उत्पाद जैसे हैंडीक्राफ्ट, टेक्सटाइल, हेल्थकेयर, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्मार्ट होम डिवाइसेज़ आदि का प्रदर्शन किया जाएगा। मंडलवार आईटीआई स्टॉल्स की प्रतियोगिता आयोजित कर श्रेष्ठ स्टॉल्स को राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

कौशल ओलंपिक में प्रशिक्षुओं द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, मशीन लर्निंग, ड्रोन टेक्नोलॉजी, हेल्थटेक, स्मार्ट एग्रो और डिजिटल डिजाइनिंग जैसे क्षेत्रों में विकसित नवाचारों को प्रदर्शित किया जाएगा। यह आयोजन युवाओं की तकनीकी प्रतिभा को पहचान दिलाने के साथ-साथ उन्हें तकनीक-प्रवीण कार्यबल और संभावित उद्यमी के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी अहम भूमिका निभाएगा।

> यह आयोजन केवल प्रमाणपत्र वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं को उनके कौशल के आधार पर पहचान, मंच और अवसर देने की प्रतिबद्धता का उदाहरण है।
>
> -डॉ. हरिओम, प्रमुख सचिव कौशल विकास विभाग

> प्रशिक्षण प्राप्त हर युवा को समाज में स्थान, सम्मान और अवसर मिलना चाहिए। यही सोच इस आयोजन की आत्मा है।
>
> -कपिल देव अग्रवाल, मंत्री कौशल विकास विभाग

मेडिकल बोर्ड में शामिल होंगे मेडिकल कॉलेज के शिक्षक व निजी डॉक्टर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः योगी सरकार दिव्यांगजनों के अधिकारों एवं समान अवसरों के प्रति प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में प्रदेश में विशिष्ट अधिगम एवं बौद्धिक दिव्यांगजनों के चिन्हांकन, मूल्यांकन, दिव्यांगता प्रमाणपत्र एवं यूनिक दिव्यांगजन पहचान पत्र (यूडीआईडी कार्ड) जारी किए जाने के लिए अभियान की शुरुआत की गई है। अभियान की समीक्षा के निर्देश दिए गए हैं, साथ ही जिलों में दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनाने के लिए पैनल में निजी चिकित्सकों को शामिल करने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्य आयुक्त दिव्यांगजन प्रो. हिमांशु शेखर झा ने सोमवार को बताया कि बीते दिनों स्वास्थ्य महानिदेशक और सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर दिव्यांगता प्रमाणपत्रों के लंबित मामलों की समीक्षा करने तथा इसकी प्रक्रिया को तेज़ करने का आग्रह किया गया है।

पत्र में उन्होंने सुझाव दिया है कि जिलों में दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनाने के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए निजी चिकित्सकों को भी प्रमाणपत्र पैनल में शामिल किया जाए तथा मेडिकल कॉलेजों के विशेषज्ञ डॉक्टरों का भी सहयोग लिया जाए। इसके अतिरिक्त उन्होंने मेडिकल बोर्डों के पुनर्गठन, दिव्यांगता के अनुरूप विशेषज्ञों की नियुक्ति और प्रमाणपत्र दिवसों की संख्या बढ़ाने का भी सुझाव दिया है ताकि सभी लंबित मामलों का शीघ्र समाधान हो सके। राज्य आयुक्त ने बताया कि यह पहल विशेष रूप से उन दिव्यांगजनों के लिए है जो डिस्लेक्सिया, डिस्केलकुलिया, डिसग्राफिया, डिस्प्रेक्सिया जैसे विशिष्ट अधिगम अक्षमताओं से प्रभावित हैं।

धर्म दर्शन

कोल्लूर मूकाम्बिका मंदिर का महत्व

कोल्लूर मूकाम्बिका मंदिर सौपर्णिका नदी के तट पर स्थित है। यह परशुराम द्वारा निर्मित 7 मुक्ति स्थलों में से एक है। कौमासुर को गूंगा बनाया गया और मूकासुर के नाम से पुकारा गया, जिसका वध यहीं हुआ था। देवी ने उसका नाश किया और इस प्रकार उसका नाम मूकाम्बिका पड़ा।

स्थल पुराण में कहा गया है कि, आदि शंकराचार्य देवी को अपने गृह प्रदेश केरल में लाना चाहते थे और उन्होंने तपस्या की। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर देवी सहमत हो गईं और कहा कि वे शंकर का अनुसरण करेंगी, लेकिन एक शर्त के साथ कि, वे पीछे नहीं लौटेंगे। शंकराचार्य सहमत हो गए और केरल चले गए। लेकिन शंकर की परीक्षा लेने के लिए, देवी ने जानबूझकर कोल्लूर पहुंचने पर अपने पायल की आवाज़ बंद कर दी, शंकर ने पीछे मुड़कर देखा। देवी वहीं रुक गईं और यह कोल्लूर मूकाम्बिका मंदिर है।

शिवानंद मिश्रा
वरिष्ठ लेखक

मूकाम्बिका आदि शक्ति हैं, लिंग रूप में मां काली, महालक्ष्मी और महासरस्वती के रूप में पूजी जाती हैं। लिंगम को बीच में एक सुनहरी रेखा से काटा गया है, जो बायीं ओर को त्रिदेवियों और दायीं ओर को त्रिमूर्ति के रूप में विभाजित करती है।

महीने की शुक्ल अष्टमी तिथि को मूकाम्बिका जन्माष्टमी के रूप में मनाया जाता है। कोल्लूर मूकाम्बिका मंदिर काफी हद तक समर्पित है ज्ञान और कला, तथा देवी की पूजा वाग्देवता के रूप में की जाती है।

यहां बच्चों को अक्षरा अभ्यास (अक्षरों से परिचय) कराना बहुत खास है। जिन बच्चों को बोलने में दिक्कत होती है, उन्हें यहां लाना चाहिए। नाद बंद होने के बाद हर रोज़ रात को यहां कषायम दिया जाता है, जिसे सभी को सभी बीमारियों से छुटकारा पाने के लिए करना चाहिए, खासकर बच्चों को अच्छी शिक्षा और स्मरण शक्ति प्राप्त करने के लिए। इस मंदिर की आभा को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता, बस इसे महसूस करना है।

वर्ग पहेली-32

बाएं से दाएं

2. मुकुट के आकार की एक प्रकार की तिकोनी टोपी जो किसी समय मुसलमान फ़कीर पहना करते थे।
4. लालच, लोभ।
5. 1. निगलने की क्रिया या भाव 2. निगलना।
7. दे. पंचमेल।
8. 1. घिसने

ऊपर से नीचे

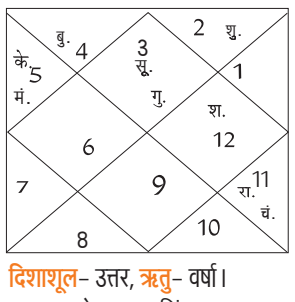

1. 1. कीचड़, फिसलन 2. भीड़-भाड़ 3. उलझन, दुविधा 4. व्यर्थ का विवाद।
3. 1. जो किसी तीव्र मनोविकार के कारण ज्ञान या विवेक खो बैठा हो, जिसकी दिमागी हालत ठीक न हो, बावला, विक्षिप्त, सनकी 2. प्रेम या क्रोध में आपे से बाहर व्यक्ति, दीवाना 3. बहुत मूर्ख।
5. 1. गीला और नरम, आर्द्र और कोमल 2. करुणा
6. 1. कामवासना संबंधी 2. भौतिक या शारीरिक।
7. स्नान, सिंचाई, छिड़काव।

■	■	1	■	2	3	
4				■		■
■	■		■	5		6
■	7				■	
■		■	■		■	
■		■	■		■	
8				■	■	■

वर्ग पहेली -31 का हल

1 जी	■	■	■	■	2 अ	■
वि	■	3 द	4 ब	का	ना	■
त	■	■	ग	■	ड़ी	■
■	5 ब	6 त	र	स	■	7 ख
8 झ	ड़	क	ना	■	9 मो	न
■	■	री	■	■	■	ख
10 ऐ	ल	ब	म	■	11 था	ना

सुडोकू -39

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	3	2			6			9
7				2				
	1		9				5	
8					2		1	
4			7			9		
	2			5			6	
		8		6				1
2					3		8	
	4			7				5

सुडोकू - 38 का हल

6	1	3	5	4	8	2	7	9
5	9	7	6	1	2	3	4	8
2	4	8	9	3	7	6	5	1
3	7	2	4	9	5	8	1	6
9	6	4	8	7	1	5	3	2
1	8	5	3	2	6	7	9	4
4	5	9	2	8	3	1	6	7
7	2	6	1	5	9	4	8	3
8	3	1	7	6	4	9	2	5

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 15 जुलाई, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-कृष्ण पक्ष, पंचमी-22.38 तक तत्पश्चात पष्ठी।

आज का पंचांग

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल-मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुम्भ।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-शतभिषा 06.26 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष: आज अपनी कार्यशैली में कुछ परिवर्तन कर सकते हैं। भविष्य की योजनाओं पर धन निवेश कर सकते हैं। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध अत्यंत मधुर रहने वाले हैं। मांगलिक कार्यक्रमों में आप सम्मिलित हो सकते हैं।

वृष: आज नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। रुकी हुई पेमेन्ट आपको वापस मिल सकती है। आज किसी पर भी अधिक विश्वास न करें। बड़े बुजुर्गों का स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त होगा। इच्छित कार्य समय पर पूर्ण होंगे।

मिथुन: आज सरकारी नौकरी कर रहे लोगों के ऊपर काम का दबाव कम हो सकता है। कारोबारी यात्रा होने के योग बन रहे हैं। अपनी रुचि के अनुसार काम करना हितकर होगा। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में खराबी आ सकती है। आज आपको किसी की चुगली नहीं करनी चाहिए।

कर्क: आज अपनी मनोवृत्ति सदैव सकारात्मक रखें। आपको स्वास्थ्य की समस्या हो सकती है। कार्यक्षेत्र में प्रतिष्ठा की हानि होने की संभावना है। संपत्ति विवादों को लेकर आपको बचना चाहिए। व्यवसाय में आपको कुछ आवश्यक फेरबदल करने पड़ सकते हैं।

सिंह: आज परिवार की जिम्मेदारियों का ध्यान रखें। लोग आपके ऊपर विश्वास करेंगे। कार्यक्षेत्र में सारे काम आसानी से पूरे हो जायेंगे। किसी महत्वपूर्ण परियोजना पर धन खर्च होगा। घर की सुख-सुविधाओं पर आप धन खर्च हो सकता है।

कन्या: आपकी दिनचर्या अत्यंत अनुशासित रहने वाली है। जीवनसाथी का महत्वपूर्ण सहयोग मिलने की संभावना बन रही है। अधीनस्थ कर्मचारियों से आपको सहयोग प्राप्त होगा। परिजनों के साथ शॉपिंग कर सकते हैं। फाइनेंस संबंधी गतिविधियों में आ रहे व्यवधान से मुक्ति मिलेगी।

तुला: आज दांपत्य जीवन में कुछ तनाव हो सकता है। सामाजिक कार्यों में आप काफी समय बितायेंगे। बच्चों की संगत और उनकी परवरिश को लेकर थोड़ी चिंता रहेगी। लोग आपकी सलाह को अत्यधिक महत्व देंगे। विद्यार्थी वर्ग को उत्तम सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक: आज कार्यक्षेत्र में रचनात्मक प्रयोग कर सकते हैं। व्यापार में नए साझेदार जुड़ने के योग बन रहे हैं। घर में कलह का वातावरण हो सकता है। बुजुर्ग लोगों की राय की अवहेलना न करें। आय में कमी होने की आशंका है। घर की कोई वस्तु खराब हो सकती है।

धनु: आज प्रभावशाली लोगों के बीच आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा लोग अपने लक्ष्य को समय से पहले पूर्ण कर लेंगे। दाम्पत्य संबंधों में मधुरता रहेगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में आपको सफलता मिल सकती है। नई संपत्ति खरीद सकते हैं।

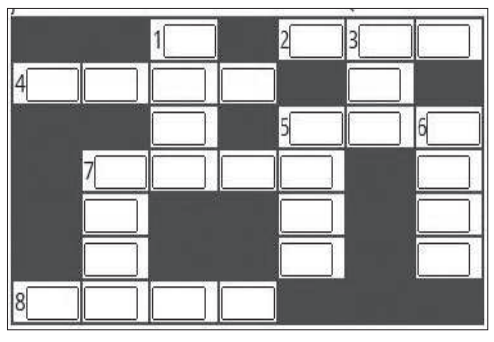

मकर: आज परिवार में एकता और आपसी सामंजस्य का अभाव रहेगा। कार्यक्षेत्र में टीमवर्क का उत्तम उदाहरण प्रदर्शित करेंगे। समय प्रबंधन के अभाव के कारण काम रुक हो सकते हैं। अपनी प्रतिभा को समाज के सामने सिद्ध करेंगे।

कुंभ: आज संचित धन का व्यापार में प्रयोग कर सकते हैं। इंटरव्यू आदि में सम्मिलित हो रहे हैं तो सफलता की पूर्ण संभावना है। अध्यात्मिक उन्नति के लिए समय उत्तम है। किसी बुजुर्ग महिला सहकर्मी का सहयोग प्राप्त हो सकता है। बीमार लोगों की सेहत में सुधार होगा।

मीन: आज मौसम में परिवर्तन के कारण शरीर में थकावट हो सकती है। अचल संपत्ति को लेकर थोड़ी चिंता होगी। अनावश्यक खर्चों में तत्काल प्रभाव से नियंत्रण लाने का प्रयास करें। प्रेम संबंधों को लेकर अविश्वास की भावना पनप सकती है।

न वै भित्रा जातु चरन्ति धर्मं न वै सुखं प्राप्नुवन्तीह भित्राः।
न वै सुखंभित्रा गौरवंप्राप्नुवन्ति न वै भित्राप्रशमंरोचयन्ति ॥

जिनमें मतभेद होता है ,वे लोग कभी न्याय के मार्ग पर नहीं चलते। सुख उनसे कोसों दूर होता है ,कीर्ति उनकी दुश्मन होती है ,तथा शांति की बात उन्हें चुभती है।

संपादकीय

विकास के लिए महत्वपूर्ण

नए युग की प्रौद्योगिकियां लोगों के जीवन और व्यापार में बदलाव ला रहे हैं। इन प्रौद्योगिकियों से नए आर्थिक अवसर भी संभव हो रहे हैं और सामाजिक संरचना के आखिरी पायदान पर मौजूद लोगों सहित सभी लोगों को किफायती दरों पर उच्च गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल रही हैं। नए उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान और नई पहलों में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये की अनुसंधान विकास और नवाचार (आरडीआई) योजना को मंजूरी दी है, जो वर्तमान आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। भारत ने स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और पीएलआई योजनाओं जैसी नीतियों को लागू करके काफी प्रगति की है, ये योजनाएं नवाचार को सक्रिय रूप से समर्थन देती हैं। आरडीआई योजना निजी क्षेत्र को सशक्त बनाकर भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना का उद्देश्य उभरते क्षेत्रों तथा आर्थिक सुरक्षा, रणनीतिक उद्देश्य व आत्मनिर्भरता के लिए प्रासंगिक अन्य क्षेत्रों में अनुसंधान, विकास और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करना है।

वर्तमान में भारत में कुल अनुसंधान एवं विकास व्यय में सरकार का योगदान लगभग 70 प्रतिशत है, जो सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में पहले से ही कम है। इस योजना में मुख्य रूप से अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) के भीतर एक विशेष उद्देश्य निधि स्थापित करना शामिल है। भारत में प्रतिभा पलायन की समस्या काफी गंभीर है, क्योंकि इसके कई प्रतिभाशाली लोग अनुसंधान के लिए बेहतर वित्त पोषण और बुनियादी ढांचे के कारण विदेशों में अवसर तलाश रहे हैं। साथ ही देश का विनिर्माण क्षेत्र वर्तमान में कुशल श्रम की भारी कमी से जूझ रहा है। निजी क्षेत्र के आरएंडडी में निवेश से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए सरकार को उपाय करने चाहिए। सरकार को आरएंडडी में निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए नीतियों और प्रोत्साहन संरचनाओं को विकसित करना चाहिए। नवाचार को बढ़ावा देने और अनुसंधान परिणामों का प्रभावी ढंग से लाभ उठाने के लिए इस कौशल समूह का विकास अत्यंत आवश्यक है। उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सहयोग को बढ़ावा देना आवश्यक है, ताकि अनुसंधान परिणामों को व्यावसायीकरण में परिवर्तित किया जा सके। सरकार को इस योजना की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अनुसंधान और विकास में बाधा डालने वाली अंतर्निहित संरचनात्मक समस्याओं का भी समाधान करना होगा।

जलवायु परिवर्तन से गहरा गया है हिमालय का भूस्खलन

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

इस मानसून सीजन में 500 नए भूस्खलन जोन चिन्हित किए गए। उत्तराखंड सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग और विश्व बैंक ने सन 2018 में एक अध्ययन करवाया था जिसके अनुसार छोटे से उत्तराखंड में 6300 से अधिक स्थान भूस्खलन ज़ोन के रूप में चिन्हित किए गए।

> समझना होगा कि भूस्खलन का प्रभाव क्षेत्र बढ़ने का असल कारण इंडियन प्लेट्स लगातार गतिमान होना है । इस हलचल से चट्टानों में मौजूद दरार भी सक्रिय हो जाती है और यही भूस्खलन के रूप में नीचे खिसकते हैं। बरसात के दिनों में मिट्टी की पकड़ ढीली होने पर यह भूवैज्ञानिक गतिविधि और तेज हो जाती है। सनद रहे पहाड़ों पर हरियाली कम होने से मिट्टी की पकड़ भी कमजोर हो रही हैं, ऊपर से मौसमी बदलाव के चलते अचानक ही बहुत अधिक बरसात होना और फिर तत्काल बाद तेज धूप आ जाने से भूस्खलन की प्रक्रिया को बल मिलता है। यह बात स्वीकार करना होगा कि पहाड़ के भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण किये बगैर बन रही परियोजनाओं के लिए हो रहे धमाकों व तोड़ फोड़ से शांत–धीर गंभीर रहने वाले जीवित हिम– पर्वत नाखुश हैं।

अभी तो बरसात शुरू हुई है और उत्तराखंड के पहाड़ों के रौद्र रूप ने वहां जीवन थाम दिया है। चमोली, उत्तरकाशी, टिहरी, नैनीताल, बागेश्वर, रुद्रप्रयाग जिले में बरसात के साथ पहाड़ लुढ़क रहे हैं। चार धाम यात्रा का मार्ग बार-बार पत्थर-पहाड़ गिरने से बाधित हो रहा है। जोशीमठ जैसे कस्बों पर धंसने का संकट नए सिरे से खड़ा हो गया है। सरकार की चिंता है कि भू वैज्ञानिकों ने जिन इलाकों में नए भू स्खलन संभावित क्षेत्र अंकित किए हैं, वहां सड़क, बिजली, रेल जैसी परियोजनाओं पर काम चल रहा हैं। चारधाम यात्रा रूट पर भूस्खलन जोन सिरदर्द बनते जा रहे हैं।

वहीं ऋषिकेश से बदरीनाथ यात्रा रूट पर कुल 54 लैंडस्लाइड जोन हैं। जिसमें से ऋषिकेश से श्रीनगर के बीच 17 लैंडस्लाइड जोन चिन्हित किए गए हैं। रुद्रप्रयाग से जोशीमठ के बीच 32 लैंडस्लाइड जोन चिन्हित किया गया है। जोशीमठ से बद्रीनाथ के बीच पांच, गौरीकुंड से केदारनाथ मार्ग पर चार से पांच जगहों को संभावित भूस्खलन जोन बताया गया है। यहां पहले भी कई बार भूस्खलन की घटना हो चुकी हैं। ऊखीमठ क्षेत्र में दो और सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच करीब तीन भूस्खलन संभावित क्षेत्र हैं। बेहतर सड़क और सुविधाओं के कारण यहां भीड़ आ रही है और स्वयं में यह और बढ़ेगी।

एक तरफ प्रधानमंत्री का '10 सूत्रीय डिजास्टर रिस्क रिडक्शन' अर्थात आपदा में न्यूनतम जोखिम कार्यक्रम है तो दूसरी तरफ दुनिया के सबसे युवा और बढ़ते पहाड़ हिमालय की गोद में बसे प्रदेशों में मूलभूत संरचना का निर्माण। उत्तराखंड राज्य की आबादी मात्र सवा करोड़ है लेकिन यहां तीर्थ और पर्यटन के लिए आने वालों की संख्या सालाना दस गुना है। फिर यह चीन जैसे धूर्त शत्रु देश से लगी सीमा का प्रांत है। ऐसे में बेहतर सड़क और यातायात तंत्र अनिवार्य है लेकिन जब ऐसे विकास के कारण प्रकृति पर ही संकट खड़ा हो जाए तो ऐसे विकास के प्रतिमान पर पुनर्विचार तो करना ही होगा।

इस बात को सरकार और समाज दोनों को गंभीरता से लेना होगा कि जलवायु परिवर्तन का सर्वाधिक और तीखा असर उत्तराखंड के हिमालय पर्वत पर है और इसी के चलते यह राज्य विकट चुनौतियों का सामना कर रहा है। संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र, अप्रत्याशित मौसम और बादल फटना, भूस्खलन, अचानक बाढ़ और ग्लेशियर लैक आउटबर्स्ट (जीएलओएफ) की बढ़ती घटनाएं इस राज्य को अत्यधिक असुरक्षित बना रही है। बाढ़, भूस्खलन, अतिवृष्टि व वनाग्नि जैसी प्राकृतिक आपदाओं से राज्य को हर साल जन-धन की काफी हानि हो रही है। हर साल राज्य के बजट का बड़ा हिस्सा आपदाओं से नष्ट हुई संरचनाओं को दुरुस्त करने में ही व्यर्थ जाता है।

राज्य में जुलाई, अगस्त और सितंबर में मानसून के कारण हुए नुकसान को लेकर एसडीसी फाउंडेशन ने उत्तराखंड डिजास्टर एंड एक्सीडेंट एनालिसिस इनिशिएटिव (उदय) रिपोर्ट जारी की है। इसमें बताया गया है कि राज्य में हर साल नए भूस्खलन जोन यानी लैंडस्लाइड जोन विकसित हो रहे हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के डाटा के अनुसार 1988 से 2023 के बीच उत्तराखंड में भूस्खलन की 12,319 घटनाएं हुईं। सन 2018 में प्रदेश में भूस्खलन की 216 घटनाएं हुई थीं जबकि 2023 में यह संख्या पांच गुना बढ़कर 1100 पहुंच गई। 2022 की तुलना में भी 2023 में करीब साढ़े चार गुना की वृद्धि भूस्खलन की घटनाओं में देखी गई है। पिछले साल अगस्त-24 तक बरसात के दौरान भूस्खलन की 2946 घटनाएं दर्ज की गई जिसमें 82 लोग मारे गए थे।

इस मानसून सीजन में 500 नए भूस्खलन जोन चिन्हित किए गए। उत्तराखंड सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग और विश्व बैंक ने सन 2018 में एक अध्ययन करवाया था जिसके अनुसार छोटे से उत्तराखंड में 6300 से अधिक स्थान भूस्खलन ज़ोन के रूप में चिन्हित किए गए। रिपोर्ट कहती है कि राज्य में चल रही हज़ारों करोड़ की विकास परियोजनाएं पहाड़ों को काट कर या जंगल उजाड़ कर ही बन रही हैं और इसी से भूस्खलन ज़ोन की संख्या में इजाफा हो रहा है।

समझना होगा कि भूस्खलन का प्रभाव क्षेत्र बढ़ने का असल कारण इंडियन प्लेट्स लगातार गतिमान होना है। इस हलचल से चट्टानों में मौजूद दरार भी सक्रिय हो जाती है और यही भूस्खलन के रूप में नीचे खिसकते हैं। बरसात के दिनों में मिट्टी की पकड़ ढीली होने पर यह भूवैज्ञानिक गतिविधि और तेज हो जाती है। सनद रहे पहाड़ों पर हरियाली कम होने से मिट्टी की पकड़ भी कमजोर हो रही हैं, ऊपर से मौसमी बदलाव के चलते अचानक ही बहुत अधिक बरसात होना और फिर तत्काल बाद तेज धूप आ जाने से भूस्खलन की प्रक्रिया को बल मिलता है। यह बात स्वीकार करना होगा कि पहाड़ के भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण किए बगैर बन रही परियोजनाओं के लिए हो रहे धमाकों व तोड़ फोड़ से शांत-धीर गंभीर रहने वाले जीवित हिम-पर्वत नाखुश हैं। जान कर आश्चर्य होगा कि जिस परियोजना के लिए सिल्कियारा सुरंग बनाई जा रही है, उसके पर्यावरणीय प्रभाव आकलन की अनिवार्यता से बचने के लिए उसे छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ कर दिखाया गया।

सनद रहे हिमालय पहाड़ ना केवल हर साल बढ़ रहा है, बल्कि इसमें भूगर्भीय उठापटक चलती रहती हैं। यहां पेड़ भूमि को बांध कर रखने में बड़ी भूमिका निभाते हैं जो कि कटाव व पहाड़ ढहने से रोकने का एकमात्र उपाय है। जानना जरूरी है कि हिमालयी भूकंपीय क्षेत्र में भारतीय प्लेट का यूरेशियन प्लेट के साथ टकराव होता है और इसी से प्लेट बाउंड्री पर तनाव ऊर्जा संग्रहित हो जाती है जिससे क्रस्टल छोटा हो जाता है और चट्टानों का विरुपण होता है। ये ऊर्जा भूकंपों के रूप में कमजोर जोनों एवं फाल्टों के जरिए सामने आती है।

जब पहाड़ पर तोड़फोड या धमाके होते हैं, जब उसके प्राकृतिक स्वरूप से छेड़छाउ होती है तो दिल्ली तक भूकंप के खतरे तो बढ़ते ही हैं, यमुना में कम पानी का संकट भी खड़ा होता है। पहले उत्तराखंड में भूस्खलन की तीन चौथाई घटनाएं बरसात के कारण होती थीं लेकिन अब बरसात के बाद भी यह आपदा नहीं रुक रही। पिछले साल जाड़े में और इस साल गर्मी में भी कईं बड़े भूस्खलन हुए। ऐसे में देवभूमि, विकास में पर्यावरण संरक्षण, नैसर्गिक विकास और आस्था में सुख को त्याज्य करने की भावना विकसित करने के लिए आमंत्रित भी कर रही है और चेता भी रही हैं।

प्रसंगवश

अपनी ख़ुशियां खुद पैदा करो

आजकल मैं देख रहा हूं कि तमाम लोग जिंदगी की असंगति से तंग आकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर लेते है, या समाप्त करने की सोचते हैं। वे जिंदगी का मकसद ढूंढते है और न दिखने पर अवसाद में डूब जाते हैं। मैं 20 वीं सदी के शीर्ष दार्शनिक अल्बर्ट कामू से सहमत हूं कि ज़िंदगी का कोई मक़सद नहीं, जिंदगी असंगत है, विसंगतियों से भरी है। गौतम बुद्ध बहुत पहले की कह गए थे गर आपने सम्यक् दृष्टि से ज़िंदगी को नहीं देखा, तो ज़िंदगी दुख ही दुख है।

> कामू का आशय है कि सिसिफस जानता है कि उसका कार्य निरर्थक है, फिर भी वह उस चट्टान को धकेलना स्वीकार करता है, हार नहीं मानता–बल्कि वह देवताओं को परास्त करता है, क्योंकि उसने निरर्थकता में भी अर्थ चुन लिया।

जिंदगी की विसंगतियों से निपटने का जो तरीक़ा कामू बताते है, उससे भी मैं सहमत हूं कि इस विसंगति को स्वीकार करो, जिंदगी से आंखें भिड़ाओं, उसे ललकारो और अपनी ज़िंदगी का अर्थ खुद बनाओ।

अल्बर्ट कामू की प्रसिद्ध कृति "द मिथ ऑफ सिसिफ़स" (1942) की संक्षिप्त कहानी इस संबंध में प्रासंगिक है। यह पारंपरिक "कहानी" नहीं है, बल्कि एक गहरा दार्शनिक निबंध है। इसमें कामू जीवन की निरर्थकता और मानव की उस निरर्थकता के भीतर अर्थ की खोज पर विचार करते हैं। यह उपन्यास अस्तित्ववादी दर्शन का एक मुख्य स्तंभ है।

शैलेन्द्र प्रताप सिंह
से.नि., पुलिस महानिरीक्षक

कामू इस द मिथ ऑफ सिसिफ़स पुस्तक की शुरुआत एक चौंकाने वाले वाक्य से करते हैं-"केवल एक ही गंभीर दार्शनिक प्रश्न है- क्या जीवन जीने योग्य है या नहीं?" इसके बाद वे प्राचीन यूनानी मिथक सिसिफ़स को एक रूपक के रूप में प्रस्तुत करते हैं। सिसिफ़स ग्रीक पौराणिक कथाओं में एक चालाक राजा था। देवताओं के आदेशों की अवहेलना और मृत्यु को धोखा देने के कारण उसे दंड मिला कि वह एक भारी पत्थर को पहाड़ी की चोटी तक ले जाए, और जब वह पत्थर चोटी तक पहुंच जाए-तो वह फिर नीचे लुढ़काए। यह काम उसे अनंतकाल तक दोहराना है।

कामू कहते हैं कि सिसिफ़स का यह निरर्थक श्रम एकदम हमारे जीवन जैसा है। हम रोज़ वही काम करते हैं, उठते हैं, कमाते हैं, खाते हैं, और फिर मृत्यु निश्चित है। फिर भी हम असंगति में जीते हैं। क्यों? मनुष्य अर्थ चाहता है, पर क़ामू कहते है कि ब्रह्मांड में कोई निश्चित अर्थ नहीं है। यह टकराव अवसाद से नहीं, विद्रोह" से सुलटेगा। कामू का निष्कर्ष है, विद्रोह करो, स्वीकार करो, अर्थ खुद बनाओ-"हमें सिसिफस की खुशी की कल्पना करनी चाहिए। हमें सिसिफ़स के प्रसन्न होने की कल्पना करना चाहिए।

कामू का आशय है कि सिसिफ़स जानता है कि उसका कार्य निरर्थक है, फिर भी वह उस चट्टान को धकेलना स्वीकार करता है, हार नहीं मानता-बल्कि वह देवताओं को परास्त करता है, क्योंकि उसने निरर्थकता में भी अर्थ चुन लिया। यही मानव गरिमा है-कि हम अर्थहीनता में भी जीना चुनते हैं, लड़ते हैं, और विद्रोह करते हैं। यह पुस्तक आज बहुत प्रासंगिक है क्योंकि इसमें आधुनिक जीवन की ऊब, थकान, दोहराव आत्महत्या, सब पर इसमें गहरा चिन्तन है। 'आत्महत्या' को खारिज कर यह पुस्तक कहती हैः "हां, जीवन निरर्थक हो सकता है, पर फिर भी जीना मूल्यवान है।" सिसिफ़स हमारे भीतर के उस साहसी, न थकने वाले, स्वीकृति से उपजे आत्म-गरिमा वाले मनुष्य का प्रतीक है।

बीसवीं सदी के ही कामू की तरह एक और शीर्ष दार्शनिक लेखक काफ़्का भी मानते हैं कि मनुष्य एक ऐसे ब्रह्मांड में जी रहा है जो न तो उत्तर देता है, न ही तर्कसंगत है। संसार अर्थहीन है और मनुष्य उसमें अर्थ खोजने के लिए संघर्ष करता है। काफ़्का के पात्र तो अपने ही समाज, परिवार, व्यवस्था से कटे हुए होते हैं। सो करना यह है कि व्यस्त रहे, मस्त रहे। अपना दीपक खुद बनो, दूसरों को मत ताको। अपनी ख़ुशियां ख़ुद पैदा करो। हार नहीं माननी है, जिंदगी से दो दो हाथ करना है, दृष्टाभाव से उसे जीना है। जिंदगी नश्वर है, क्षणिक है, शून्य है, यह समझते हुए उसे जीना है। जिंदगी में खुद ही अर्थ पैदा करना है। पके आम की तरह जिंदगी को चूसना है। उसे भरपूर जीना है, यही जिंदगी का मकसद है।

एफएटीएफ की चौंकाने वाली रपट

वैश्विक आतंकवाद पर निगरानी रखने वाली संस्था-फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानी एफएटीएफ की 7 जुलाई को जारी रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। एफएटीएफ की रपट में यह चौंकाने वाला आयाम बेनकाब हुआ है कि अमेजन जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन, सोशल मीडिया के जरिए आतंकवाद की फंडिंग की जाती रही है। आतंकियों ने अमेजन प्लेटफॉर्म के जरिए ऐसा विस्फोटक हासिल किया, जिसने पुलवामा, 2019 के आतंकी हमले को और भी तीक्ष्ण बना दिया। नतीजतन सीआरपीएफ के 40 जवान 'शहीद' हुए थे। यह हमला पाकिस्तान स्थित 'जैश-ए-मुहम्मद' के आतंकियों ने किया था, यह निष्कर्ष विभिन्न जांच-रपटों के जरिए सार्वजनिक हो चुका है। असल में, एफएटीएफ ने पाकिस्तान द्वारा राज्य प्रायोजित आतंकवाद की पोल खोल दी है। एफएटीएफ ने मसूद अजहर, हाफिज सईद और साजिद मीर जैसे आतंकियों पर कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी भी जाहिर की है। एफएटीएफ की रिपोर्ट बताती है कि भारत-पाक सीमा से जुड़े समूहों के लिए नकली गैर-लाभकारी संगठनों का उपयोग कैसे हो रहा है। अल-रशीद ट्रस्ट और अल-फुर्कान फाउंडेशन जैसे समूह, परोपकारी प्रॉक्सी रूपों में सक्रिय रहे और आतंकवादी गतिविधियों को छिपाकर आर्थिक सहयोग मुहैया कराया गया। वहीं जैसे लश्कर-ए-तैय्यबा और जैश-ए-मोहम्मद ने पूर्वी एशियाई देशों में नकली गैर-लाभकारी संगठन यानी एनओपी की स्थापना करके, मानवीय सहायता दान कार्यक्रमों का दुरुपयोग किया और धन को आतंकवाद संचालन में मोड़ा।

यह वैश्विक तथ्य है कि लश्कर और उसका सरगना हाफिज सईद पाकिस्तान में ही है। एफएटीएफ ने यह भी दावा किया है कि 2022 में उप्र के गोरखनाथ मंदिर पर हमला करने वाले आतंकी को पेमेंट 'पेपाल' ऐप से किया गया था। एफएटीएफ ने इन दोनों हमलों को रपट में एक उदाहरण के तौर पर शामिल किया है। यह हकीकत बेनकाब हो चुकी है कि ई-कॉमर्स, ऐप, सोशल मीडिया के जरिए जिन आतंकी समूहों ने आर्थिक मदद प्राप्त की थी।

तारकेश्वर मिश्र
स्वतंत्र पत्रकार

> एफएटीएफ की रिपोर्ट बताती है कि भारत–पाक सीमा से जुड़े समूहों के लिए नकली गैर–लाभकारी संगठनों का उपयोग कैसे हो रहा है।

एफएटीएफ पहले भी 2-3 बार पाकिस्तान को 'ग्रे सूची' में डाल चुका है। अब भारत लगातार यह आग्रह कर रहा है कि पाकिस्तान न केवल आतंकियों को पनाह देता है, बल्कि फंडिंग के लिए हुकूमत की एजेंसियां भी आतंकियों की मदद करती रही हैं, तो एफएटीएफ पाकिस्तान की जांच कर उसे 'ग्रे सूची' में डालने से क्यों हिचक रहा है? 'ग्रे सूची' के बजाय अब पाकिस्तान को 'काली सूची' में डाल दिया जाना चाहिए।

एफएटीएफ ने बताया है कि अमेजन जैसे मार्केटप्लेस धनशोधन का जरिया भी बनते जा रहे हैं। यह ऐसे अंजाम दिया जाता है। रपट में यह भी गौरतलब है कि आतंकी ई-मार्केटप्लेस पर ऐसे सस्ते उत्पाद को उतारते हैं, जो कि आतंकी गतिविधियों में इस्तेमाल हो सकते हैं। इन्हें ऑनलाइन महंगे से महंगे दाम पर प्रचारित किया जाता है। 'ट्रेड बेस्ड मनी लॉन्ड्रिंग स्कीम' के तहत एक व्यक्ति सामान खरीद कर अपने साथी को भेजता है, जो उसे दूसरे देश में बेच कर पैसे जुटाता है ।उत्पाद को आतंकी नेटवर्क में ही शामिल किसी और स्थान पर बैठा दूसरा दहशतगर्द खरीद लेता है और इसकी रकम का भुगतान कर देता है। यह रकम सीधे उत्पाद को बेचने वाले आतंकी के पास पहुंच जाती है और उसकी तरफ से भेजा गया सामान मार्केटप्लेस की डिलीवरी प्रणाली से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंच जाता है।

इस तरह भेजा गया उत्पाद भी किसी आतंकी गतिविधि में इस्तेमाल हो सकता है और इसकी एवज में भेजी गई रकम भी आतंकी वित्तपोषण में इस्तेमाल हो सकती है। चूंकि यह पूरा लेन-देन उत्पाद खरीदने-बेचने के तौर पर होता है, इसलिए यह खुफिया एजेंसियों की नजर से भी बचे रहते हैं। यानी सीधे पैसे ट्रांसफर के मुकाबले ज्यादा गुप्त। एफएटीएफ ने अपने अध्ययन में पाया है कि आतंकी ऐसे प्लेटफॉर्म और ओपन मार्केट प्लेस से हथियार, रसायन और थ्रीडी प्रिंटिंग सामग्री खरीद रहे हैं।

एफएटीएफ ने पहली बार अपनी रिपोर्ट में किसी देश की तरफ से प्रायोजित आतंकवाद का भी जिक्र किया है। संस्था ने कहा है कि यह दर्जा उन देशों को दिया जाएगा, जो अपनी आधिकारिक नीतियों के तहत आतंकी संगठनों और गतिविधियों का वित्तपोषण करते हैं। आतंकवाद इतना अहम सरोकार है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'ब्रिक्स शिखर सम्मेलन' के दौरान उठाया और 'साझा बयान' में इसे शामिल कराया। 'ब्रिक्स' ने पहलगाम नरसंहार पर 'निंदा प्रस्ताव' भी पारित किया। अब यह 'ब्रिक्स' देशों के लिए नीतिगत सरोकार है कि वे हर स्तर के आतंकवाद का विरोध करें।

सोशल फोरम

बराबर आनंद देने का उत्सव

और जब बादल इकट्ठे होकर जमीन को नहलाने लगें। ज़मीन हरी घास सी मंद मंद मुस्काए। बीज अखुए फोड़कर सलाम करने खड़े हो जाएं। नदियां भर पेट पानी पीकर इतराएं। तालाब शरारती बच्चों की तरह जगह जगह खिलकर फैले हों। मिट्टी मक्खन बनकर फूली हो। हरी हरी काई, मखमल की तरह टंकी हो ज़मीन पर। हवा जब खुद में नमी का वज़न लेकर बदन को ताज़गी दे जाए। तब ज़रा ज़रा मुस्कुरा के कहता है, यही तो सावन का स्वाद है....

हफीज किदवई
लेखक

जो दिल सावन में न झूमे, जिसे सावन की नरमी तरावट न दे, जिसमें सावन का भोलापन मासूमियत न भरे,जिसका दिल बड़ा और बराबरी की गवाही न दे, वह भला फुहारों के बीच नाचते सावन को समझा ही कब। सावन तो हर एक को बराबर आनंद देने का उत्सव है... धरती पर मौजूद हर हृदय,जिसमें प्रेम है, उसमें ही तो सावन की आहट होगी।

हे सावन मेरे दिल को ढक लो ताकि इसमें मोहब्बत के सिवा कुछ न रह जाए...मेरे दिल को ऐसा करदें जो संसार भर का ज़हर पी तो सके मगर दूसरों पर उगल न सके, मुझे खुद में समाकर मेरा वजूद मिटा दो मेरे सावन। पार्वती ने सबसे खूबसूरत महीनों में से एक सावन में तप करके दुनिया का सबसे शक्तिशाली, मासूम और समर्पित प्रेम शिव हासिल किया था, इसलिये मेरे लिए माह प्रेम को पाने का महीना है। यह महीना धैर्य और समर्पण का महीना है। ख़ुद के अन्दर से सुईं की नोक बराबर भी नफरत को खत्म करने का महीना है और सबसे बड़ी बात पिछले पूरे चक्र में की गई गलतियों के प्रायश्चित का महीना है, जब दिल प्रायश्चित के बाद साफ हो जाए,तब उसमे पहला पांव शिव रखते हैं और जिस हृदय में शिव पांव रख दें,वहां और कुछ रह ही क्यों जाएगा सिवाए शिव शिव के,यानि प्रेम...

सावन मंद मंद मुझे ख़ुद में घोल दे रहा है..अगर सावन गुज़रता रहे और इसकी आहटें दिल में मचलती रहें। यह तो ख़ुद को मिटकर प्रकृति के साथ झूमने का वक्त है... खुद से एक वादे का भी वक्त है कि ऐसा कोई काम नही करेंगे कि सावन आना ही छोड़ दें,प्रकृति से कोई छेड़छाड़ नही करेंगे,कि सावन को आने वाली नस्लें देख ही न पाए।

-फेसबुक वॉल से

वैश्विक मंच पर चमकती हिन्दी और क्षेत्रीय राजनीति की कुंठा

यह सच है कि भारत में विविध भाषाओं और बोलियों का समृद्ध संसार है। संविधान 18वीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता देता है। इनमें से हर भाषा का सम्मान और संरक्षण आवश्यक है लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जनसंख्या द्वारा बोली जाने वाली हिन्दी के खिलाफ वैमनस्य फैलाया जाए। हिन्दी को थोपे जाने की राजनीति और विरोध दोनों ही गलत हैं। भाषा का विकास संवाद और सहमति से होता है, न कि टकराव से। एक ओर जहां सैंकड़ों भाषाएं लुप्त होने के कगार पर हैं, वहीं हिन्दी वैश्विक मंच पर तेजी से उभर रही है, जिसे लेकर हर भारतवासी को गर्व होना चाहिए।

विश्व में लगभग 6900 भाषाएं बोली जाती हैं, जिनमें से 35 से 40 प्रतिशत भाषाएं आज अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। इसके विपरीत हिन्दी अब दुनिया की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन चुकी है। 'एथ्नोलॉग' की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, हिन्दी के 61.5 करोड़ मूल वक्ता हैं। यह आंकड़ा भाषा के प्रसार और इसकी प्रभावशीलता का प्रमाण है। मन्दारिन और अंग्रेजी के बाद हिन्दी की यह स्थिति केवल आंकड़ों की बात नहीं है बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक शक्ति का वैश्विक स्वीकार भी है। वर्षों से हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर लाने के प्रयास किए जाते रहे हैं। जून 2022 में जब संयुक्त राष्ट्र ने हिन्दी, उर्दू और बांग्ला में

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

> विश्व में लगभग 6900 भाषाएं बोली जाती हैं, जिनमें से 35 से 40 प्रतिशत भाषाएं आज अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। इसके विपरीत हिन्दी अब दुनिया की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन चुकी है।

जानकारी उपलब्ध कराने की पहल की तो यह हिन्दी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था। इससे स्पष्ट हुआ था कि वैश्विक संस्थाएं अब भारतीय भाषाओं की उपेक्षा नहीं कर सकती।

दुनिया के 50 से अधिक देशों में 150 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिन्दी एक विषय के रूप में पढ़ाई जाती है। अमेरिका, जर्मनी, रूस, फ्रांस, जापान, पोलैंड, नेपाल, फिजी, मॉरीशस जैसे देशों में हिन्दी के अध्ययन और शोध को लेकर विशेष रुचि देखी जा रही है। हिन्दी को ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने भी सम्मान दिया है। 'बच्चा', 'अच्छा', 'दादागिरी', 'पंडित', 'जुगाड़', 'गुलाब जामुन' जैसे अनेक हिन्दी शब्द अब इस प्रतिष्ठित शब्दकोश का हिस्सा बन चुके हैं। यह उस सांस्कृतिक प्रभाव की मान्यता है, जो हिन्दी शब्दों के जरिए दुनिया में फैल रहा है। अमेरिका की 'ग्लोबल लैंग्वेज मॉनीटर' संस्था हिन्दी की शब्दसंपदा को समृद्ध बता चुकी है। एक अनुमान के अनुसार हिन्दी में 1.25 लाख से अधिक शब्द हैं। वहीं, अमेरिका की 2023 की जनगणना रिपोर्ट बताती है कि वहां हिन्दी बोलने वालों की संख्या 10 लाख से अधिक हो चुकी है। 2011 की तुलना में यह वृद्धि अभूतपूर्व है। बॉलीवुड और भारतीय सिनेमा ने भी हिन्दी के वैश्विक विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिन्दी की लोकप्रियता को सोशल मीडिया ने भी एक नई ऊंचाई दी है। यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स पर हिन्दी सामग्री का विस्तार प्रतिवर्ष 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। 2024 की एक रिपोर्ट बताती है कि हिन्दी इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 20 करोड़ पार कर चुकी है। गूगल के अनुसार, हिन्दी कंटेंट की वार्षिक वृद्धि दर 94 प्रतिशत है जबकि अंग्रेजी की घटती जा रही है। अब ई-कॉमर्स और तकनीक की दुनिया में भी हिन्दी एक मजबूत बाजार भाषा बन चुकी है। अमेजन, फ्लिपकार्ट जैसी दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनियां भी अब हिन्दी में सेवाएं दे रही हैं। डेलॉइट की 2023 की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 65 प्रतिशत ऑनलाइन उपभोक्ता अब हिन्दी या अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में जानकारी लेना पसंद करते हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि हिन्दी का आर्थिक मूल्य भी तेजी से बढ़ रहा है। गूगल ट्रांसलेट, माइक्रोसॉफ्ट ट्रांसलेटर, वॉयस असिस्टेंट्स, एआई चैटबॉट्स और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग में हिन्दी को प्रमुखता दी जा रही है। भारत के डिजिटल इंडिया अभियान में भी हिन्दी की प्रमुख भूमिका है।

इतिहास गवाह है कि महात्मा गांधी ने हिन्दी को राष्ट्र की आत्मा बताते हुए इसे राष्ट्रीय एकता का आधार कहा था। भारत सरकार द्वारा 1963 में स्थापित केन्द्रीय हिन्दी संस्थान अब हिन्दी में उच्च शिक्षा, शोध और प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र बन चुका है। यह संस्थान प्रत्येक वर्ष 'हिन्दी सेवी सम्मान' प्रदान करता है, जो हिन्दी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को दिए जाते हैं।

बहरहाल, हमें यह समझना होगा कि भारत के किसी भी राज्य में हिन्दी का विरोध करना भारत की एकता और संस्कृति पर हमला है। भाषा को विभाजन का नहीं, समावेशन और संवाद का साधन बनाना चाहिए। जब दुनिया हिन्दी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार है तो हमें भी अपनी भाषायी चेतना को व्यापक बनाना होगा। हिन्दी किसी एक राज्य या क्षेत्र की नहीं, पूरे भारत की है। इसका विरोध उस भारतीयता का विरोध है, जो हिन्दी के जरिए दुनियाभर में फैल रही है। यह समय हिन्दी को राजनीति की भेंट चढ़ाने का नहीं, इसके वैश्विक उभार को समर्थन देने का है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- amritvicharkanpur@gmail.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

एक नजर

सदस्य न्याय पीठ स्थायी लोक अदालत में प्रियंका का चयन

हमीरपुर। लोक अदालत में अध्यक्ष/जज के अतिरिक्त न्याय पीठ सदस्यों के पद लगभग एक वर्ष से रिक्त होने के कारण कार्य प्रभावी रूप से नहीं चल पा रहा था। जिसको देखते राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सदस्य न्यायपीठ स्थायी लोक अदालत के पद पर प्रियंका सक्सेना निवासी मराठीपुरा मौदहा का चयन किया गया है। जिन्हें अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश मनोज कुमार राय के निर्देशानुसार अध्यक्ष स्थायी लोक अदालत प्रमोद कुमार चतुर्थ ने सदस्य न्यायपीठ स्थायी लोक अदालत का कार्यभार ग्रहण कराया।

प्रियंका सक्सेना।

बुखार से हलवाई की चली गई जान

बिवांर (हमीरपुर)। विचित्र बुखार से पीड़ित हलवाई की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों में कोहराम मचा है। थानाक्षेत्र के उमरी गांव का पप्पू राजपूत (42) पुत्र सुंदर पिछले एक सप्ताह से विचित्र बुखार से पीड़ित था। वह गांव के एक प्राइवेट चिकित्सालय में इलाज करवाया रहा। हालत में सुधार न होने पर परिजन उसे झांसी में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान रविवार को उसकी मौत हो गई। मृतक शादी समारोह में हलवाई का काम करता था। वह अपने पीछे पत्नी एक पुत्र व पुत्री को रोते-बिलखते छोड़ गया है।

अमरूद तोड़ने को चढ़ा बालक, गिरकर घायल

कुरारा (हमीरपुर)। थानाक्षेत्र के गोकुल डेरा गांव में 8 वर्षीय बालक अमरूद के पेड़ से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे परिजन सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक करने के बाद हालत में सुधार न होता देखकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। क्षेत्र के गोकुल डेरा गांव निवासी आदर्श (08) पुत्र रमाकांत सोमवार को गांव बाहर लगे अमरूद के पेड़ में अमरूद तोड़ने के लिए ऊपर चढ़ रहा था। तभी पैर फिसलने से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे परिजन सीएचसी लेकर आए। जहां चिकित्सकों प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत में सुधार न होता देखकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बालक के पिता रमाकांत ने बताया की बच्चों के साथ खेलते खेलते अमरूद तोड़ने के लिए पेड़ में चढ़ रहा था, तभी पैर फिसलने से नीचे गिरकर घायल हो गया। उसके हाथ-पैर में गंभीर चोटें आई हैं।

जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र भेजकर न्याय की गुहार

मौदहा (हमीरपुर)। एक भूमाफिया ने युवक के माता- पिता की मौत हो जाने के बाद उसे पागल घोषित कर उसकी जमीन में कब्जा कर लिया है। पीड़ित ने अधिकारियों के चक्कर लगाने के बाद कोई सुनवाई न होने पर ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। कस्बे के पूर्वी तरौस इलाही तालाब निवासी बरदानी ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र भेज कर बताया कि पिता की पढ़ोरी मौजा में गाटा संख्या 101 रकबा 0.5291 स्थित है। पिता की मृत्यु हो जाने पर भू- माफिया नफीस खान परछा निवासी ने पीड़ित को लापता, पागल व मृत्यु हो जाने की घोषणा कर उसकी जमीन पर अवैध कब्जा कर अधिग्रहित कर लिया है। इसकी शिकायत कई बार स्थानीय अधिकारियों से की जा चुकी है। लेकिन अभीतक कोई सुनवाई न होने पर पीड़ित डरा सहमा रहता है। आए दिन भू- माफिया धमकी देते रहते हैं। पीड़ित ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाते हुए अवैध कब्जा हटवाने की मांग की है।

शिवालयों में उमड़े श्रद्धालु, गूंजे जयकारे

शिव मंदिरों में तड़के से दर्शनों के लिए लगीं भक्तों की कतारें

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। सावन मास के पहले सोमवार को जिले भर के शिवालयों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया। शाम तक शिवालयों में भक्त पहुंचते रहे और उन्होंने हर-हर बम-बम के जयकारों के साथ भगवान शंकर का जलाभिषेक व दुग्ध अभिषेक कर पूजा अर्चना किया।

सावन मास के सभी सोमवार को मंदिरों व शिवालयों में भक्तों की अच्छी खासी भीड़ नजर आएगी। पहले सोमवार को शिव भक्तों का तांता शिव मंदिरों में देखने को मिला। मुख्यालय के संगमेश्वर मंदिर, पातालेश्वर मंदिर, चौरा देवी मंदिर सहित अन्य शिव मंदिरों में लोगों ने शिवलिंगों में जलाभिषेक व दुग्ध अभिषेक कर बेल पत्री फूल आदि चढ़ाकर पूजा अर्चना की। संगमेश्वर मंदिर में मेला भी लगा। जिसमें महिलाओं व बच्चों ने जमकर खरीदारी की। सुरक्षा की दृष्टि से सभी शिवालयों में पुलिस व्यवस्था रही।

कुरारा संवाददाता के अनुसार सावन के प्रथम सोमवार को शिव मंदिर में शिव भक्तों द्वारा बेलपत्र चढ़ाकर जलाभिषेक करने के लिए बेरी के कोटेश्वर पावन धाम मंदिर में जाकर पूजा अर्चना की। गांव के सुनील विश्वकर्मा ने बताया कि सोमवार को शिव भक्तों की सुबह से ही बेल पत्री व जलाभिषेक करने के लिए लंबी भीड़ लगती है। उधर शंकरपुर गांव में प्राचीन शिव मंदिर में सावन के पहले सोमवार को आसपास गांव के शिवभक्त सुबह से ही शिव मंदिर में आकर बेल पत्री व जलाभिषेक किया। शंकरपुर के ग्राम प्रधान प्रियंका निषाद ने बताया कि प्राचीन शिव मंदिर में शिवभक्त महाशिवरात्रि पर्व पर कावड़ चढ़ाने दूरदराज के जनपदों से इस मंदिर में आते हैं और मन्नत मांगते हैं।

संगमेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करते शिव भक्त। अमृत विचार

शल्लेश्वर महादेव का जलाभिषेक करते भक्त। अमृत विचार

शल्लेश्वर मंदिर में भक्तों की उमड़ी भीड़

सरीला (हमीरपुर)। नगर में स्थित प्रसिद्ध प्राचीन श्री शल्लेश्वर मंदिर में तड़के चार बजे से ही भक्तों व कांवरियों का आना शुरू हो गया। बम बम भोले के जयकारों के साथ भक्तों ने जलाभिषेक किया। वहीं सैकड़ों कांवरियों व भक्तों ने लगभग 20 किलोमीटर दूर भेड़ी डांडा गांव के पास से निकली बेतवा नदी से जल भरकर महेश्वरी माता के दर्शन कर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया।

लगातार यमुना व बेतवा नदी के जलस्तर में हो रही बढ़ोतरी

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। तेज बारिश के चलते बांधों से छोड़े जा रहे पानी के कारण यमुना और बेतवा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।

ऊपरी क्षेत्रों में बारिश व बांधों से पानी छोड़े जाने से लगातार नदियों का जल स्तर बढ़ रहा है। जिससे क्षेत्र में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। रविवार सुबह लहचूरा बांध से 3.17 लाख क्यूसेक पानी धसान नदी से पास हुआ था। रविवार की दोपहर माताटीला बांध से बेतवा नदी में 1.60 लाख क्यूसेक पानी पास किया। सोमवार की शाम छह बजे बेतवा नदी का जलस्तर 100.410 मीटर पर पहुंच गया। यह प्रति घंटे 10 सेमी की दर से बढ़ रही है। जबकि यमुना नदी का जल स्तर 98.87 मीटर पर पहुंच गया है और यह 11 सेमी प्रति घंटा की रफ्तार से बढ़ रहा है। बांधों का पानी आने से बेतवा नदी का जलस्तर 5 मीटर तक बढ़ गया है। हालांकि यमुना नदी का 103.63 मीटर और बेतवा नदी का 104.54 खतरे का निशान है। जिससे यमुना 4.76 मीटर और बेतवा नदी 4.13 मीटर नीचे बह कर रही है। मौदहा बांध के सहायक अभियंता सर्वजीत वर्मा ने बताया कि बेतवा के जलस्तर में लगभग 1 मीटर की बढ़त संभावित है। नदी का जलस्तर मोहाना में कम होना शुरू हो गया है। सोमवार की रात्रि या मंगलवार से स्तर घटेगा।

पारा कंडौरा रपटा मार्ग में भरा बेतवा नदी का पानी। अमृत विचार

बेतवा नदी का बढ़ा जल स्तर। अमृत विचार

- यमुना नदी 4.96 मीटर व बेतवा 4.03 मीटर खतरे के निशान के नीचे

पारा कंडौरा मार्ग का रपटा बेतवा नदी के पानी से डूबा, आवागमन प्रभावित

कुरारा (हमीरपुर)। ऊपरी क्षेत्रों में भारी बारिश व बांधों से छोड़े गए पानी से बेतवा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। जिससे क्षेत्र के पारा कंडौर मार्ग का रपटा डूब जाने से दोनों गांव का संपर्क टूट गया है।

बेतवा नदी में लहचूरा बांध से छोड़े गए पानी के असर से बेतवा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इससे नदी किनारे बसे गांवों में भी इसका असर दिखने लगा है। सोमवार को पारा कंडौर मार्ग में बना रपटा बेतवा नदी के पानी से डूब जाने से दोनों गांव का आवागमन बंद हो गया। कंडौर गांव निवासी राकेश द्विवेदी, त्यागी सिंह ने बताया कि रपटा के ऊपर बेतवा नदी का पानी आ गया है। इससे गांव के ग्रामीणों को कस्बे में ब्लॉक कार्यालय, अस्पताल, बैंक आदि जाने के लिए शंकरपुर गांव से 8 किमी घूम कर जाना पड़ रहा है। वहीं ग्राम प्रधान संतोष विश्वकर्मा ने बताया कि बेतवा नदी का जलस्तर अभी थम गया है।

एबीपी ने पृथक बुंदेलखंड राज्य बनाने की आवाज बुलंद की

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। एबीपी ने बुंदेलखंड पृथक राज्य बनाने की मांग को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री से सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी घनश्याम मीणा को सौंपा है।

आजाद भारत पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश द्विवेदी के नेतृत्व में दिए ज्ञापन में कहा कि 1 नवम्बर सन् 1955 से बुंदेलखंड का अस्तित्व समाप्त हो जाने के बाद से यह क्षेत्र सरकार की उदासीनता का शिकार हो गया है। बताया कि बुंदेलखंड यूपी और एमपी दोनों प्रदेशों के अधिकार में आधा-आधा विभाजित हो गया जिससे इस क्षेत्र की उपेक्षा इतनी हो गई है कि बुंदेलखंड क्षेत्र हर बुनियादी सुविधाओं से वंचित हो गया जबकि इस क्षेत्र में प्रचुर मात्रा में खनिज, काष्ठ, वेश कीमती धातुएं, पत्थर, जंगल व पानी से ओत प्रोत नदियां होने के बावजूद यहां पर जनता ईश्वर के सहारे रहने पर मजबूर है। बताया कि संपूर्ण क्षेत्र ऊबड़, खाबड़ रास्ते, यातायात के साधन न होने, स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल होने, शिक्षा, बेरोजगारी, पलायन करने सहित अन्य संसाधनों से वंचित है। उन्होंने बुंदेलखंड को पृथक राज्य का दर्जा देकर उपर्युक्त बुनियादी सुविधाओं से बुंदेलखंड वासियों को अनुग्रहित करने की मांग की है। इस मौके पर उमेश सिंह, बलबीर सिंह, उदय सिंह, कमल सिंह, बब्लू, जयकरन, उपेंद्र सिंह, सीता शरण, भोला, राज बहादुर मौजूद थे।

डीएम को ज्ञापन देने जाते एबीपी के कार्यकर्ता। अमृत विचार

प्रयागराज में युवक की हत्या, चाचा पर आरोप

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- चाचा प्रयागराज से शव लेकर हमीरपुर आया, परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने पकड़ा

अमृत विचार। प्रयागराज मजदूरी करने गए एक युवक की मौत हो गई। सोमवार को उसका शव लेकर चाचा घर लौटा तो परिजनों उसी पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी चाचा को पकड़कर पूछताछ शुरू की। शव को कब्जे में लेकर पुलिस घटना की जांच में जुट गई है। शहर के नौबस्ता मोहाल निवासी रोहित उर्फ भूरा निषाद (23) हाल में ही चाचा संजय निषाद के साथ मजदूरी करने प्रयागराज गया था। चाचा और भतीजे वहां रहकर सरिया कटिंग का काम करते थे। रोहित इसी काम से वह अपने परिवार का भरण पोषण करता था। रविवार की रात चाचा भतीजे में किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया, आरोप है कि चाचा ने भतीजे रोहित की धारदार हथियार से हत्या कर दी। घटना के बाद चाचा ने परिजनों को जानकारी भी नहीं दी और सोमवार को भतीजे का शव लेकर मुख्यालय आ गया। रोहित का शव देख परिजनों के होश उड़ गए। मृतक के शरीर में चोट के निशान पाए जाने पर परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। घटना की सूचना सदर कोतवाली पुलिस को दी गई। पुलिस बल मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर चाचा संजय निषाद को गिरफ्तार कर कोतवाली ले गई। मृतक रोहित के भाई शिवम ने बताया कि चाचा ने भाई की बेरहमी से हत्या की है। सदर कोतवाल राकेश कुमार ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। चाचा को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है।

टैंकर चालक के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

सुमेरपुर(हमीरपुर)। बीते 28 जून को ढाबे से खाना खाकर वापस कस्बे में आ रहे युवकों की कार टैंकर से भिड़ने के बाद हुई युवक की मौत के मामले में भाई ने अज्ञात टैंकर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। कानपुर के हेमंत विहार बर्रा 2 निवासी राहुल सिंह चंदेल ने बताया कि बीते 28 जून की रात करीब 1:00 बजे भाई आदर्श सिंह अपने साथी राहुल श्रीवास्तव, विशाल सैनी, शिवसागर गुप्ता के साथ ढाबे से खाना खाने के बाद वापस कस्बे की तरफ आ रहे थे। तभी एचयूएल गेट संख्या एक के समीप हाईवे में टैंकर नंबर यूपी 91 एटी 4299 से टकरा गए। इस घटना में भाई आदर्श सिंह चंदेल की मौके पर ही मौत हो गई।

जताया विरोध | राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पर रिपोर्ट दर्ज होने पर किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पर दर्ज मुकदमे को लेकर कांग्रेसियों में आक्रोश व्याप्त है। सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन कर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष पर दर्ज मुकदमे को वापस करने की मांग की है।

कुछ दिन पहले पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और अमेठी के पूर्व सांसद राहुल गांधी का विमान वाराणसी एयरपोर्ट पर उतरने की अनुमति नहीं दी गई थी। राहुल गांधी को उस दिन प्रयागराज के दौरे पर जाना था। इसी बात से नाराज होकर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए बयान बाजी की और एयरपोर्ट ऑथॉरिटी पर गंभीर आरोप लगाए। बयान बाजी के बाद प्रदेश अध्यक्ष पर एयरपोर्ट निदेशक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसको लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में रोष व्याप्त है। सोमवार को पार्टी कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी घनश्याम मीना को सौंपा। जिलाध्यक्ष गोविंद अहिरवार ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष पर प्रदेश सरकार के इशारे पर एयरपोर्ट निदेशक ने फर्जी मुकदमे दर्ज कराए। उन्होंने राज्यपाल से प्रदेश अध्यक्ष पर लगाए गए मुकदमे वापस लिए जाने व मामले की जांच कर दोषी पर कार्यवाही किए जाने की मांग की। इस मौके पर पूर्व विधायक जगदीश नारायण शर्मा, नगर अध्यक्ष विकास कुमार पांडे, राम सिंह राजपूत, अश्वनी पांडे, राम प्रकाश शुक्ला, नीलम निषाद, शैलेंद्र कुमार, अहमद हसन, जीशान कुमार, बालेंद्र कुमार, विवेक चंद, देवेंद्र मोहन चौबे, संजय वीर लोधी समेत तीन दर्जन से अधिक कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अधिकारी को ज्ञापन सौंपते कांग्रेस के पदाधिकारी। अमृत विचार

सार-संक्षेप

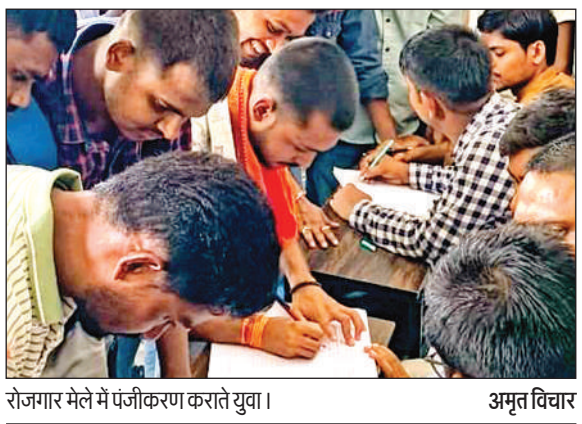
रोजगार मेले में पंजीकरण कराते युवा। अमृत विचार

रोजगार मेले में 193 युवाओं को मिला रोजगार

सुमेरपुर(हमीरपुर)। विश्व युवा कौशल दिवस पर एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन आईटीआई में किया गया। रोजगार मेले में 193 अभ्यर्थियों चयन किया गया है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के जिला समन्वयक रवि वर्मा ने बताया कि निदेशालय के निर्देशानुसार सोमवार को एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित किया गया। जिसमें अवनिका हेल्थकेयर, मिशन सूर्योदय, पुखराज हेल्थ केयर, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन, फ्रीडम एकेडमी, प्राश, कोल्विन, मदरसन सूमी प्रा .लि., फ्लिपकार्ट, मेडिकेट, अमेज़न आदि कंपनियों ने सेवा एवं मेन्यूफेक्चरिंग के क्षेत्र में कार्य करने के लिए युवाओं का चयन किया। जिला समन्वयक ने बताया कि रोजगार मेले में कुल पंजीकरण 441 के सापेक्ष 193 अभ्यर्थियों चयन किया गया है।

बैठक के दौरान अतिथि को सम्मानित करते समाज के लोग।

सामाजिक विकास संस्था की बैठक संपन्न

मौदहा (हमीरपुर)। भारतीय वाल्मीकि अंबेडकर सामाजिक विकास संस्था ने सोमवार को कस्बे के एक गेस्ट हाउस में संस्था की बैठक की गई। जिसमें सामाजिक प्रधान अरविंद कुमार को बनाया गया है। आयोजित बैठक में वाल्मीकि समाज को लेकर समाज में फैले अपवाद को लेकर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उमाशंकर मधुपिया ने कहा आज के परिवेश में वाल्मीकि समाज को जिस उपेक्षित नजरिए से देखा जाता हैं। उसके लिए हमारा समाज ही जिम्मेदार हैं, क्योंकि हमारे समाज में नेतृत्व की कमी है। इस मौके पर फैलाश मुंशी, नदीच वार्षिकी, दीपक खोटे, आकाश, सूरज, अर्जुन, संदीप, राज अंबेडकर, हरिराम वाघमारे, प्रदीप वाल्मीकि आदि उपस्थित रहे।

जन औषधि केंद्र का उद्घाटन करते सीएमओ।

जन औषधि केंद्र का सीएमओ ने किया शुभारंभ

मौदहा (हमीरपुर)। नगर के सरकारी अस्पताल में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का उद्घाटन किया। बताते चलें देश के प्रधानमंत्री ने आम जनमानस को कम पैसों में अच्छी दवा उपलब्ध कराने के मकसद से जगह-जगह जन औषधि केंद्र खोले गए है। जिससे आम जनमानस को सस्ती अच्छी दवाएं जगह-जगह उपलब्ध हो सके। कस्बे के सरकारी अस्पताल में आम आदमी की सुविधा के लिए जन औषधि केंद्र खोला गया। जिसका उद्घाटन मुख्य चिकित्साधिकारी गीतम सिंह ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर सीएचसी अधीक्षक रजत रंजन तिवारी, स्वास्थ्य कर्मचारी एवं समाजसेवी अनिल द्विवेदी, मनीष शुक्ला, उत्तम सिंह, आनन्द द्विवेदी, मोनू गुप्ता, पप्पू परिहार आदि उपस्थित रहे।

मो.इकराम को बधाई देते शुभचिंतक।

मो.इकराम बने दूरसंचार सलाहकार के सदस्य

मौदहा (हमीरपुर)। कस्बे के मोहम्मद इकराम को दूरसंचार सलाहकार समिति का सदस्य मनोनीत होने पर बधाई देने वालों का तांता लगना शुरू हो गया है। भारत सरकार के केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के निर्देश पर राज्यसभा सांसद गीता शाक्य ने प्रमाण पत्र जारी कर कस्बे के पूर्वी तरौस निवासी मोहम्मद इकराम पुत्र मोहम्मद फहीम को दूरसंचार सलाहकार समिति उत्तर प्रदेश का सदस्य मनोनीत किया है। मोहम्मद इकराम के दूरसंचार सलाहकार समिति का सदस्य बनने पर क्षेत्र के लोगों एवं दूरसंचार विभाग के अधिकारियों ने उनका फूल मालाओं से लादकर स्वागत किया है। वहीं उनके परिवार और शुभचिंतकों में ख़ुशी की लहर है और घर बधाई देने वालों का तांता लगा है। नवनियुक्त सदस्य मोहम्मद इकराम ने कहा कि वे इस जिम्मेदारी को जनहित में कर्तव्य निष्ठता के साथ निर्वहन करने का पूरा प्रयास करेंगे।

सड़क दुर्घटना में घायल फैक्ट्री कर्मी की हुई मौत

सुमेरपुर (हमीरपुर)। बीते सात जुलाई को गांव से ड्यूटी जाते समय बाइक में ट्रैक्टर की टक्कर लगने से घायल युवक की एक सप्ताह बाद कानपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की शादी डेढ़ पूर्व हुई थी। मृतक फैक्टरी में ड्यूटी करके परिवार का भरण पोषण करता था।क्षेत्र के दरियापुर ग्राम निवासी पुष्पेंद्र पाल (26) पुत्र विजयपाल बीते सात जुलाई को सुबह कस्बे की उद्योग नगरी में संचालित एक फैक्टरी में ड्यूटी करने बाइक से जा रहा था। हाईवे पर कुंडौरा गांव के समीप इसकी बाइक में तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। इसको सदर अस्पताल से हालत गंभीर होने पर कानपुर रेफर किया गया था। कानपुर में इलाज के दौरान रविवार को देर शाम उसने दम तोड़ दिया। सोमवार को दोपहर में शव के गांव आते ही कोहराम मच गया। मृतक दो भाई एक बहन में छोटा था। मां की पूर्व में मौत हो चुकी है। मृतक की बीते 22 मई को शादी हुई थी। सुहाग उजड़ जाने से पत्नी अंजू बेसुध हो गई है। पिता विजयपाल, भाई बालेंद्र पाल का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। दोपहर बाद उसका गांव में ही अंतिम संस्कार किया गया। इस मौके पर प्रधान आसाराम प्रजापति, कुंडौरा के पूर्व प्रधान अवधेश यादव एडवोकेट, पूर्व प्रधान मंगल पाल, कुंडौरा के प्रधान पति अरविंद प्रताप यादव आदि लोग मौजूद रहे।

शिव के रंग में सराबोर हुए श्रद्धालु, भोर से गूंजे जयकारे

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- शिव मन्दिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब
- श्रद्धालुओं ने अभिषेक कर प्रभु को अर्पित किए पुष्प, बेलपत्र

रामकथा मार्ग में स्थित शिव मंदिर में पूजा करते भक्त, भगवान शिव का जलाभिषेक करते भक्त। अमृत विचार

अमृत विचार। श्रावण मास के प्रथम सोमवार को शहर सहित जिलेभर के शिवालयों में भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ी। शिव मन्दिरों में पूजा-अर्चना करने के लिये श्रद्धालु नहाने के बाद साफ वस्त्र धारण कर हाथ में पूजा की थाली और जल लेकर शिवालयों में पहुंचे, जहां पर भक्तों ने महादेव का विधिवत जलाभिषेक कर पूजन किया। ऐतिहासिक शिवतांडव मंदिर, रामकुण्ड धाम के उमंगेश्वर मन्दिर सहित अन्य शिव मंदिरों में सुबह पांच बजे से पूजा अर्चना करने के लिए भक्तों का तांता लगना प्रारम्भ हुआ, जो दोपहर बाद तक लगा रहा। श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ को बेलपत्र, दूध, दही, गंगाजल, धतूरे के फूल, भांग, पुष्प अर्पण कर सुख समृद्धि और शान्ति की प्रार्थनाएं की। सावन का पहला सोमवार होने के कारण शहर में चारों तरफ श्रद्धालुओं का शिव मन्दिरों में आने जाने का सिलसिला जारी रहा। शिव भक्त बलखण्डेश्वर, कंठेश्वर, पठेश्वर, रामेश्वर, बड़ी चन्द्रिका देवी के पास स्थिति शिव मंदिर, द्वादश ज्योर्तिलिंग मन्दिर, शिव तांडव मंदिर सहित अन्य शिवालयों में पहुंचे और जलाभिषेक कर विधि विधान से पूजा अर्चना कर अपनी व परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। सावन के प्रथम सोमवार पर महोबा नगरी शिव के रंग में रंग गई, इस दौरान बोल बम के जयकारे गूंजते रहे। श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना करने से फल की शीघ्र प्राप्ति होती है। भगवान शंकर की पूजा अर्चना करना अन्य देवताओं से सरल है और भगवान भोलेनाथ अतिशीघ्र प्रसन्न होकर अपने भक्तों को मनोवांछित फल देते है। रामकुंड स्थित शिवालय के मुख्य पुजारी शिवकिशोर पांडेय ने बताया कि त्रेता युग में प्रभु श्रीराम चित्रकूट जाते समय मार्ग में महोबा के रामकुण्ड पर स्थापित शिवलिंग की पूजा अर्चना की थी। तभी से यह स्थान रामकुण्ड के नाम से विख्यात हुआ।

एक नजर

कम्पोजिट स्कूल में 115 बच्चों की जांची सेहत

महोबा। मुख्यचिकित्साधिकारी डॉ. आशाराम के निर्देशन में जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. अम्बुज गुप्ता के नेतृत्व में चिकित्साधीक्षक सीएचसी जैतपुर डॉ. पवन राजपूत की देखरेख में आरबीएस की टीम बी ने सोमवार को कम्पोजिट विद्यालय नगारा डॉ. में 115 बच्चों की सेहत जांची। टीम में आए डॉ. पीएन शर्मा ने बच्चों को बिटामिन-ए की कमी से होने वाली बीमारी रतौंधी के लक्षण और बचाव के उपाय बताये साथ ही खून की कमी एनीमिया के बारे में भी जानकारी दी। इस मौके पर स्वास्थ विभाग से डॉ. पीएन शर्मा, डॉ. अमित गंगेले, संगीता सहित शिक्षा विभाग से विनोद पाठक, प्रीती खरे, कृष्णकांत शर्मा, वन्दना साहू, मानिक लाल, गोमती देवी, संचेत गुप्ता, नेहा बाजपेई, रामनरेश, सुरेन्द्र शिवकुमार मौजूद रहे।

युवती ने खाया जहर, भर्ती

महोबा। जिले की सरहद से सटे झिन्ना गांव की एक महिला ने जहर खा लिया, हालत बिगड़नं पर परिजनों ने अनन फानन में उसे जिला अस्पताल महोबा में भर्ती कराया। जहां पर उसका इलाज चल रहा है। जहर खाने का कारण परिजन भी नही बता पा रहे है। सरहद से सटे पड़ोसी जनपद छतपुर के थाना लवकुश नगर क्षेत्र के झिन्ना गांव निवासी अंजू 20 पत्नी धर्मेंद्र ने सोमवार को दिन में एक बजे जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर युवती ने परिजनों को जहर खाने की बात बताई, जिससे परिजन जिला अस्पताल महोबा लाया गया। जिसका इमरजेंसी वार्ड में इलाज चल रहा है। हालत स्थिर बताई जा रही है।

स्वामी ब्रह्मानन्द पुरस्कार के लिए मांगे आवेदन

राठ (हमीरपुर)। हर साल की तरह इस साल भी स्वामी ब्रह्मानन्द महाराज की पुण्यतिथि पर स्वामी ब्रह्मानंद पुरस्कार समिति द्वारा पुरस्कार दिया जायेगा। पुरस्कार के लिए आवेदन पत्र मांगे गए हैं। यह आवेदन पत्र 15 जुलाई से 14 अगस्त 2025 तक स्वीकार किए जायेंगे। इसकी जानकारी देते हुए संस्था के सदस्य डा. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि यह पुरस्कार बुंदेलखंड में शैक्षिक क्रांति करने वाले भारत के अग्रणी स्वतंत्रता सेनानी, त्यागमूर्ति स्वामी ब्रह्मानंद जी के दो विशिष्ट अवेदानों शिक्षा एवं गौ सेवा से प्रेरित होकर प्रत्येक वर्ष भारतीय एवं गैर भारतीय, ऐसे नागरिकों को प्रदान किया जाता है। जो शिक्षा एवं गौ सेवा में विशेष कार्य कर रहे हैं। बताया कि इस वर्ष पुरस्कार के आवेदन करने की पात्रता आपके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे अतुलनीय कार्य हैं। बताया कि विजेता को पुरस्कार स्वरूप स्वामी ब्रह्मानन्द महाराज की कांस्य प्रतिमा, कांस्य पदक, सनद, अंगवस्त्र व सम्मान स्वरूप दस हजार रुपये की भारतीय मुद्रा प्रदान की जाती है। बता दें कि बीते साल यह पुरस्कार बिहार के शिक्षक खान सर को दिया गया था।

सर्पदंश से पीड़ित गर्भवती की मौत, परिजनों ने काटा हंगामा

जिला अस्पताल प्रशासन पर लगाया समय से इलाज न करने का आरोप

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अस्पताल परिसर में हंगामा करते परिजन। अमृत विचार

- मौके पर पहुंची पुलिस ने समझा-बुझाकर शांत करवाया मामला

अमृत विचार। जिला अस्पताल में सोमवार को सर्पदंश पीड़ित गर्भवती की मौत होने के बाद परिजनों ने समय से इलाज न करने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा काटा। इससे अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। डॉक्टरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतका के परिजनों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया।

कस्बा श्रीनगर निवासी भूरी (22) चार माह की गर्भवती थी। रविवार को घर पर बर्तन धोते समय सांप ने डस लिया। परिवार के लोग उसे आनन-फानन में रात को जिला अस्पताल लाए, जहां डॉक्टरों ने उसका उचपार किया। लेकिन हालत में सुधार न होने पर गर्भवती को मेडिकल कॉलेज झांसी के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल के कुछ किलो मीटर दूर चलने के बाद युवती की हरकत न देख परिजन जिला अस्पताल लौटा लाए, और डॉक्टरों पर समय से इलाज न करने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा काटा।

मृतक के परिजनों का आरोप है कि युवती की जिला अस्पताल में ही मौत हो जाने के बाद उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में परिजनों द्वारा हंगामा करने पर डॉक्टरों ने पुलिस बुला ली, पुलिस ने एक घंटे तक परिजनों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पास्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है परिजनों ने दोषी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई कराए जाने की मांग की है।

वैन पहुंची डाकघर, 3 दिनों तक बनवा सकेंगे पासपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- एडीएम ने फीता काटकर पासपोर्ट वैन में शुरू करवाया काम

अमृत विचार। शहर के मुख्य डाकघर में तीन दिवसीय मोबाइल पासपोर्ट सेवा की शुरुआत की गई। इससे जिले के लोगों को घर बैठे पासपोर्ट बनवाने की सुविधा मिलेगी। पासपोर्ट सेवा 14 जुलाई से 16 जुलाई तक चलेगी। पासपोर्ट वैन के जरिये यहां के लोगों को पासपोर्ट बनवाने के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। अपर जिलाधिकारी राम प्रकाश ने पासपोर्ट सेवा का शुभारंभ फीता काटकर किया।

पासपोर्ट सेवा क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ की इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण और दूर-दराज के नागरिकों को राहत देना है, इससे उन्हे पासपोर्ट बनवाने के लिए बड़े शहरों में न भटकना पड़े। आवेदक निर्धारित शुल्क के साथ आवश्यक दस्तावेज लेकर मोबाइल वैन में आवेदन कर सकते हैं। प्राक्रिया के तहत सभी जानकारी डिजीटल रूप से दर्ज की जाएगी। इसके बाद संबंधित थाने से ऑनलाइन पुलिस वेरीफिकेशन होगा। सत्यापन पूरा होने पर पासपोर्ट सीधे आवेदक के पते पर भेजा जाएगा। एडीएम ने बताया कि पहले जिले के लागों को पासपोर्ट के लिए चक्कर लगाने पड़ते थे।

सजी पासपोर्ट वैन को देखते एडीएम। अमृत विचार

कोचिंग का फीता काटकर उद्घाटन करते अतिथि। अमृत विचार

कांशीराम कॉलोनी में निःशुल्क कोचिंग शुरू

हमीरपुर। कांशीराम कॉलोनी में जिला योजना समिति सदस्य प्रतिनिधि समाजसेवी बउआ ठाकुर ने सभासद रजनी देवी के साथ निःशुल्क कोचिंग सेंटर का उद्घाटन किया।

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की ओर से संचालित सरस्वती संस्कार केंद्र के नए सत्र में बच्चों के घर-घर जाकर उनका तिलक कर उन्हें संस्कार केंद्र में आने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर कांशीराम कालोनी निवासी 30 छात्रों के साथ अभिभावक मौजूद रहे। निःशुल्क शिक्षा की इस पहल की सराहना की गई। समाजसेवी बउआ ठाकुर ने कहा कि बच्चे भारत के भविष्य हैं जो पढ़ेंगे वही बढ़ेंगे। बच्चे समय से केंद्र में आकर संचालक रमाकांत के सहयोग से संस्कार के साथ अपनी शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे।

बिजली उपभोक्ताओं की सुनीं समस्याएं

कार्यालय संवाददाता, महोबा

17 से 19 जुलाई तक लगेंगे मेगा कैंप

जिले में विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए लगाए जा रहे मेगा कैंप का आयोजन 17 जुलाई से 19 जुलाई तक विभिन्न उपखंडों में किया जाएगा। 17 जुलाई को पनवाड़ी, कुलपहाड़, कबरई उपखंड में मेगा कैंप लगाये जाएंगे। जबकि 18 जुलाई को जैतपुर, घुटई, खन्ना के उपखंड में कैंप आयोजित होंगे। इसी प्रकार 19 जुलाई को पंचायत भवन पनवाड़ी, अजनर और श्रीनगर में मेगा कैंप में उपभोक्ताओं की समस्याओं को दर्ज किया जाएगा। निर्धारित तिथि पर उक्त कैंप सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक लगाया जाएगा।

- अधीक्षण अभियंता विद्युत ने कैंप का निरीक्षण कर लिया जाएगा जायजा

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को समय पर सही बिल दिए जाने के लिए नई बिलिंग एजेंसी को भी शामिल किया गया है। साथ ही मीटर रीडिंग में ओसीआर एवं डाउनलोड किए जाने की व्यवस्था की, जिससे बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के अधिक से अधिक बिल रीडिंग स्वचालित हो सके व गलत बिल रीडिंग को कम किया जा सके।

पावर कॉरपोरशन लि. द्वारा जारी विज्ञप्ति में प्रबंध निदेशक पंकज कुमार बताया कि जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर गलत बिल उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराने की शिकायत प्राप्त होती रहती है, जिस पर यह निर्णय लिया गया कि पूरे प्रदेश में बिल रिवीजन के लिए मेगा कैंप का आयोजन वितरण खंड के स्तर पर किया जाएगा। बताया कि इस मेगा कैंप का प्रचार प्रसार सोशल मीडिया समाचार पत्र, जनसंपर्क, मुनादी सहित विभिन्न माध्यमों से किया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक उपभोक्ता मेगा कैंप का लाभ प्राप्त कर सकें। बताया कि जुलाई 2025 में वितरण खंड में मेगा कैंप का आयोजन किया जा रहा है और इसके लिए अधीक्षण अभियंता को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

बताया कि कैंप में प्रत्येक शिकायत का पंजीकरण 1912 हेल्पडेस्क पर सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे शिकायतकर्ता का सही विवरण अंकित हो सके। इस कैंप में पर्याप्त लैपटाप, कम्प्यूटर्स की व्यवस्था की जाएगी, जिससे प्रत्येक उपभोक्ता की शिकायत दर्ज करने में किसी प्रकार की परेशानी न उठानी पड़े।

शिकयतों के सापेक्ष रिवीजन के लिए कार्रवाई प्रत्येक अवस्था में एक सप्ताह के अंदर पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाएगा। इस कैंप में सभी विभागीय अधिकारी मौजूद रहेंगे, जिससे उपभोक्ताओं को असुविधा न हो सके और अधिकारी अपने-अपने कार्य क्षेत्र में आयोजित कैंपों का भ्रमण कर जायजा लेंगे। कैंप में संयोजन, भार वृद्धि, खराब मीटर, बिल संशोधन, कनेक्शन परिवर्तन, बिल जमा करने आदि संबन्धित शिकायत भी प्राप्त की जाएगी।

बताया दर्द

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर पुल निर्माण की लगाई गुहार

हाईवे निर्माण से बंद हुआ जल निकासी मार्ग, जलभराव का खतरा

कार्यालय संवाददाता, महोबा

कलेक्ट्रेट के बाहर डीएम के इंतजार में खड़े ग्रामीण। अमृत विचार

अमृत विचार। ग्राम पंचायत बिलबई अंतर्गत तमाम छोटे-छोटे गांव और मजरे स्थित हैं, जहां पर दिसरापुर तालाब के पानी की निकासी को हाईवे रोड निर्माण के दौरान बंद कर दिया गया, इससे निकटवर्ती गांवों के मकानों में पानी भरने की समस्या उत्पन्न होने का खतरा बढ़ गया है। सोमवार को क्षेत्र के एक सैकड़ा ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर तालाब के पानी की निकासी के लिए निर्माणाधीन हाईवे पर 200 मीटर पुल का निर्माण कराए जाने की मांग की है। जिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि ग्राम पंचायत बिलबई अंतर्गत कुशवाहा, ढीमरों और लुहारों के छोटे छोटे मजरे स्थित हैं, जहां की आबादी 8 से 10 हजार है। बताया कि अधिक बरसात होने पर शहर महोबा में स्थित मदन सागर, कल्याण सागर, कीरत सागर और बीजानगर तालाब के अलावा किड़ारी तालाब का ओवरफ्लो पानी के अलावा रेलवे स्टेशन क्षेत्र के बारिश का पानी नहर द्वारा दिसरापुर तालाब में छोड़ दिया गया है, जिससे तालाब में ओवरफ्लो पानी की ओना मार्ग से निकासी की जाती थी। लेकिन वर्तमान में हाईवे के निर्माण के दौरान ओना मार्ग को बंद कर दिया गया, इससे अब पानी गांव में भरने की आशंका पैदा हो गई है। ग्रामीणों को अधिक पानी तालाब में आने से उनके घरों में घुसने का डर सता रहा है।ग्रामीणों ने बताया कि दिसरापुर तालाब का पानी ओवरफ्लो होने पर मकानों में पानी भरेगा साथ ही वहां स्थित प्राइमरी स्कूल भी इसकी चपेट में आएगा। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से अनुरोध करते हुए तालाब के पानी की निकासी के लिए 200 मीटर चौड़ा पुल निर्माण कराए जाने की मांग उठाई है। ज्ञापन देने वालों में देवीदीन, रामकिशन, परमलाल, कल्लू, मंगल सिंह, चेतराम, भरत, दीपक, जागेश्वर, संदीप, रामकुमारी, राममूर्ति, शिवकली, रामा, सुकाया, हरिश्चंद्र विश्वकर्मा सहित एक सैकड़ा ग्रामीण मौजूद रहे।

हापुड़ में लेखपाल की मौत से नाराज लेखपाल संघ ने किया धरना-प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- लेखपालों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के उप शाखा चरखारी के लेखपालों ने तहसील परिसर चरखारी में धरना प्रदर्शन कर विरोध जताया। प्रदेश के जनपद हापुड़ में जिलाधिकारी द्वारा अधीनस्थ लेखपाल के प्रति अपमानजनक एवं दंडात्मक व्यवहार एवं बिना जांच कराए ही झूठी शिकायत पर उत्पीडनात्मक करवाई किए जाने से आहत होकर लेखपाल ने आत्महत्या कर ली। जिसके विरोध में जिले के लेखपालों ने तीनों तहसीलों में हापुड़ के जिलाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई किए जाने को लेकर धरना दिया।

तहसील अध्यक्ष उमेश सोनकर एवं सचिव आलोक सोनी के नेतृत्व में लेखपालों ने तहसील में धरना प्रदर्शन कर विरोध जताया। धरने को संबोधित करते हुए तहसील अध्यक्ष ने कहा कि हापुड़ के जिलाधिकारी की कार्रवाई से लेखपाल को भारी आघात पहुंचा है। जिससे आहत होकर उसने आत्महत्या कर ली। उन्होने कहा कि अधिकारी की उत्पीड़नात्मक कार्रवाई को लेखपाल बार्दाशत नही कर सका और उसने जीवनलीला समाप्त कर ली। धरने को तमाम लेखपालों ने संबोधित किया।

कहा अधिकारियों की संवेदनहीनता के कारण ऐसी घटनाएं घटित हो रहे हैं। हापुड़ के मृतक लेखपाल के आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान कर मृतक आश्रित को नौकरी दिलाने, व दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर लेखपाल संघ के उपाध्यक्ष रामकुमार, दिनेश निरंजन, सतीश तिवारी, मयंक आजाद, प्रदीप कुमार, लक्ष्मण सिंह यादव, भूपेन्द्र कुमार, सुभाष यादव, शैलेन्द्र सोनी, नेहा अनुरागी शेख सईम, प्रियंका, मोहिनी, दीपांशी आदि मौजूद थे।

सार-संक्षेप

निरीक्षण के दौरान डॉक्टर से बातचीत करते एसडीएम। अमृत विचार

हड्डी रोग विशेषज्ञ के अनुपस्थित रहने की रिपोर्ट शासन को भेजी

महोबा। जिला अस्पताल में मरीजों के साथ की जा रही लापरवाही की शिकायतें मिलने पर उपजिलाधिकारी सदर शिवज्ञान पांडे और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉण् आसाराम ने सोमवार को जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण दौरान नेत्र विशेषज्ञ और हड्डी रोग विशेषज्ञ अनुपस्थित पाए गए। हड्डी रोग विशेषज्ञ के लंबे समय से अस्पताल न आने की मरीजों ने शिकायतें की। जिस पर एसडीएम ने डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के सीएमओ को निर्देश दिए। एसडीएम ने पर्चा काउंटर पर लगी लंबी लाइन को देखते हुए कर्मचारियों को तेजी से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने डॉक्टरों को समय पर उपस्थित रहने और मरीजों का उचित इलाज करने की चेतावनी दी। एसडीएम ने कहा कि समय से अपनी सीट पर न बैठने वाले डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई के लिए लिखा पढ़ी की जाएगी। जिला अस्पताल के सीएमएस ने बताया कि हड्डी रोग विशेषज्ञ की अनुपस्थिति की रिपोर्ट शासन को भेजी गई है।

आयकर कटौतियों के बारे में किया जागरूक

महोबा। अपर जिलाधिकारी वित्त, राजस्व राम प्रकाश की अध्यक्षता में आयकर विभाग कानपुर के उच्चाधिकारियों और जिले के सभी विभागों के आहरण वितरण अधिकारियों के साथ कार्यशाला का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। जिसमें आयकर विभाग के अधिकारियों द्वारा एक आहरण वितरण अधिकारी के रूप में किये जाने वाले राजकीय भुगतानों पर आयकर की कटौतियों के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला में एडीएम ने ऐसे विभाग जिन पर किसी न किसी कारण से आयकर विभाग द्वारा नोटिस जारी कर वसूली किये जाने के निर्देश प्रदान किये जाते है, उन विभागों के अधिकारियों को अवगत कराया कि यदि आयकर की कटौती करने के उपरान्त रिर्टन दाखिल किये जाने की प्रक्रिया को सावधानी पूर्वक सम्पादित किया जाये तो इस प्रकार के नोटिस,पेनाल्टी से बचा जा सकता है। कार्यशाला के मौके पर वरिष्ठ कोषाधिकारी देव कुमार यादव, प्रभारी सहायक कोषाधिकारी अजय तिवारी के साथ ज्वाइट कमिश्नर आयकर कानपुर शुभि मिश्रा ;आईआरएसद्ध, राजीव ;आरआरएसद्ध अमित कुमार वर्मा आयकर अधिकारी, डीके सोनकर आयकर अधिकारी तथा श्रीकान्त श्रीवास्तव अधिवक्ता आयकर के साथ जनपद के आहरण वितरण अधिकारी उपस्थित रहे।

रैली निकालकर बच्चों और अभिभावकों को किया जागरूक

महोबा। विकास खंड जैतपुर के अजनर गांव मे उच्च प्राथमिक बिद्यालय, कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय और प्राथमिक विद्यालय अजनर के बच्चो ने स्कूल चलो अभियान के तहत गांव में रैली निकालकर अभिभावकों को अपने अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया। रैली दौरान स्कूली बच्चे हाथो मे तख्ती लिए चल रहे थे। स्कूल चलो अभियान की रैली के दौरान बच्चे तख्ती में लिखे नारे घर घर में समझाना है स्कूल चलो स्कूल चलो, शिक्षा का दीप जले, हर बच्चा स्कूल चले, एक भी बच्चा छूटा समझो संकल्प हमारा टूटा, मम्मी पापा हमे पढाओ स्कूल मे चलकर नाम लिखाओ, सभी समस्याओ का हल शिक्षा देगा बेहतर कल, शिक्षा है सबका अधिकार कोई बच्चा न छूटे इस बार आदि नारे लगाते हुए चल रहे थे। इस मौके पर नेहा अग्रवाल, धर्मेश कुशवाहा, निर्मला देवी, पंकज तिवारी, नीती खरे, सपना सिह, हरिश्चन्द्र अनुरागी सहित तमाम शिक्षक और बच्चे मौजूद रहे।

पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे सदर विधायक

पौथिया (हमीरपुर)। सदर कोतवाली क्षेत्र के कलौलीतीर गांव में श्यामू उर्फ सुरेन्द्र 23 पुत्र कमलेश सविता का शव रविवार को सुबह राठ स्टेट हाईवे में नैती मोड़ के पास झाड़ियों में पड़ा मिला था। सूचना पर पहुंची ललपुरा पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। सीओ सदर राजेश कमल ने मौके पर पहुंचकर समझा बुझाकर परिजनों व ग्रामीणों को शांत कराया और जाम खुलवाया। सोमवार को सदर विधायक डॉ.मनोज प्रजापति पीड़ित परिवार से मिलने गांव पहुंचे। विधायक ने परिवार को सांत्वना देते हुए हर संभव मदद दिलाने का भरोसा दिलाया और अंतिम संस्कार में शामिल हुए। विधायक ने भरोसा दिलाया कि आपके साथ न्याय होगा। कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच कराकर आरोपियों को सजा दिलाई जाएगी। उन्होंने बताया पुलिस से बात हुई है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए है। जिसमें श्यामू के साथ दो युवक दिखाई दे रहे हैं। जो पुलिस हिरासत में हैं और उनसे पूछताछ की जा रही। हर पहलू पर जांच चल रही है। दोषी पाये जाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। उधर ललपुरा थाना प्रभारी राकेश कुमार सरोज ने बताया कि दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ चल रही है, आरोपियों को बक्शा नहीं जाएगा।

विद्युत उपखंड अधिकारी ने पीपल का हरा पेड़ कटवाया

मौदहा (हमीरपुर)। प्रदेश सरकार एक ओर जहां बरसात के मौसम में पौध लगाने के लिए हर सम्भव प्रयासरत हैं और अभियान चलाकर लोगों को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित कर रही है। वहीं उनके जिम्मेदार कर्मचारी पेड़ लगाने के बजाय काटने में जुटे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरा देश में एक पेड़ मां के नाम दो की थीम पर अभियान चलाया जा रहा है। वहीं कुछ सरकारी कर्मचारी हरे पेड़ों को काटने में लगे हुए है। कस्बे के विद्युत उप खंड कार्यालय परिसर में लगा पीपल का पेड़ को सोमवार को विद्युत उप खण्ड अधिकारी ने वन विभाग की बिना परमिशन के कटवा दिया हैं। जबकि वहां पर न तो कोई विद्युत लाइन थी न ही किसी को उस पेड़ से परेशानी थी। फिर भी परिसर में लगे पीपल के पेड़ को कटवा दिया गया हैं। इस संबंध में विद्युत उप खण्ड अधिकारी आरके वर्मा ने बताया कि यह पेड़ बड़ा हो जाता तो उससे कार्यलय परिसर की बाउंड्री गिर जाती और गेट भी नहीं खुलता इस कारण कटवा दिया गया हैं। वहीं वन क्षेत्राधिकारी सुरेश त्रिपाठी ने बताया कि पीपल का पेड़ काटने का मामला मेरे संज्ञान में नहीं हैं और न ही बिजली विभाग द्वारा पेड़ काटने की अनुमति ली गई हैं।

ट्रांसफार्मर फुंकने से टिकरिया गांव में तीन दिनों से अंधेरा

राठ (हमीरपुर)। बीते दो दिन पहले गिरी बिजली से टिकरिया गांव में लगी चार विद्युत डीपी ट्रांसफार्मर खराब हो गये थे। पावर कारपोरेशन द्वारा अब तक डीपी ठीक न कराए जाने से आधे गांव में अंधेरा छाया हुआ है। विभाग की उदासीनता से ग्रामीणों में विद्युत विभाग के प्रति खासा आक्रोश पनप रहा है। ग्रामीणों ने पावर कारपोरेशन के अधिकारियों से गांव की बिजली व्यवस्था दुरुस्त कराए जाने की मांग की है। गौरतलब है कि क्षेत्र के टिकरिया गांव में विद्युत विभाग द्वारा आधा दर्जन विद्युत डीपी लगी हुईं हैं। जिससे पूरे गांव को बिजली आपूर्ति होती है। शुक्रवार की शाम आकाशीय बिजली गिरने से गांव की चार डीपियां खराब हो गई थी। डीपीओ के खराब होने से पूरे गांव में अंधेरा छा गया। ग्राम प्रधान ने बताया कि पावर कारपोरेशन के अधिकारियों की उदासीनता से गांव में अंधेरा छाया हुआ है।

पहाड़ी इलाकों में बारिश से यमुना का जलस्तर बढ़ा

संवाददाता, मऊ चित्रकूट

अमृत विचार। पहाड़ी क्षेत्रों में तेज बारिश के चलते सोमवार को यमुना नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा। इससे मऊ और आसपास के इलाकों में छोटी नदियों में बाढ़ आ गई और कई गांवों का संपर्क मुख्य मार्ग से कट गया। इससे सप्ताह में दूसरी बार लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ा।

बताया जाता है कि ऊपरी इलाकों में तेज बारिश से केन-बेतवा का पानी आने से उफान पर चल रही यमुना के तटवर्ती इलाकों में बाढ़ का पानी खेतों में घुसने लगा है। समाजसेवी पप्पू बरहा ने बताया कि लगभग दर्जन भर गांव-मजरे प्रभावित हैं। मऊ कस्बे से जुड़े दर्जन भर गांवों का संपर्क कट चुका है। नदी, नालों में यमुना नदी के बाढ़ का पानी धीरे धीरे बढ़ रहा है, जिसने लोगों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं।

जान जोखिम में डालकर नदी पार करते हुए लोग। अमृत विचार

जम्होरा नाला में पलटे ट्रैक्टर को निकालने की कोशिश में जेसीबी।

जम्होरा नाले में आया यमुना का पानी

- चित्रकूट जनपद के परदवा पाली को प्रयागराज के प्रतापपुर से जोड़ने वाले बुंदेला नाले में भी धीरे धीरे यमुना का पानी चढ़ रहा है। स्थानीय लोग बताते हैं कि अगर ऐसे ही यमुना बढ़ी तो तिरहार इलाके का प्रयागराज जनपद से संपर्क कट जाएगा। मऊ परदवां संपर्क मार्ग के नीचे से बहने वाला जम्होरा नाला बाढ़ के कारण उफान पर है। इससे परदवां, घुरेहटा, मेड़े लाला का पुरवा, बेनीपुर, पाली, कनभैय आदि आधा दर्जन गांव-मजरे प्रभावित हो रहे हैं। समाचार लिखे जाने तक यहां आवागमन पूरी तरह से ठप था। लगभग बीस हजार की आबादी बाढ़ के कारण प्रभावित है। प्रशासन ने नाव की व्यवस्था कराई है। सावन के पवित्र माह में जो लोग प्रयागराज की ओर से परदवां होकर प्रसिद्ध पौराणिक स्थल ऋषियन पहुंचना चाहते हैं, फिलहाल उन्हें जम्होरा नाला में यमुना का पानी आ जाने से भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रशासन की हालात पर नजर-एसडीएम

इस संबंध में मऊ एसडीएम सौरभ यादव ने बताया कि बाढ़ के हालातों पर नजर बनाए हुए हैं। बाढ़ से निपटने के लिए प्रशासन की पूरी तैयारी है। जहां पूर्व में नाव चलती रहीं हैं, वहां परिचालन करवाया जाएगा। लोगों की सहूलियत का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। लेखपालों सहित अन्य तहसील कर्मचारियों को निर्देशित किया जा चुका है।

एसडीएम सौरभ यादव।

जम्होरा नाला में पलटा ट्रैक्टर

- दीपक ने बताया कि मऊ परदवां संपर्क मार्ग पर बहुचर्चित जम्होरा नाला में यमुना का पानी चढ़ा हुआ था। फिर भी जम्होरा नाला में बने अस्थायी रपटे पर एक ट्रैक्टर निकलने की जुगत में लगा था कि तभी मिट्टी धंस जाने से ट्रैक्टर नदी में पलट गया। गनीमत रही कि कोई घायल नहीं हुआ।

तिरहार के नदी नालों में चढ़ने लगा यमुना का पानी

- मऊ को बरवार और मवई से जोड़ने वाले कौशिकी नाला में यमुना का पानी चढ़ने लगा है जिससे लोग चिंतित होने लगे हैं। वहीं मऊ परदवां संपर्क मार्ग पर घुरेहटा नदी, तिम्होड़ी नदी, मरीमाता मंदिर के पास बहने वाली नदी और ऋषियन नाले में यमुना का पानी भरा है। स्थानीय निवासी दीपक बताते हैं कि बाढ़ की गति यदि इसी तरह से रही तो रात भर में तिरहार क्षेत्र का मऊ से संपर्क कट जाएगा।

सार-संक्षेप

विद्यार्थी को छात्रवृत्ति देतीं उषा जैन। अमृत विचार

74 मेधावियों को मिली छात्रवृत्ति की सहायता

सीतापुर (चित्रकूट)। सद्गुरु पब्लिक स्कूल एवं विद्याधाम विद्यालय में सोमवार को वार्षिक छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजन किया गया। ट्रस्टी एनबी लोहनी, डॉ. बीके जैन ने मेधावियों को छात्रवृत्ति दी। कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत समिति की अध्यक्ष उषा जैन ने अपने स्वागतीय उद्बोधन में किया। कार्यक्रम की शुरुआत गुरुपूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुई। इस मौके पर उषा जैन ने बताया कि विद्याधाम विद्यालय के 41 और सद्गुरु पब्लिक स्कूल के 33 छात्रों का चयन छात्रवृत्ति के लिए किया गया है। कार्यक्रम का समापन गुरुदेव के जयघोष और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामनाओं के साथ हुआ। अनुभा अग्रवाल, आरबी सिंह चौहान, शंकरदयाल पांडेय, राकेश तिवारी, सुरेंद्र तिवारी, पीसी यादव, विनोद पांडेय, अंजनी भटनागर के साथ शिक्षक, शिक्षिकाएं, विद्यार्थी और अभिभावक मौजूद रहे ।

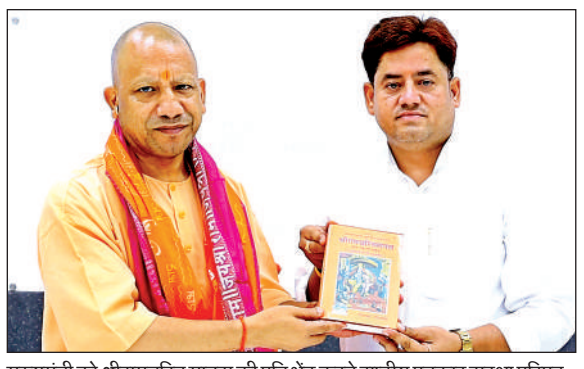

मुख्यमंत्री को श्रीरामचरित मानस की प्रति भेंट करते राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के जिलाध्यक्ष अनिल कुमार त्रिपाठी। अमृत विचार

तुलसी जन्म जयंती महोत्सव पर आ सकते हैं सीएम योगी

चित्रकूट। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के जिलाध्यक्ष अनिल कुमार त्रिपाठी (देवरवा) ने बीते दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री से तुलसीतीर्थ राजापुर में तुलसी जन्म जयंती महोत्सव में आने का अनुरोध किया। अनिल ने बताया कि मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर श्री तुलसी बाबा की कृपा रही तो वह इस कार्यक्रम में सहभागी बनने का प्रयास करेंगे लेकिन मौसम का साफ होना भी अनिवार्य है। इस दौरान जिलाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से महेवा पुल से तुलसी मंदिर तक रिटर्निंग वाल सड़क व पार्किंग बनवाने का अनुरोध किया। तुलसी चौक के सुंदरीकरण व चौड़ीकरण, मुख्य मार्गों का चौड़ीकरण व निर्माण, शासकीय परिवहन बस अड्डा, बालिका इंटर कालेज, श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर के पीछे श्री संकटमोचन हनुमान घाट का नवनिर्माण आदि के लिए भी निवेदन किया।

युवक ने फांसी लगाकर जान दी

चित्रकूट। कोतवाली कर्वी अंतर्गत कपसेठी गांव में एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। जानकारी के मुताबिक, कपसेठी निवासी भीम सिंह उर्फ भक्खन ने रविवार देर शाम बंद खुद को कमरे में बंद कर लिया और रस्सी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चल सका।

ई-केवाईसी कराएं राशनकार्ड धारक

चित्रकूट। जिला पूर्ति अधिकारी कमल नयन सिंह ने बताया कि बड़ी संख्या में पात्र गृहस्थी एवं अन्त्योदय राशनकार्ड धारकों ने अपने राशनकार्ड से संबंधित सभी सदस्यों की ई-केवाईसी अभी तक उचित दर विक्रेता से समन्वय स्थापित कर नहीं कराई गई है। शतप्रतिशत ई-केवाईसी कराए जाने के लिए शासन स्तर से लगातार निर्देश दिए जा रहे हैं। जिला पूर्ति अधिकारी ने राशनकार्ड धारकों से तत्काल ई-केवाईसी कराने का अनुरोध किया है। बताया कि अन्यथा उनकी यूनिट तत्काल प्रभाव से डिलीट होने की स्थिति में खाद्यान्न प्राप्त नहीं होगा।

कावड़ यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

सीतापुर (चित्रकूट)। अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह ने सोमवार को क्षेत्राधिकारी यातायात फहद अली के साथ सावन के प्रथम सोमवार और कावड़ यात्रा के मद्देनजर तीर्थक्षेत्र में सुरभा व्यवस्था का जायजा लिया। एएसपी ने रामघाट, निर्मोही अखाड़ा में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी जानी और इनको सतर्कतापूर्वक एवं श्रद्धालुओं से विनम्रतापूर्वक व्यवहार करने को कहा। अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं को गहरे पानी में स्नान न करने दें। समय समय पर बताते रहे कि सभी श्रद्धालु सावधानी पूर्वक स्नान कर दर्शन करें।

ग्रामीणों के साथ नाराजगी जताते सदर विधायक अनिल प्रधान। अमृत विचार

खोही फीडर के गांवों में रात में नहीं मिल रही बिजली

चित्रकूट। जिले में लड़खड़ाती विद्युत व्यवस्था को लेकर सोमवार को सपा विधायक अनिल प्रधान ने नाराजगी जताई। विधायक का कहना था कि खोही फीडर के गांवों में रात में छह माह से आपूर्ति ठप है। अधीक्षण अभियंता आरके यादव को आपूर्ति दुरुस्त कराने और दोषियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। विधायक ने बताया कि खोही फीडर अंतर्गत लोहार, निबुहापुरवा, बिहारा, बरगदहा आदि दर्जनों गांव-मजरों में लगभग छह माह से रात में बिजली नहीं दी जाती। अधिकारियों को इस संबंध में बताया गया पर कुछ नहीं हुआ। बरसात में जहरीले कीड़ों का डर बना रहता है। बच्चों की पढ़ाई लिखाई भी बाधित है। इसके अलावा किसानों को भी बिजली न मिलने की वजह से दिक्कत हो रही है। लोग रात भर जागने को मजबूर हैं। विधायक ने अधीक्षण अभियंता से सरकार के निर्देशानुसार बिजली आपूर्ति देने को कहा। निर्देश दिए कि दोषियों पर कार्रवाई की जाए और उनको अवगत कराया जाए।

भक्तों ने भगवान मत्यगजेंद्रनाथ का जलाभिषेक किया, रहा उमस भरा मौसम

बाबा शिव का आशीर्वाद लेने को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सावन का पहला सोमवार

संवाददाता, सीतापुर चित्रकूट

अमृत विचार। सावन के पहले सोमवार पर जिला मुख्यालय और अन्य जगहों पर शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। तीर्थक्षेत्र में भगवान मत्यगजेंद्र महाराज के जलाभिषेक कर बाबा शिव का आशीर्वाद लेने को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। दो दिन पहले हुई भारी बारिश के बाद सोमवार को उमस रही। इसके बाद भी श्रद्धालुओं ने भारी संख्या में मंदाकिनी नदी स्नान कर जलाभिषेक किया और कामदगिरि पर्वत की परिक्रमा लगाई।

सावन माह की शुरुआत पर तीर्थक्षेत्र में शिवालयों में सुबह से ही शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए श्रद्धालु लंबी-लंबी कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। रामघाट स्थित महाराजाधिराज मत्यगजेंद्रनाथ मंदिर में सुबह चार बजे से ही भक्त रामघाट में मंदाकिनी नदी में स्नान करने के बाद भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए कतारों में लग गए थे। श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, धतूरा, दूध, जल आदि अर्पित कर भोलेनाथ की पूजा की। मंदिर के पुजारी विपिन तिवारी ने बताया कि मान्यता है कि मत्यगजेंद्रनाथ शिवलिंग की स्थापना स्वयं ब्रह्मा जी ने की थी। यह शिवलिंग अत्यंत प्राचीन और सिद्ध है। ऐसी मान्यता है कि जब प्रभु श्रीराम वनवास पर निकले थे, तब उन्होंने चित्रकूट प्रवास के दौरान यहीं मत्यगजेंद्र नाथ भगवान शिव से आज्ञा प्राप्त कर यहीं निवास किया था। चित्रकूट से जाते वक्त उन्होंने अपने हाथों से भगवान शिव की प्रतिमा स्थापित की थी।

कामदगिरि परिक्रमा लगाने के लिए पहुंचे श्रद्धालु। अमृत विचार

पत्नी तनुसा टीआर के साथ पूजा करते जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन।

डीएम ने सपत्नीक की भगवान की पूजा -अर्चना

- जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने धर्मपत्नी तनुसा टीआर के साथ महाराजाधिराज मत्यगजेंद्र नाथ की पूजा अर्चना की और जनपदवासियों के स्वास्थ्य लाभ, सुख समृद्धि की कामना की। बाद में डीएम ने रामघाट का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिशासी अधिकारी लालजी को रामघाट और अन्य जगहों पर इकट्ठा मलबे को पालिका व जिला पंचायत से सफाईकर्मी लगाकर जल्द से जल्द सफाई कराने को कहा। निर्देश दिए कि सफाई के तत्पश्चात ब्लीचिंग पाउडर का भी छिड़काव कराएं। उन्होंने अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देशित किया कि जो गिरे और टेढ़े हुए पोलों को ठीक कराकर जल्द से जल्द विद्युत आपूर्ति सुचारु कराएं। इस दौरान उप जिलाधिकारी पूजा साहू, पुलिस क्षेत्राधिकारी मऊ यामीन अंसारी, लाइन अरविंद कुमार वर्मा, कोतवाली प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

भगवान मत्यगजेंद्रनाथ का जलाभिषेक करते आस्थावान।

पेड़ पर दुपट्टे से लटके मिले महिला के शव की शिनाख्त

चित्रकूट। बहिलपुरवा थाना अंतर्गत सरैया चौकी के लगभग तीन सौ मीटर दूरी पर मिले महिला के शव की शिनाख्त हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। महिला का पति गायब है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि बीते दिन पुलिस को सूचना मिली थी कि पिपरौही का पुरवा मजरा सेमरदहा में एक महिला का शव पेड़ से दुपट्टे से लटका हुआ था। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव की शिनाख्त की कोशिश की। सोमवार को उसकी शिनाख्त ममता पत्नी कृष्ण कुमार के रूप में हुई। बताया कि शिनाख्त पिपरौही का पुरवा निवासी ममता के ससुर ने की। यह भी पता चला है कि महिला ने प्रेम विवाह किया था और पति-पत्नी के बीच विवाद होता था। कृष्ण कुमार पत्नी को लेकर बाहर रहता था और कभी कभार गांव आता था। एसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों के परिवारीजन उनको अपने साथ नहीं रखना चाहते थे। कृष्ण कुमार गायब है और उसका पता लगाया जा रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार्यदायी संस्था पर दर्ज कराएं रिपोर्ट, बख्शे नहीं जाएंगे दोषी

संवाददाता, मानिकपुर चित्रकूट

- बरदहा नदी पर बने पुल का डीएम ने किया मुआयना

अमृत विचार। बरदहा नदी पर बने पुल के किनारे की मिट्टी (अप्रोच रोड) बहने के मामले को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने सोमवार को मौके पर जाकर पुल की स्थिति को देखा और नाराजगी जताई। उन्होंने कार्यदायी संस्था के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए।

मानिकपुर से वाया धारकुंडी से रीवा (मप्र) को जोड़ने वाले बरदहा नदी पर बने पुल के किनारे की मिट्टी (अप्रोच रोड) बीते दिनों भारी बारिश के दौरान बह गई। इसको लेकर कार्यदायी संस्था और ठेकेदार पर गंभीर सवाल उठे। जिलाधिकारी ने सोमवार को इसका निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि पुल के दोनों ओर तटबंध का काम कर दिया गया था पर सुरक्षात्मक कार्य कराया जाना था। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम, सेतु निर्माण इकाई बांदा पर सख्त नाराजगी जताई। निर्देश दिए कि इस घोर लापरवाही के विरुद्ध प्राथमिक दर्ज कराएं। जिलाधिकारी ने बताया कि इस पूरे मामले की समिति बनाकर जांच की जाएगी एवं रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सीएम से मुलाकात पर खुश हैं मानदेय संस्कृत के शिक्षक

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। मानदेय संस्कृत शिक्षकों की विभिन्न मांगों के समाधान के लिए रविवार को एक प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। शिक्षकों ने उनको अपनी समस्याएं बताते हुए अपनी बात कही।

वरिष्ठ मानदेय संस्कृत शिक्षक एवं संस्कृत शिक्षक उत्थान समिति के प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री से प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। इसका नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष राजीव कुमार मिश्र ने किया। उनके साथ संरक्षक दिवाकर मणि मिश्र, महामंत्री रवींद्र मिश्र, जिला मंत्री सुषमा राय एवं उपाध्यक्ष राशि दीक्षित भी रहीं। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को मानदेय संस्कृत शिक्षकों की वर्तमान स्थिति से अवगत कराते हुए नियमितीकरण, सेवा सुरक्षा, महिला शिक्षिकाओं के प्रसूति अवकाश एवं विलंबित मानदेय भुगतान जैसे मुद्दों को प्रमुखता से रखा। बताया कि मुख्यमंत्री ने समिति की बातों को ध्यानपूर्वक सुना एवं संबंधित विभागों को यथोचित कार्रवाई के लिए निर्देश देने का आश्वासन दिया।

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि उन्होंने प्रदेश के समस्त मानदेय संस्कृत शिक्षकों की ओर से मुख्यमंत्री का मानदेय वृद्धि के लिए आभार व्यक्त किया। बताया कि मुख्यमंत्री शिक्षकों की निष्ठापूर्वक कार्यशैली से संतुष्ट हैं। समस्याओं को जल्द दूर करने के लिए आश्वासन भी दिया। समिति द्वारा मुख्यमंत्री के समक्ष मानदेय हितों की बात रखने के लिए शिक्षक रोहित कुमार पयासी, अरविंद कुमार मिश्रा, इंद्रदेव पांडेय, रामदत्त पांडेय, दिवाकर प्रसाद शुक्ल, विवेकानंद त्रिपाठी, संतोष कुमार मिश्रा, रुचि पांडेय, प्रभावती मिश्रा, सर्वेश कुमार गुप्ता, विष्णु प्रकाश गर्ग, महेंद्र नाथ मिश्र, सुनील कुमार पांडेय, गरुण प्रकाश, योगेश कुमार, जगतनारायण, अखिलेश, विमल, शांतिसागर, रमादेवी, उपासना देवी, अनुराग, कमल, शैलेश आदि ने प्रदेश अध्यक्ष का आभार जताया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर अपनी समस्याएं बताता मानदेय संस्कृत शिक्षकों का प्रतिनिधि मंडल। अमृत विचार

- प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात कर बताईं समस्याएं

उठाई मांग | बुंदेली सेना ने कहा नाला साफ न हुआ तो पंप हाउस के पानी से फैलेंगी बीमारियां

डीएम से की नाले की सफाई करवाने की मांग

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। कर्वी माफ़ी में बने जल संस्थान के पंप हाउस की लंबे अरसे से सफाई नहीं हुई। इसकी गंदगी से जल प्रदूषण का खतरा है। अगर इसकी अब ठीक से सफाई नहीं की गई तो संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका है। बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने इस संबंध में प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराने की कोशिश की है। उन्होंने डीएम से इसकी सफाई करवाने की मांग की है।

अजीत ने बताया कि पूरे गांव और नगर की कई नालियों का पानी जिस नाले से गुजरता है उसी के पास पंप हाउस बना है। चारों ओर गोंद और चारे से नाला पटा है और नालियों का गंदा पानी भी पंप हाउस के पास ही जमा हो रहा है। इससे जल के संक्रमित होने की आशंका है। अजीत ने बताया कि कर्वी माफ़ी में कोलगदहिया रोड पर बने इस पंप हाउस के पास ही नाला है। बारिश के समय संक्रमण का बड़ा खतरा है। नाले की गंदगी पंप हाउस में ही अवशोषित हो रही है। आरोप लगाया कि कार्यदायी संस्था जल संस्थान के जिम्मेदार अधिकारी पूरी तरह बेपरवाह हैं। पानी में संक्रमण हो गया तो संक्रामक बीमारियों से हजारों लोग प्रभावित हो जाएंगे। अजीत ने बताया कि जेसीबी मशीन के बिना ठीक से इसकी सफाई हो पाना मुश्किल है। जल संस्थान, नगर पालिका और ग्राम पंचायत के त्रिकोण में फंसा नाला अब लोगों के स्वास्थ्य को लेकर संकट के हालात पैदा कर सकता है। बुंदेली सेना ने जिलाधिकारी से मांग की है कि इससे पहले कि पंप हाउस का पानी संक्रमित हो जाए, इसकी सफाई करवाई जाए।

नाले के पास बना पंप हाउस। अमृत विचार

पालिका ने नहीं दिया ध्यान: अजीत ने बताया कि नाले की सफाई न होने से लोगों में जमकर आक्रोश पनप रहा है। बताया कि नगर पालिकाध्यक्ष से ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बद्री सिंह और बीडीसी सदस्य रामनाथ मिलकर इस समस्या के संबंध में बता भी चुके हैं पर कुछ नहीं हुआ। ग्राम प्रधान का कहना है कि आधे शहर का पानी कर्वी माफ़ी के नाले से जोड़ दिया गया है। ऐसे में नगर पालिका को नाले की सफाई करानी चाहिए।

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जनपद- कन्नौज

पत्रांक /एस0एस0ए0-वाहन/3020-23/2025-26 दिनांक- 11/07/2025

विज्ञप्ति

वित्तीय वर्ष 2025-26 मे विद्यालयों के निरीक्षण, कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन व पर्यवेक्षण हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी हेतु अधिकतम धनराशि रु0 36000/- प्रतिमाह प्रतिवाहन की सीमा के अन्दर 02 (दो) चार पहिया वाहन एंव खण्ड शिक्षा अधिकारियों व जिला समन्वयको हेतु अधिकतम धनराशि रु0 30000/- प्रतिमाह प्रतिवाहन की सीमा के अन्दर 10 (दस) चार पहिया वाहन (ईधन, ड्राइवर, मेन्टीनेंस व सभी प्रकार के खर्चो सहित) की आवश्यकता है। इस हेतु जेम पोर्टल पर विड नम्बर GEM/2025/B/6410552 दिनांक 10.07.2025 के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक पंजीकृत फर्मे ट्रैवर्ल्स एजेन्सी दिनांक 21.07.2025 की पूर्वान्ह 11.00 बजे तक निविदा अपलोड कर सकते है। जो दिनांक 21.07.2025 की पूर्वान्ह समय 11.30 बजे कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जनपद कन्नौज के कार्यालय में गठित समिति के समक्ष खोली जायेगी।

(अमित कुमार)
सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी
जनपद-कन्नौज।

(संदीप कुमार)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
जनपद-कन्नौज।

शुल्क वृद्धि

भारत को अमेरिकी निर्यात से मिलेगा लाभ

ट्रंप के चीन सहित अन्य देशों पर उच्च शुल्क लगाने के बाद, भारतीय निर्यात होगा और अधिक प्रतिस्पर्धी

नई दिल्ली, एजेंसी

ट्रंप प्रशासन के चीन, कनाडा और मेक्सिको सहित अन्य देशों पर उच्च शुल्क लगाने के बाद, अमेरिका को भारतीय निर्यात और अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएगा, जिससे भारत को लाभ होगा नीति आयोग ने रिपोर्ट में यह कहा है।

आयोग ने व्यापार पर अपनी तिमाही रिपोर्ट के तीसरे संस्करण में कहा कि उत्पादों की संख्या और अमेरिकी बाजार के आकार, दोनों के संदर्भ में, अमेरिकी बाजारों में भारत के लिए महत्वपूर्ण अवसर होंगे। भारत को शीर्ष 30 श्रेणियों (एचएस यानी हार्मोनाइज्ड प्रणाली दो स्तर) में से 22 में प्रतिस्पर्धी लाभ मिलने की उम्मीद है। इन वस्तुओं का बाजार 2,285.2 अरब डॉलर का है। चीन, कनाडा और मेक्सिको इन श्रेणियों में अमेरिका के प्रमुख निर्यातक हैं, इसलिए इन देशों पर क्रमशः 30, 35 और 25% का उच्च शुल्क भारत की प्रतिस्पर्धी क्षमता को बढ़ाएगा।

आयोग ने कहा कि भारत की प्रतिस्पर्धी क्षमता 30 में से 6 श्रेणियों में अपरिवर्तित रहेगी। यह अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात का 32.8% व अमेरिका के कुल आयात का 26% है। मूल्य के हिसाब से यह 26.5 अरब डॉलर है। आयोग ने कहा कि एचएस-दो स्तर पर 6 उत्पाद श्रेणियों के लिए, भारत को उच्च औसत शुल्क (1- 3% के बीच) का सामना करना पड़ रहा है, जिसपर अमेरिका के साथ बातचीत की जा सकती है। रिपोर्ट कहती है, 78 उत्पादों में भारत को प्रतिस्पर्धी लाभ मिलने की उम्मीद है।

ये भारत के निर्यात में 52% और कुल अमेरिकी आयात में 26% हिस्सेदारी रखते हैं। एचएस-4 स्तर पर शीर्ष 100 उत्पादों में से 17 उत्पादों (जो अमेरिका को भारत के निर्यात का 28% हिस्सा हैं) के लिए है, आयोग ने कहा कि शुल्क अंतर में कोई बदलाव नहीं होने से भारत का प्रतिस्पर्धी लाभ अपरिवर्तित है।

भारत को 1,265 अरब डॉलर के बाजार में चीन, कनाडा व मेक्सिको की तुलना में उच्च शुल्क अंतर वाले क्षेत्रों खनिज और ईंधन, परिधान, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्लास्टिक, फर्नीचर और समुद्री खाद्य पदार्थों... में लाभ होगा। प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर एक और दौर की वार्ता के लिए भारतीय वाणिज्य मंत्रालय का एक दल अमेरिका पहुंच गया है। यह बातचीत सोमवार से शुरू हो रही है।

चीन का निर्यात जून माह में 5.8 प्रतिशत बढ़ा

बीजिंग। चीन के निर्यात में अमेरिकी शुल्क से राहत के बाद जून में तेजी आई। सोमवार को जारी सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार, निर्यात में सालाना आधार पर 5.8% की वृद्धि दर्ज की गई। मई में इसमें 4.8% की वृद्धि हुई थी। आंकड़ों के अनुसार आयात में भी सुधार हुआ और इस साल पहली बार इसमें वृद्धि दर्ज की गई जो जून में यह 1.1% बढ़ा। अमेरिका को निर्यात में 16% की गिरावट आई, लेकिन यह मई में दर्ज की गई 34.5% की गिरावट के आधे से भी कम है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन से आयात पर 245% तक का शुल्क लगाने और चीन के जवाब में भारी आयात शुल्क लगाने के बाद दोनों पक्ष बातचीत के लिए समय देने के लिए शुल्क वापस लेने पर सहमत हुए। दोनों पक्षों के बीच प्रारंभिक बातचीत में अभी तक कोई खास प्रगति नहीं हुई है। इस बीच, ट्रंप प्रशासन ने चीन से आयात पर शुल्क में 35% की वृद्धि कर दी है। अमेरिका और चीन ने फिलहाल टाले गए उच्च शुल्क को वापस लागू करने की समय सीमा 12 अगस्त तय की है। व्यापार में सुधार से अप्रैल-जून तिमाही में आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। चीन की सरकार मंगलवार को इससे संबंधित आंकड़े जारी करेगी।

रणनीतिक व्यापार: जोखिम की संतुलित नीति

रणनीतिक व्यापार वह नीति है, जिसमें सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास या तकनीकी श्रेष्ठता को ध्यान में रखते हुए कुछ खास वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को नियंत्रित करती है। इसमें उच्च तकनीक, रक्षा संबंधी वस्तुएं, या सीमित संसाधनों से जुड़ी वस्तुएं शामिल होती हैं। यह व्यापार नीति आमतौर पर निर्यात नियंत्रण, आयात प्रतिबंध या सब्सिडी जैसे उपायों के माध्यम से लागू की जाती है। इसका उद्देश्य केवल लाभ कमाना नहीं बल्कि दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना होता है। यह व्यापारिक प्रतिस्पर्धा में रणनीतिक बढ़त दिलाने में सहायक होता है।

क्या है रणनीतिक व्यापार

रणनीतिक व्यापार ऐसी नीति है, जिसके तहत सरकार कुछ विशिष्ट उत्पादों या तकनीकों के आयात-निर्यात को नियंत्रित करती है ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा, औद्योगिक विकास और तकनीकी आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जा सके। यह सामान्य मुक्त व्यापार से भिन्न होता है, क्योंकि इसमें राज्य की भूमिका निर्णायक होती है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

- हाल के वर्षों में अमेरिका, चीन, यूरोप जैसे बड़े देशों ने तकनीकी और रक्षा क्षेत्रों में रणनीतिक व्यापार नीतियों को अपनाया है। भारत ने भी सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादों और अंतरिक्ष तकनीकों के संदर्भ में ऐसी रणनीतियां अपनाई हैं।

व्यापार के फायदे

- **राष्ट्रीय सुरक्षा:** सैन्य या रक्षा उपयोग की वस्तुओं के निर्यात पर नियंत्रण कर देश की सुरक्षा सुनिश्चित करना, अत्याधुनिक तकनीकों का निर्यात देश की तकनीकी बढ़त।
- **उद्योगों को संरक्षण:** रणनीतिक व्यापार नीतियां घरेलू उद्योगों को अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा से बचाकर विकसित करने में सहायक होती हैं।
- **राजनीतिक-कूटनीतिक दबाव:** कुछ वस्तुओं पर नियंत्रण रखकर सरकारें अन्य देशों पर प्रभाव डाल सकती हैं, जैसे- सेमीकंडक्टर या रक्षा उपकरणों का निर्यात रोकना।

व्यापार से जुड़े जोखिम

- **वाणिज्यिक नुकसान:** सीमित व्यापारिक साझेदारों से आय घट सकती है। जिन देशों को प्रतिबंधित किया गया, वे व्यापार रोक सकते हैं।
- **वैश्विक आपूर्ति में बाधा:** वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर प्रतिबंध से प्रक्रिया प्रभावित होती है। विदेशी प्रतिस्पर्धा की कमी से घरेलू कंपनियां नवाचार में पिछड़ सकती हैं।

आठ आवासीय बाजारों में बिक्री 14% घटी

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के आठ प्रमुख आवासीय बाजारों में बिक्री अप्रैल-जून में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत घटकर 97,674 इकाई रह गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 1,13,768 इकाई थी।

आवासीय 'ब्रोकरेज' कंपनी प्रॉपटाइगर की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) और पुणे में मकानों की बिक्री अप्रैल-जून में सालाना आधार पर 30 प्रतिशत घटकर 41,901 इकाई रह गई। कीमतों में वृद्धि से उपभोक्ता मांग कम हुई। महाराष्ट्र के दो महत्वपूर्ण संपत्ति बाजारों एमएमआर और पुणे में संयुक्त आवास बिक्री एक वर्ष पूर्व की समान अवधि में 60,191 इकाई थी।

अन्य प्रमुख प्रमुख आवासीय बाजारों में दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), अहमदाबाद, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और कोलकाता शामिल हैं।

प्रॉपटाइगर डॉट कॉम के बिक्री प्रमुख श्रीधर श्रीनिवासन ने कहा कि खासकर बजट व मध्यम आय वर्ग में सामर्थ्य के दबाव ने खरीदारों की धारणा को थोड़ा सतर्क कर दिया है। श्रीनिवासन ने कहा कि हालांकि अंतर्निहित मांग बरकरार है। प्रॉपटाइगर आरईए इंडिया का हिस्सा है। आरईए इंडिया के पास हाउसिंग डॉट कॉम का स्वामित्व है।

जेन स्ट्रीट ने एस्क्रो खाते में जमा किए 4843 करोड़

नई दिल्ली। बाजार में हेरफेर के जरिये भारी मुनाफा कमाने वाली अमेरिकी ट्रेडिंग कंपनी जेन स्ट्रीट ने एक एस्क्रो खाते में 4,843.57 करोड़ रुपये जमा करा दिए हैं और सेबी से कुछ प्रतिबंध हटाने का अनुरोध किया है।

- **सेबी से प्रतिबंध हटाए जाने का अनुरोध**

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सोमवार को यह जानकारी दी और कहा कि बजार नियामक इस अनुरोध पर गौर कर रहा है। सेबी ने 3 जुलाई को अपने अंतरिम आदेश में जेन स्ट्रीट (जेएस) को भारी लाभ कमाने के लिए नकदी और वायदा एवं विकल्प बाजारों में एक साथ दांव लगाकर बाजारों में हेरफेर करने का दोषी पाया था और कंपनी को बाजार में प्रवेश से रोक दिया व 4,843 करोड़ से अधिक के अवैध लाभ को वापस करने का निर्देश दिया था। जांच अनुसार जेएस ने 2023 से 2025 तक 36,671 करोड़ का लाभ कमाया है।

बाजार में गिरावट जारी, सेंसेक्स 247 अंक टूटा

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को लगातार चौथे सत्र में गिरावट रही और सेंसेक्स 247 अंक टूट गया। वहीं निफ्टी 68 अंक के नुकसान में रहा। आईटी शेयरों में बिकवाली और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से बाजार नुकसान में रहा। बीएसई का सेंसेक्स 247.01 अंक की गिरावट के साथ 82,253.46 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी 67.55 अंक की गिरावट के साथ 25,082.30 अंक पर बंद हुआ। 9 जुलाई से अबतक की 4 कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स 1,460 अंक यानी 1.75% और निफ्टी 440 अंक यानी 1.73% नीचे आ चुका है। एशियन पेंट्स में 1.58% की गिरावट आई। इसके अलावा टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, टीसीएस, लार्सन एंड टुब्रो और टाटा मोटर्स के शेयर भी नुकसान में रहे। वहीं, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा और आईटीसी लाभ में रहे। शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 5,104.22 करोड़ के शेयर बेचे।

- **आईटी शेयरों में बिकवाली और विदेशी निवेशकों की पूंजी निकासी का दिखा प्रभाव**

मिड-स्मॉलकैप में रही तेजी

मझोली कंपनियों से संबंधित मिडकैप और छोटी कंपनियों से जुड़े स्मॉलकैप सूचकांक में क्रमशः 0.71 और 1.04% तक की तेजी रही। बीएसई के 2,137 शेयरों में गिरावट आई जबकि 2,054 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं 149 शेयर के भाव अपरिवर्तित रहे। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में रहे, जबकि जापान का निक्की गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को नुकसान के साथ बंद हुए थे।

राष्ट्रीय

एक नजर

महाराष्ट्र: भाजपा नेता के बेटे के पास से मेफेड्रोन बरामद

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में बॉडी बिल्डिंग में कई पुरस्कार जीत चुके व्यक्ति के पास से मेफेड्रोन बरामद होने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि आशीर्वाद नगर निवासी संजय बुग्गेवार को रविवार सुबह गणेशपेठ बस टर्मिनस के पास से गिरफ्तार कर 16.05 ग्राम मेफेड्रोन बरामद किया गया है। गणेशपेठ थाने के अधिकारी ने कहा, वह भाजपा नेता अजय बुग्गेवार का बेटा है। आरोपी ने अपने सहयोगी के रूप में प्रणय बजारे का नाम बताया है जिसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

नशे में मिले परिषदीय स्कूल के प्रधानाध्यापक, केस दर्ज

जालना। महाराष्ट्र के जालना के जिला परिषद स्कूल के प्रधानाध्यापक को एक कक्षा में नशे की हालत में फर्श पर बेहोश पाए जाने के बाद उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि घटना शुक्रवार को भोकरदन तहसील के टाकली गांव के जिला परिषद स्कूल में हुई और प्रधानाध्यापक दामू भीमराव रोजेकर है। पूर्व सरपंच बलिराम गावंडे ने रोजेकर को नशे में कक्षा की फर्श पर लेटा देखा। प्रखंड शिक्षा अधिकारी एसबी नेहार स्कूल पहुंचे और सहायक उप निरीक्षक भास्कर जाधव को बुलाया और मामला दर्ज कराया।

आईईडी विस्फोट में तीन ग्रामीण घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) विस्फोट में 16 वर्षीय लड़की समेत तीन ग्रामीण घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि मद्देड़ थाना क्षेत्र के धनगोल गांव के पास रविवार शाम हुई इस घटना में कविता कुड़ियम, कोरसे संतोष और चिड़ेम कन्हैया घायल हुए हैं।

याचिका वापस लेने के रुख का विरोध

विधेयकों को स्वीकृति देने में देरी पर राज्यपाल के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई 25 जुलाई तक स्थगित

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने केरल विस द्वारा पारित विधेयकों को स्वीकृति देने में देरी पर राज्यपाल के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई 25 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी है। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा व एएस चांदुरकर की पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि द्वारा समय मांगने पर ऐसा किया। केरल सरकार के अधिवक्ता केके वेणुगोपाल ने यह कहते हुए याचिका वापस लेने का अनुरोध किया कि तमिलनाडु के राज्यपाल मामले में पारित फैसले के मद्देनजर यह मुद्दा निरर्थक हो गया है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने विरोध करते हुए न्यायालय से आग्रह किया कि विधेयकों को मंजूरी देने के लिए अनुच्छेद 143 के तहत राष्ट्रपति के संदर्भ पर शीर्ष अदालत के फ़ैसले का इंतज़ार किया जाए।

नीट-पीजी परीक्षा से जुड़ी याचिकाओं पर 3 अगस्त को सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने नीट-पीजी परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता पर, खासकर उत्तर कुंजी जारी करने और मूल्यांकन प्रोटोकॉल के संबंध में, चिंता जताने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सोमवार को 3 अगस्त की तारीख तय की। न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और एन. वी. अंजारिया की पीठ ने इन मुद्दों पर दायर याचिकाओं पर संक्षिप्त सुनवाई की। वकील तन्वी दुबे के माध्यम से दायर याचिका में मूल्यांकन प्रणाली की कथित अपारदर्शी प्रकृति को चुनौती दी गई है और नीट-पीजी आयोजित करने के लिए जिम्मेदार प्राधिकरण, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) को कई निर्देश देने की मांग की गई है।

उदयपुर फाइल्स की रोक पर होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म उदयपुर फाइल्स: कन्हैया लाल टेलर मर्डर की रिलीज पर रोक लगाने से संबंधित दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सोमवार को सहमति जताई। फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होने वाली थी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जे. बागची की पीठ ने कहा कि निर्माताओं की ओर से पेश वकील ने याचिका पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध करते हुए कहा कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के प्रमाणन के बावजूद फिल्म की रिलीज पर रोक लगाई गई है। पीठ ने कहा कि वह बुधवार या उसके बाद किसी भी दिन इस पर सुनवाई करेगी।

अगस्त में उद्धव गुट की याचिका पर सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र विस अध्यक्ष द्वारा एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना के गुट को 'धनुष-बाण' चुनाव चिह्न देने के फैसले के खिलाफ उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले धड़े की याचिका पर सुनवाई के लिए अगस्त की तारीख तय की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यह मुद्दा लंबित है और अनिश्चितता को जारी नहीं रहने दिया जा सकता। पीठ ने उद्धव गुट के अधिवक्ता कपिल सिब्बल से कहा, हम मुख्य मामले के अंतिम निपटारे के लिए अगस्त की तारीख तय करेंगे।

कांवड़ यात्रा के दौरान कोई बाधा बर्दाश्त नहीं करेंगे: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के शाहदरा में कांवड़ यात्रा मार्ग पर कांच के टुकड़े बिखरे पाये जाने के कुछ दिनों बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

यात्रा में बाधा उत्पन्न करने के खिलाफ चेतावनी देते हुए गुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार कांवड़ियों को सुविधाएं देने को प्रतिबद्ध है। कांवड़ यात्रा मार्ग पर 400 मीटर तक कांच के टुकड़े मिले थे। यदि कांवड़ यात्रा में कोई सुरक्षा बाधा या रुकावट पैदा होती है तो संबंधित व्यक्ति को जवाब देना होगा। पुलिस ने रविवार को बताया कि एक ई-रिक्शा चालक को हिरासत में लिया गया, क्योंकि उसके वाहन पर ले जाए जा रहे कांच के पैनल टूटकर कांवड़ यात्रा मार्ग पर बिखर गए थे।

- **दिल्ली में कांवड़ मार्ग पर कांच के टुकड़े बिखरे पाए जाने के बाद मुख्यमंत्री ने दी चेतावनी**

पार्किंग विवाद से जुड़े हत्या के प्रयास में नाबालिग समेत 4 गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार में कांवड़ यात्रा की तैयारी के दौरान पार्किंग विवाद से जुड़े हत्या के प्रयास में एक किशोर समेत चार लोगों को पकड़ा गया है। अधिकारी ने बताया कि घटना 11 जुलाई की है। पुलिस को मयूर विहार फेज-1 स्थित शशि गार्डन के पास गोलीबारी की सूचना मिली थी। पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) अभिषेक धानिया ने कहा, टीम को मौके से एक गोली का निशान मिला। शिकायतकर्ता जितेंद्र अनुसार बाइक खड़ी करने को लेकर हुई बहस गोलीबारी में बदल गई।

प्रदर्शन का अनोखा अंदाज

बेंगलुरु के रवींद्र कलाक्षेत्र में कलाकारों ने अधिकारियों की बदसलूकी के खिलाफ कुछ ऐसे अंदाज में प्रदर्शन किया जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। कलाकार भुगतान की मांग पर अपमानजनक किए व्यवहार से काफी नाराज है। एजेंसी

नूंह में मजार क्षतिग्रस्त, कड़ी सुरक्षा के बीच बृज मंडल यात्रा शुरू

नूंह, एजेंसी

- **दो वर्ष पूर्व धार्मिक जुलूस में हुई झड़पों की पुनरावृत्ति न हो, इसलिए बढ़ाई गई सुरक्षा**

हरियाणा के नूंह में नल्हड़ महादेव मंदिर से सोमवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बृज मंडल जलाभिषेक यात्रा शुरू हुई। यात्रा शुरू होने से पहले एक मजार को क्षतिग्रस्त किए जाने की घटना सामने आयी थी।

80 किलोमीटर लंबी यह यात्रा गुरुग्राम से 50 किलोमीटर दूर नूंह स्थित नल्हड़ महादेव मंदिर से शुरू हुई जहां से श्रद्धालु फिरोजपुर झिरका स्थित झीर मंदिर जाएंगे। झीर मंदिर से होते हुए यह यात्रा सोमवार को सिंगार में ही समाप्त होगी। पुलिस ने बताया कि नूंह के तावडू कस्बे में बृज मंडल जलाभिषेक यात्रा से पहले एक मजार को क्षतिग्रस्त करने की घटना सामने आयी है। दो साल पहले धार्मिक जुलूस के दौरान हुई झड़पों की पुनरावृत्ति न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए जिले में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि रविवार रात हुई तोड़फोड़ की इस घटना के जिम्मेदार लोगों के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद, तावडू के सैनीपुरा मोहल्ले में स्थित मजार पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए हैं।

बंगाल में 12 घंटे बंद के दौरान पुलिस से हुई प्रदर्शनकारियों की झड़प

कोलकाता। प. बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के खेजुरी इलाके में दो लोगों की अस्वाभाविक मौत के विरोध में भाजपा द्वारा सोमवार को आहूत 12 घंटे के बंद के दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प हुई और सड़कें जाम कर दी गईं। सुजीत दास और सुधीर चंद्र पाइक शुक्रवार रात खेजुरी के जनका इलाके में मुहर्रम के कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। उसी दौरान उनकी मौत हो गई।

विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि टीएमसी के स्थानीय नेता सहित 7 लोगों ने उन्हें पीटकर मार डाला जबकि पुलिस ने कहा कि दोनों की मौत बिजली के खंभे से दुर्घटनावश गिरने से हुई तथा उनसे मारपीट का संकेत नहीं मिला। विरोध में आहूत बंद करते हुए भाजपा ने राजमार्गों पर पेड़ों के लट्ठों से रास्ता जाम किया। पुलिस ने यातायात में बाधा डालने के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार किया।

एफएम कॉलेज की छात्रा की हालत गंभीर, लेकिन स्थिर

भुवनेश्वर, एजेंसी

कॉलेज में आत्महत्या के प्रयास का मामला

शिक्षक द्वारा यौन उत्पीड़न किये जाने के मामले में न्याय न मिलने पर आत्मदाह करने वाली 20 वर्षीय छात्रा की हालत सोमवार को तीसरे दिन गंभीर बनी हुई है।

भुवनेश्वर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के अधीक्षक डॉ. दिलीप परिदा ने छात्रा की हालिया स्थिति के बारे बताया, उसकी हालत गंभीर, लेकिन स्थिर है। हम स्थिर इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि उसकी स्वास्थ्य स्थिति वैसी ही बनी हुई है जैसी कि शनिवार शाम को अस्पताल में भर्ती कराने के वक्त थी। हालांकि, स्वास्थ्य स्थिति में कोई सुधार नहीं है। अगले 72 घंटे अहम हैं। डॉ. परिदा ने बताया कि रविवार रात डायलिसिस के बाद मरीज़ को पेशाब कम आया है। रविवार रात उसे बुखार था। हालांकि, पेशाब आना सकारात्मक संकेत है, लेकिन हम यह नहीं कह सकते कि उसकी हालत में सुधार हुआ है।

आयकर विभाग ने फर्जी कर कटौती मामले में छापे मारे

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने सोमवार को कई शहरों में उन संस्थाओं के खिलाफ कर चोरी की जांच के तहत छापेमारी की, जो कुछ व्यक्तियों को विभिन्न प्रकार की छूटों का दावा करके उनके रिटर्न में फर्जी कटौती का लाभ उठाने में मदद करती हैं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

- **चंदा, बीमा और ऋणों के भुगतान दावों की झूठी कटौती की जांच**

उन्होंने बताया कि पंजीकृत या अपंजीकृत राजनीतिक दलों को राजनीतिक चंदा देने, चिकित्सा बीमा, ट्यूशन फीस और कुछ प्रकार के ऋणों के भुगतान के बदले व्यक्तियों द्वारा दावा की गई झूठी कटौती उन मामलों में शामिल हैं जिनकी इन छापों के तहत जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत कुछ व्यक्तियों और उनके कर सलाहकारों, जो उन्हें फर्जी छूट का दावा करने में मदद करते हैं, की तलाशी ली जा रही है।

हिमाचल में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट, 200 से अधिक सड़कें बंद

शिमला, एजेंसी

मौसम विभाग ने हिमाचल के तीन जिलों में सोमवार और मंगलवार को अत्यधिक भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने बताया कि सोमवार को कांगड़ा, मंडी और सिरमौर में और मंगलवार को शिमला, सोलन तथा सिरमौर में अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, विभाग ने शुक्रवार तक 12 में से कुछ जिलों के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, आपदा प्रभावित मंडी ज़िले की 157 सड़कों सहित कुल 208 सड़कें बारिश के कारण वाहनों के आवागमन के लिए बंद हैं जबकि सोमवार सुबह तक 745 जलापूर्ति योजनाएं और 139 बिजली वितरण ट्रांसफार्मर प्रभावित हुए हैं। हिमाचल को पहले ही 770 करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। एसईओसी ने बताया कि मानसून की शुरुआत से लेकर 13 जुलाई तक, 98 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें 57 मौत बारिश की घटनाओं में व 41 मौतें सड़क दुर्घटनाओं में हुई 178 घायल हुए हैं।

महिला को कोल्ड ड्रिंक में दी गई नींद की गोलियां : पुलिस

कोलकाता, एजेंसी

आईआईएम-कलकत्ता में दुष्कर्म का मामला

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), कलकत्ता में दुष्कर्म मामले के आरोपी ने दवा दुकान से नींद की गोलियां खरीदने की बात स्वीकार की है, जिसे उसने अपराध को अंजाम देने से पहले महिला को दी कोल्ड ड्रिंक्स में मिलाया था।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि आरोपी छात्र के बयानों में विसंगतियां मिलीं। आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने नींद की गोलियां खरीदी थीं और उन्हें कोल्ड ड्रिंक्स में मिलाकर दिया था, जो उसने महिला को तब दिया था जब वह वहां थी, लेकिन वह यह नहीं बता सका कि काउंसिलिंग के लिए उसके पास आई महिला के साथ ऐसा करने के पीछे उसका इरादा क्या था। वह इस सवाल का जवाब नहीं दे रहा है। उन्होंने बताया कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य से पता चला कि पीड़िता कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद लड़कों के छात्रावास के एक कमरे में गई, जहां कथित अपराध हुआ।

एक नजर

लंदन : भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के पांचवें दिन लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड के क्रिस वोक्स भारत के नीतीश कुमार रेड्डी के विकेट का जश्न मनाते हुए। ● एजेंसी

वरुण आरोन बने सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजी कोच

हैदराबाद : भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण आरोन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 2026 के आईपीएल सत्र के लिए सोमवार को अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया। आरोन न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स फ्रैंकलिन की जगह लेंगे। सनराइजर्स ने अपने 'एक्स' पर लिखा हमारे कोचिंग स्टाफ में एक शानदार इजाफा। वरुण आरोन का हमारे नये गेंदबाजी कोच के रूप में स्वागत है। आरोन ने 2011 और 2015 के बीच भारत के लिए नौ टेस्ट और उतने ही वनडे खेले थे। पैंतीस साल के आरोन ने अपना आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच इसी साल पांच जनवरी को जयपुर में गोवा के खिलाफ झारखंड के लिए विजय हजारे ट्रॉफी का खेल था। झारखंड के इस 50 ओवर के घरेलू टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में पहुंचने में विफल रहने पर उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी।

अदिति 28वें स्थान पर रहीं, ग्रेस किम ने खिताब जीता

फ्रांस : भारतीय गोल्फर अदिति अशोक अंतिम दौर में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और दो ओवर 73 का स्कोर बनाकर यहां अमुंडी एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त 28वें स्थान पर रहीं। अदिति का कुल स्कोर अंडर 279 रहा। वह शीर्ष 10 खिलाड़ियों में जगह नहीं बना सकी लेकिन इस प्रतियोगिता में उन्होंने अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वह एक साल पहले इस प्रतियोगिता में संयुक्त 17वें स्थान पर रही थीं। अदिति ने लगातार नौ पार के साथ शुरुआत की और फिर लगातार चार बोगी कीं, जिससे शीर्ष 10 में जगह बनाने की उनकी उम्मीदें धूमिल हो गईं। उन्होंने 17वें और 18वें होल पर बर्डी लगाकर वापसी की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी दीक्षा डागर कट में जगह नहीं बना पाई थी। ऑस्ट्रेलिया की ग्रेस किम ने एवियन रिसोर्ट गोल्फ क्लब में प्लेऑफ में विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी जीनो थिटिकुल को हराकर अपना पहला मेजर खिताब जीता।

सात्विक-चिराग की निगाह खिताब व सिंधू की फॉर्म में वापसी पर

टोक्यो : सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने अच्छे प्रदर्शन को जारी रखने और खिताबी सूखे को खत्म करने की कोशिश करेगी। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग की जोड़ी इस सत्र में तीन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है। इसके अलावा उन्होंने पिछले महीने इंडोनेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी जगह बनाई थी लेकिन इस सत्र में अभी तक खिताब नहीं जीत पाए हैं। जनवरी में मलेशिया और इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद यह स्टार जोड़ी सात्विक की स्वास्थ्य समस्याओं और चिराग की पीठ की चोट के कारण कई सप्ताह तक बाहर रही।

युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन 18 जुलाई से वाराणसी में

नई दिल्ली : नशे की लत के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) 18 जुलाई से वाराणसी में तीन दिवसीय 'युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन' आयोजित करने जा रहा है, जहां 500 युवा प्रतिनिधि इस बुराई के खिलाफ 'विचार-विमर्श कर रणनीतियां बनाएंगे'। इस सम्मेलन का उद्देश्य 2047 तक भारत को नशा मुक्त बनाने के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय रणनीति तैयार करना है।

विकेटों के बीच दौड़ते समय रवींद्र जडेजा और ब्रायडन कार्स से टकरा गए। ● एजेंसी

जीत की दहलीज तक लड़कर हारा भारत

इंग्लैंड ने तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पांचवें और अंतिम दिन भारत को 22 रन से हराया

लंदन, एजेंसी

रविंद्र जडेजा के नाबाद जुझारू अर्धशतक के बावजूद भारत को यहां लार्ड्स में तीसरे क्रिकेट टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन सोमवार को यहां 22 रन से हार का सामना करना पड़ा जिससे इंग्लैंड ने पांच मैच की श्रृंखला में 2-1 की बढ़त बना ली। स्पिनर शोएब बशीर (छह रन पर एक विकेट) ने मोहम्मद सिराज (04) को बोल्ड करके इंग्लैंड को जीत दिलाई। इंग्लैंड के 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत चार साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी कर रहे जोफ्रा आर्चर (55 रन पर तीन विकेट), कप्तान बेन स्टोक्स (48 रन पर तीन विकेट) और ब्राइडन कार्स (30 रन पर दो विकेट) की तूफानी गेंदबाजी के सामने 74.5 ओवर में 170 रन पर आउट हो गया।

क्रिस वोक्स (21 रन पर एक विकेट) ने भी एक विकेट चटकाया। आर्चर ने अपना पिछला टेस्ट फरवरी 2021 में अहमदाबाद में भारत के खिलाफ ही खेला था। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 82 रन तक सात विकेट गंवा दिए थे लेकिन जडेजा (नाबाद 61 रन, 181 गेंद, चार चौके, एक छक्का) ने नितीश कुमार रेड्डी (13) के साथ आठवें विकेट के लिए 91 गेंद में 30, जसप्रीत बुमराह (05) के साथ नौवें विकेट के लिए 132 गेंद में 35 और सिराज के साथ अंतिम विकेट के लिए 80 गेंद में 23 रन की साझेदारी करके अप्रत्याशित जीत की उम्मीद जगाई थी लेकिन टीम को हार से नहीं बचा पाए।

सीरीज का चौथा टेस्ट मैनचेस्टर में 23 जुलाई से खेला जाएगा। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट पांच विकेट से जीता था जिसके बाद भारत ने जोरदार वापसी करते हुए बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट 336 रन से अपने नाम करके सीरीज बराबर की थी। भारत ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 58 रन से की। टीम को तेजी से टूटती और असमान उछाल वाली पिच पर 135 रन की और जरूरत थी। भारत को 1932 के बाद से इस प्रतिष्ठित मैदान पर अपनी चौथी जीत के लिए बल्लेबाजों से आक्रामक प्रदर्शन की जरूरत थी लेकिन ऐसा नहीं हो सका। पहले घंटे के अंदर ऋषभ पंत (12 गेंद पर नौ रन), लोकेश राहुल (58 गेंद पर 39 रन) और वाशिंगटन सुंदर (चार गेंद पर शून्य) के आउट होने से भारत की हार लगभग तय नजर आने लगी थी। जडेजा और रेड्डी ने हालांकि आठवें विकेट के लिए 30 रन जोड़कर विकेटों के पतझड़ पर विराम लगाया लेकिन वोक्स ने लंच से पहले की अंतिम गेंद पर रेड्डी को विकेटकीपर जेम्स स्मिथ के हाथों कैच करा दिया।

तीसरा टेस्ट मैच जीतने के बाद जश्न मनाती इंग्लैंड की टीम। ● एजेंसी

इंग्लैंड पहली पारी: 387 रन

भारत पहली पारी: 387 रन

इंग्लैंड दूसरी पारी : 192

भारत दूसरी पारी

170/10 (74.5 ओवर)

यशस्वी जायसवाल का स्मिथ बो आर्चर	00
लोकेश राहुल पगबधा बो स्टोक्स	39
करुण नायर पगबाधा बो कार्स	14
शुभमन गिल पगबाधा बो कार्स	06
आकाशदीप बो स्टोक्स	01
ऋषभ पंत बो आर्चर	09
रविंद्र जडेजा नाबाद	61
वाशिंगटन सुंदर का एवं बो आर्चर	00
नितीश कुमार रेड्डी का स्मिथ बो वोक्स	13
जसप्रीत बुमराह का बो स्टोक्स	05
मोहम्मद सिराज बो बशीर	04

गेंदबाजी : वोक्स 12-5-21-1, आर्चर 16-1-55-3, स्टोक्स 24-4-48-3, कार्स 16-2-30-2, रूट 1-0-1-0, बशीर 5.5-1-6-1

वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया का शीर्ष क्रम झकझोरा, ग्रीन ने जगाई उम्मीद

किंग्स्टन (जमैका), एजेंसी

कैमरन ग्रीन की नाबाद पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को वेस्टइंडीज की आक्रामक तेज गेंदबाजी के सामने 99 रन पर छह विकेट गंवाने के बावजूद कुल 181 रन की बढ़त हासिल कर ली। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय ग्रीन 42 रन बनाकर खेल रहे थे। उनके साथ दूसरे छोर पर कप्तान पैट कमिंस पांच रन बनाकर खेल रहे हैं।

रविवार को तीनों सत्र में तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा और दोनों टीमों के 15 विकेट गिरे। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों ने इस दिन रात्रि टेस्ट मैच में इससे पहले वेस्टइंडीज को पहली पारी में 143 रन पर आउट करके अपनी टीम को 82 रन की बढ़त दिला दी थी। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 225 रन बनाए थे।

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही तथा उन्हें तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ (19 रन देकर तीन विकेट) और शमर जोसेफ (26 रन देकर दो विकेट) की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। शमर जोसेफ़ ने दूसरे ओवर में सैम कोंस्टास (00) आउट कर दिया, जिससे ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी का पतन शुरू हो गया। 19 वर्षीय कोंस्टास का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। उन्होंने छह पारियों में 50 रन बनाए हैं। उस्मान ख्वाजा (14) और स्टीव स्मिथ (05) दोनों नहीं चल पाए और बोल्ड होकर पवेलियन लौटे।

नायर के लिए मुश्किल होगा टीम में बने रहना

नयी दिल्ली, एजेंसी

करुण नायर को दोबारा भारत की जर्सी पहनने के लिए आठ साल का लंबा इंतजार करना पड़ा, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में अपनी दूसरी पारी के 25 दिनों के अंदर कर्नाटक के इस बल्लेबाज के लिए इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट श्रृंखला में लगातार छह विफलताओं के बाद टीम में जगह बरकरार रखना शायद मुश्किल होगा।

घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगाने के बाद भारतीय टीम में वापसी करने वाले नायर ने कैंटरबरी में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए के लिए दोहरा शतक लगाकर इस दौरे की शानदार शुरुआत की थी। उन्होंने इस प्रदर्शन से अंतिम एकादश में जगह के लिए अपना दावा मजबूत किया था। इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले, एजबेस्टन और लॉर्ड्स में तीन टेस्ट मैचों के बाद नायर ने 22 से कम के औसत से केवल 131 रन बनाए हैं। गौतम गंभीर के नेतृत्व वाले टीम प्रबंधन के लिए इन आंकड़ों को नजरअंदाज करना बेहद मुश्किल होगा।

लीड्स में अपने पदार्पण टेस्ट की पहली पारी में नाकाम रहने वाले साई सुदर्शन ने दूसरी पारी में 30 रन बनाये और इस दौरान काफी सहज दिखे। टीम ने हालांकि नायर के साथ आगे बढ़ने को तरजीह दिया क्योंकि उनकी उम्र 34 के करीब है तो वही युवा बल्लेबाज सुदर्शन के पास खुद को साबित करने के लिए अभी काफी समय है। नायर के लिए यह करो या मरो वाली स्थिति थी। गंभीर तथा कप्तान शुभमन गिल के पास भी उन्हें पर्याप्त मौके देने के पीछे बहुत तर्क था। लेकिन बेहतरीन तेज गेंदबाजी और स्विंग के सामने वह असहज दिखे।

करुण नायर।

● **इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में लगातार छह पारियों में रहे असफल**

चेल्सी बना क्लब विश्व कप का चैंपियन

ईस्ट रदरफोर्ड (अमेरिका), एजेंसी

कोल पामर के दो गोल और जोआओ पेड्रो के एक गोल की मदद से चेल्सी ने यूरोपीय चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को 3-0 से हरा कर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। पामर ने 22वें और 30वें मिनट में पेनल्टी क्षेत्र के अंदर से बाएं पैर से लगभग एक जैसे गोल किए।

उन्होंने तीसरा गोल करने में भी मदद की। उनके पास पर जोआओ पेड्रो ने 43वें मिनट में गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा को छकाकर गोल किया जो दो जुलाई को चेल्सी से जुड़ने के बाद इंग्लैंड के इस क्लब की तरफ से उनका तीसरा गोल है। दो साल पहले मैनचेस्टर सिटी से चेल्सी में शामिल हुए 23 वर्षीय पामर ने इस सत्र में 18 गोल किए हैं। पीएसजी ने अपनी तरफ से वापसी के हर संभव प्रयास किए लेकिन चेल्सी की मजबूत रक्षा पंक्ति के सामने उसकी एक नहीं चली। उसे मैच के अंतिम कुछ मिनट 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने पड़े क्योंकि 84वें मिनट में मार्क कुकुरेला को बाल पकड़कर गिराने के कारण जोआओ नेवेस को लाल कार्ड दिखा कर बाहर कर दिया गया था। इससे पहले टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाली पीएसजी इस सत्र में लीग 1, कूप डी फ्रांस और चैंपियंस लीग खिताब हासिल किया। फाइनल को देखने के लिए 81,188 दर्शक उपस्थित थे जिनमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल थे।

क्लब विश्व कप फाइनल के दौरान चेल्सी के कोल पामर फुटबाल छीनने का प्रयास करते हुए। ● एजेंसी

● **क्लब विश्व कप फाइनल में पीएसजी को 3-0 से हराया**

अल्कारास पर जीत ने विंबलडन खिताब को खास बना दिया : सिनर

लंदन, एजेंसी

यनिक सिनर हर हाल में विंबलडन का खिताब जीतना चाहते थे फिर चाहे फाइनल में उनका प्रतिद्वंद्वी कोई भी हो, लेकिन अब उन्होंने स्वीकार किया है कि कार्लोस अल्काराज पर जीत ने इसे खास बना दिया है। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सिनर ने रविवार को यहां फाइनल में पिछले दो बार के विजेता अल्काराज के खिलाफ 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से जीत हासिल करके पहली बार विंबलडन चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। सिनर ने मैच के बाद कहा यह निश्चित तौर पर काफी मायने रखता है क्योंकि जब आप किसी के खिलाफ कई बार हार जाते हैं, तो यह आसान नहीं होता है।

"मैं कार्लोस को हमेशा अपना आदर्श मानता हूं, क्योंकि आज भी मुझे लगा कि वह कुछ चीजें मुझसे बेहतर कर रहा है। इसलिए हम इस पर काम करेंगे और खुद को तैयार करेंगे, क्योंकि हमारा फिर से आमना-सामना होगा।

-यानिक सिनर

"मैं उनके साथ इस प्रतिद्वंद्विता को लेकर वाकई बहुत खुश हूं। यह हमारे लिए और टेनिस के लिए बहुत अच्छा है। जब भी हम एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हैं, तो हमारे खेल का स्तर वास्तव में काफी ऊंचा होता है।

-अल्काराज

शादी के सात साल बाद अलग हुए साइना और पारुपल्ली

नई दिल्ली, एजेंसी

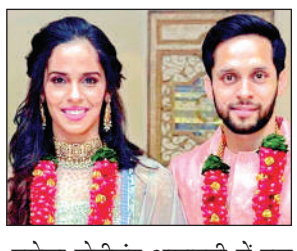

बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल और पारुपल्ली कश्यप शादी के सात साल बाद आधिकारिक तौर पर अलग हो गए है। साइना ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट लिखकर अपने अगले होने की पुष्टि की।

उन्होंने लिखा कई बार जिंदगी हमें अलग रास्तों पर ले जाती है। सोच-विचार के बाद, कश्यप पारुपल्ली और मैंने अलग होने का फैसला लिया है। हम शांति, आगे बढ़ने और खुद को समझने के रास्ते को चुन रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा, "बीते पलों के लिए शुक्रिया और आगे के लिए शुभकामनाएं। इस समय हमारी निजता का सम्मान करने के लिए धन्यवाद। भारतीय खेलों में कभी शक्तिशाली जोड़ी माने जाने वाले इस जोड़े ने हैदराबाद स्थित पुलेला गोपीचंद अकादमी में एक साथ प्रशिक्षण लिया और बाद में 2004 में डेटिंग शुरू की। करीब दस वर्ष की मित्रता के बाद 2018 में दोनों खिलाड़ी वैवाहिक बंधन में बंधे थे। दोनों ही खिलाड़ियों का पेशेवर सफर उल्लेखनीय उपलब्धियों से भरा रहा है। साइना ने 2012 के लंदन ओलंपिक में विश्व की नंबर वन रैंकिंग और कांस्य पदक जीतकर अपनी पहचान बनाई, वहीं पारुपल्ली ने 2014 के राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर और डब्ल्यूएफ की शीर्ष 10 रैंकिंग में जगह बनाई।

धाविका ज्योति याराजी के घुटने की हुई सफल सर्जरी

नई दिल्ली : एशियाई चैंपियन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक 100 मीटर बाधा दौड़ की एथलीट ज्योति याराजी के घुटने की सर्जरी सफल रही है। इस सर्जरी के कारण वह सितंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से बाहर हो जाएंगी और साथ ही मौजूदा सत्र का उनके लिए अंत हो जाएगा।

पच्चीस साल की याराजी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बताया कि शुक्रवार को उनके दाहिने घुटने के एसीएल (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) की सर्जरी हुई। यह सर्जरी जाने-माने सर्जन डॉ. दिनशॉ पारदीवाला ने की। याराजी ने इंस्टाग्राम पर लिखा सभी को नमस्कार, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस शुक्रवार को डॉ. दिनशॉ पारदीवाला ने मेरे दाहिने घुटने के एसीएल की सर्जरी की जो सफल रही।

राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक मानसून सत्र में होगा पेश

नई दिल्ली, एजेंसी

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक 21 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र के दौरान पेश किया जाएगा।

मांडविया ने युवा मामलों के विभाग की नशा के खिलाफ पहल शुरू करने के लिए आयोजित कार्यक्रम के इतर मीडिया से बातचीत में सरकार के इस रुख को भी दोहराया कि बहुपक्षीय खेल आयोजनों के लिए पाकिस्तान के खिलाड़ियों को भारत आने से नहीं रोका जाएगा। मांडविया ने कहा आगामी सत्र के दौरान यह विधेयक संसद में पेश किया जाएगा। मैं कुछ दिनों में इससे जुड़े और विवरण दूंगा। यह विधेयक देश के खेल प्रशासकों के लिए अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करना चाहता है, जिसमें एक नियामक बोर्ड का प्रावधान होगा। इस बोर्ड के पास राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफ) को मान्यता देने और सुशासन से संबंधित प्रावधानों के पालन के आधार पर उन्हें धन आवंटित करने की शक्ति होगी।

यह बोर्ड उच्चतम शासन, वित्तीय और नैतिक मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए भी जिम्मेदार होगा। इसके साथ ही मसौदा खेल विधेयक में शासन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आचार आयोगों और विवाद समाधान आयोगों की स्थापना का प्रस्ताव है। नियामक बोर्ड के गठन को लेकर हालांकि विवाद चल रहा है और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने भी इसका विरोध किया है। आईओए का मानना है कि नियामक बोर्ड के गठन से एनएफएस के लिए नोडल निकाय के रूप में उसकी स्थिति को कमजोर करेगा। मांडविया ने सरकार के इस रुख को फिर से दोहराया है कि अप्रैल में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में आई गिरावट के बावजूद भारत में अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में पाकिस्तान की भागीदारी को रोका नहीं जाएगा। अगले महीने होने वाला पुरुषों का एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट (बिहार), नवंबर-दिसंबर में होने वाला एफआईएच जूनियर विश्व कप (तमिलनाडु) और सितंबर-अक्टूबर में होने वाला जूनियर निशानेबाजी विश्व कप (नयी दिल्ली) प्रमुख खेल आयोजन हैं जिनमें पाकिस्तान के खिलाड़ियों की भागीदारी अपेक्षित है। खेल मंत्री ने कहा हमारा रुख स्पष्ट है। हमें किसी भी अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन में पाकिस्तान के साथ खेलने में कोई समस्या नहीं है, चाहे वह क्रिकेट हो, हॉकी हो या कोई अन्य खेल। लेकिन जब द्विपक्षीय मुकाबलों की बात आती है तो सरकार के रुख के बारे में सभी को पता है। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने भारत में होने वाले दो टूर्नामेंटों में अपनी भागीदारी के लिए अपनी सरकार से मंजूरी मांगी है अभी हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि उसे मंजूरी मिली है या नहीं। मांडविया ने कहा हमने पाकिस्तान को बता दिया है कि हम उन्हें एशिया कप और जूनियर हॉकी विश्व कप टूर्नामेंट के लिए वीजा देंगे। अब यह उनकी सरकार पर निर्भर करता है कि वे टीमें भेजते हैं या नहीं। हमें कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा दोनों अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट हैं और भाग लेने वाली हर टीम के साथ समान व्यवहार किया जाएगा।

एशिया कप 27 अगस्त से सात सितंबर तक राजगीर में आयोजित किया जाएगा, जबकि जूनियर विश्व कप 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक निर्धारित है। पाकिस्तान को अनुमति देने का सरकार का निर्णय ओलंपिक चार्टर पर आधारित है जो राजनीतिक कारणों से किसी देश के खिलाड़ी की भागीदारी से इनकार को प्रतिबंधित करता है। यह मेजबान देश के लिए भविष्य में मेजबानी अधिकारों के निलंबन का कारण बन सकता है।

● **खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने दी जानकारी**

खेल मंत्री मनसुख मांडविया। ● एजेंसी

ट्रंप पर गोली चलने के मामले में सामने आई खुफिया चूक

न्यूयॉर्क, एजेंसी

● 45 मिनट पहले मिली थी संदिग्ध शख्स की सूचना, नहीं की कार्रवाई

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर पिछले वर्ष हुए जानलेवा हमले की जांच करने वाली अमेरिकी सीनेट ने अपनी रिपोर्ट में खुफिया एजेंसी की कई अस्वीकार्य कमियों का खुलासा किया है।

पिछले वर्ष ट्रंप पर राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान पेंसिलवेनिया के बटलर में आठ गोलियां चलाई गई थीं। एक कमांडो ने तत्काल बंदूकधारी को मार गिराया था लेकिन गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत और दो लोगों के घायल होने की घटना ने खुफिया सेवा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। सीनेट की होमलैंड सिक्योरिटी एंड गवर्नमेंटल अफेयर्स कमेटी की रिपोर्ट में कहा गया है जो हुआ वह माफ करने लायक नहीं था। समिति के रिपब्लिकन अध्यक्ष रैंड पॉल ने एक बयान में कहा यह निर्णय लेने में कोई एक चूक नहीं थी बल्कि हर स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था का पूर्ण रूप से ध्वस्त होना था जिसमें कई चौंकाने वाले तथ्य शामिल हैं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि खुफिया एजेंसी को गोली चलने से लगभग 45 मिनट पहले एक संदिग्ध व्यक्ति के बारे में पता चला फिर भी उसने कोई कार्रवाई नहीं की।

पूर्व मिस पुडुचेरी सैन रेशल ने खुदकुशी की

पुडुचेरी। पूर्व मिस पुडुचेरी सैन रेशल ने रक्तचाप नियंत्रण करने वाली गोलियां काफी अधिक मात्रा में खाकर खुदकुशी कर ली।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मशहूर मॉडल और सोशल मीडिया हस्ती सैन रेशल (26) ने अवसाद और वित्तीय तनाव के कारण आत्महत्या कर ली। पिता के आर्थिक मदद देने में असमर्थता जताने के बाद रेशल ने यह कदम उठाया। पुलिस ने बताया कि रेशल को पहले यहां एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में दो अन्य अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया। पुलिस के अनुसार 12 जुलाई को रेशल की मृत्यु हो गई।

जोखिम और चुनौतियों से भरी है

अंतरिक्ष से वापसी

जब कोई अंतरिक्ष यान जैसे स्पेस एक्स का क्रू ड्रैगन या रूस का सोयूज अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन या किसी अन्य अंतरिक्ष स्टेशन से जुड़ा होता है तो वापसी से पहले उसे उससे अनडॉक यानी अलग किया जाता है। अंतरिक्ष से अनडॉकिंग और धरती पर सुरक्षित वापसी की प्रक्रिया बहुत जटिल, तकनीकी और जोखिमपूर्ण होती है। इसमें कई चरण, उपकरण और सावधानियां शामिल होती हैं।

अनडॉकिंग के प्रमुख चरण

- चेकलिस्ट और तैयारी : सभी सिस्टम की जांच की जाती है, जैसे लाइफ सपोर्ट, प्रोपल्शन और कम्युनिकेशन। इसके बाद अंतरिक्ष यात्री स्पेससूट पहनते हैं।
- हैच बंद करना : स्टेशन और यान के बीच दरवाजा बंद कर सील किया जाता है। इसके बाद डॉकिंग पोर्ट को डिस्कनेक्ट किया जाता है। सभी यांत्रिक लॉक हटाए जाते हैं।
- थ्रस्टर फायर : बिजली और डेटा के कनेक्शन काटे जाते हैं। इसके बाद यान को स्टेशन से अलग करने को उसके रॉकेट और थ्रस्टर जलाए जाते हैं ताकि वह धीरे-धीरे अंतरिक्ष स्टेशन से दूर हो जाए।

वापसी की शुरुआत

- यान पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश करने के लिए खुद तैयार करता है। कंप्यूटर सिस्टम पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश के लिए एंगल और स्पीड निर्धारित करते हैं।
- इसके बाद डिऑर्बिट बर्न शुरू होता है। यानी यान अपने इंजन को जलाकर अपनी कक्षा से धीरे-धीरे पृथ्वी की ओर गिरने की गति में आता है।

वायुमंडल में प्रवेश सबसे खतरनाक

यान का पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने का चरण सबसे खतरनाक और चुनौतीपूर्ण होता है। इस दौरान यान की गति 27,000 किमी घंटे तक होती है। वायुमंडल में घर्षण से बाहरी तापमान 1600 डिग्री सेंटिग्रेड से ज्यादा पहुंच जाता है। इस दौरान थर्मल शील्ड ठीक रहना बहुत जरूरी होता है। इस बीच प्लाज्मा के कारण कुछ मिनटों के लिएधरती से संपर्क भी टूट जाता है।

पैराशूट सिस्टम

वायुमंडल में प्रवेश के बाद घर्षण के कारण यान की गति खुद बहुत कम हो जाती है। इसे और कम करने के लिए एक निश्चित ऊंचाई पर छोटे पैराशूट खुलते हैं और यान की गति स्थिर हो जाती है। इसके बाद मुख्य पैराशूट खुलते हैं।

लैंडिंग

- समुद्र में, जैसे स्पेस एक्स ड्रैगन अटलांटिक या पैसिफिक में।
- जमीन पर, जैसे रूस का सोयूज कजाखस्तान की स्टेपी में।
- अंतिम झटके को कम करने के लिए एयरबैग का इस्तेमाल।
- यात्रियों को बाहर निकालने के लिए मेडिकल टीम पहुंचती है।

अंतरिक्ष यान की विशेषताएं

अत्यधिक तापमान से सुरक्षा के लिए हीट शील्ड, ऑक्सीजन, तापमान-दबाव नियंत्रण जैसे लाइफ सपोर्ट सिस्टम, ऑटो पायलट सिस्टम, कम्युनिकेशन सिस्टम, पैराशूट सिस्टम और शॉक एब्जॉर्बर।

खतरे : हीट शील्ड का विफल हो जाना, ट्रैजेक्टरी गलत होने से यान की मिस लैंडिंग या पैराशूट फेल हो जाना।

एक नजर

दिल्ली के तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के तीन स्कूलों को सोमवार को बम से उड़ाने के धमकी मिली, हालांकि पुलिस जाँच में किसी भी तरह की संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है। एक पुलिस अधिकारी ने आज यहां बताया कि पुलिस को प्रशांत विहार और द्वारका सेक्टर-16 स्थित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) स्कूलों और चाणक्यपुरी स्थित एक स्कूल से बम की धमकी के बारे में सूचना मिली। उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, श्वान दस्ते और बम निरोधक दस्ते स्कूल पहुंचे और गहनता से जांच की। उन्होंने कहा कि फ़िलहाल कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि पुलिस आगे की जांच कर रही है।

पुडुचेरी में मनाया गया फ्रांस का राष्ट्रीय दिवस

पुडुचेरी। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में सोमवार को फ्रांस का राष्ट्रीय दिवस मनाया गया। पुडुचेरी एक समय फ्रांस का उपनिवेश था। डीएम ए. कुलोथुंगन, पुडुचेरी और चेन्नई में फ्रांसीसी महावाणिज्यदूत एटियेन रोलैंड पिएग, कई फ्रांसीसी अधिकारियों तथा सेवानिवृत्त फ्रांसीसी नागरिक व सैन्यकर्मियों के संघों के प्रतिनिधियों ने फ्रांस के युद्ध स्मारक में अज्ञात सैनिक के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। फ्रांस का राष्ट्रीय दिवस बैस्टिल डे 1789 में फ्रांस की क्रांति के दौरान वहां की बैस्टिल जेल पर हुए हमले की स्मृति में मनाया जाता है।

मैसाचुसेट्स में आग से नौ लोगों की मौत

फॉल रिवर। मैसाचुसेट्स के एक आवासीय केंद्र में आग लगने से नौ लोगों की मौत हो गई और कम से कम 30 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि लोग खिड़कियों से बाहर लटककर मदद के लिए चिल्ला रहे थे। राज्य अग्निशमन सेवा विभाग ने बताया कि रविवार रात लगभग 9:50 बजे फॉल रिवर स्थित गैब्रियल हाउस सहायताप्राप्त आवास केंद्र में अग्निशमन दल पहुंचे, जहां लोग भारी धुआं और आग के कारण अंदर फंसे हुए थे। इस घर में लगभग 70 लोग रहते हैं।

दक्षिण अफ्रीका में भारतीय मूल का शख्स पुलिस मंत्री

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने वर्तमान मंत्री सेंजो मचुनु को विशेष अवकाश पर भेजने के बाद भारतीय मूल के वरिष्ठ कार्यकर्ता फिरोज कचालिया को पुलिस मंत्री नियुक्त किया। रामफोसा ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित संबोधन में यह घोषणा की। एक शीर्ष पुलिस आयुक्त ने मचुनु पर आपराधिक गिरोह के नेताओं के साथ मिलीभगत के गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके बाद राष्ट्रपति ने कचालिया की नियुक्ति की घोषणा की।

गेट फांदकर शहीदों को श्रद्धांजलि देने कब्रिस्तान पहुंचे उमर अब्दुल्ला

रास्ते में गाड़ियां रोकी गईं तो एक किलोमीटर पैदल चले, सुरक्षा बलों से नोकझोंक

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को सोमवार को 13 जुलाई, 1931 को डोगरा सेना की गोलीबारी में मारे गए 22 लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए नक्शबंद साहिब कब्रिस्तान का गेट फांदकर अंदर घुसना पड़ा। यह नाटकीय दृश्य उस समय सामने आया जब अब्दुल्ला और नेशनल कांफ्रेंस समेत विपक्षी दलों के कई नेताओं को शहीद दिवस के मौके पर कब्रिस्तान जाने से रोकने के लिए एक दिन पहले घर पर नजरबंद कर दिया गया था।

नेशनल कांफ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला खनयार चौक से शहीद स्मारक तक एक ऑटो रिक्शा में पहुंचे, जबकि शिक्षा मंत्री सकीना इट्टू स्कूटी पर पीछे बैठकर स्मारक तक पहुंचीं। सुरक्षा बलों ने श्रीनगर के व्यस्त क्षेत्र में खनयार और नौहट्टा की ओर से शहीद कब्रिस्तान जाने वाली सड़कों को सील कर दिया था। जैसे ही उमर अब्दुल्ला का काफिला पुराने शहर के खनयार इलाके में पहुंचा, वह गाड़ी से उतर गए और कब्रिस्तान पहुंचने के लिए एक किमी से अधिक पैदल चले, लेकिन प्राधिकारियों ने कब्रिस्तान का द्वार बंद कर दिया था।

इसके बाद मुख्यमंत्री कब्रिस्तान के मुख्य द्वार पर चढ़ गए और अंदर प्रवेश कर 'फातिहा' पढ़ा। उनके सुरक्षाकर्मी और नेशनल कांफ्रेंस के कई अन्य नेता भी गेट पर चढ़ गए जिसके बाद अंततः गेट खोल दिया गया।

श्रीनगर के नक्शबंद साहिब कब्रिस्तान में शहीदों को श्रद्धांजलि देने पहुंचे उमर अब्दुल्ला।

ममता ने उमर अब्दुल्ला को नजरबंद करने की निंदा की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 1931 में डोगरा बलों द्वारा मारे गए लोगों के कब्रिस्तान में जाने से रोकने के लिए जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके मंत्रियों को नजरबंद करने की आलोचना की। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि यह किसी नागरिक के लोकतांत्रिक अधिकारों को छीनने जैसा है। बनर्जी ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, शहीदों के कब्रिस्तान में जाने में क्या गलत है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है, एक नागरिक के लोकतांत्रिक अधिकार को भी छीनता है। उन्होंने कहा, निर्वाचित मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ जो हुआ वह अस्वीकार्य है। चौंकाने वाला और शर्मनाक।

उपराज्यपाल सिन्हा पर बरसे उमर, गंभीर आरोप लगाए

श्रीनगर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व वाले प्रशासन पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए जाने से रोकने के लिए तीखा हमला बोला। उमर ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को कब्रिस्तान जाने की अपनी योजना के बारे में सूचित नहीं किया था। मैं उन्हें बताए बिना कार में बैठ गया। उनकी बेशर्मी देखिए। आज भी उन्होंने हमें रोकने की कोशिश की। सीआरपीएफ़ जवानों को तैनात कर दिया गया। उन्होंने हाथापाई भी की। वर्दी पहने पुलिसवाले कभी-कभी कानून भूल जाते हैं। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि उन्होंने किस कानून के तहत हमें रोकने की कोशिश की। अगर कोई पाबंदी थी, तो वो कल के लिए थी। उमर ने कहा, वे कहते हैं कि यह एक आजाद देश है, लेकिन कभी-कभी उन्हें लगता है कि हम उनके गुलाम हैं। हम किसी के गुलाम नहीं हैं। अगर हम गुलाम हैं, तो हम यहां के लोगों के गुलाम हैं।

विश्व के सबसे वृद्ध राष्ट्रपति पॉल बिया फिर लड़ेंगे चुनाव

याउंडे। कैमरून के 92 वर्षीय राष्ट्रपति पॉल बिया ने इस वर्ष 12 अक्टूबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में आठवीं बार चुनाव लड़ने की घोषणा की है। राष्ट्रपति के एक्स अकाउंट पर रविवार को एक पोस्ट में इस आशय की जानकारी दी गई।

बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति पॉल बिया ने खुद घोषणा की है कि वह आठवीं बार चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने एक पोस्ट में कहा कि देश के सभी क्षेत्रों और समुदायों के आह्वान पर यह निर्णय लिया है। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया वह कि देश की प्रगति की राह में आने वाली हर समस्याओं को सुलझाने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ हैं। बिया 43 वर्षों से सत्ता में हैं और उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार, खराब प्रशासन और सुरक्षा संबंधी मामलों में असफलता के कई आरोप लगे हैं।

● 43 साल से सत्ता में है पॉल, खराब प्रशासन और भ्रष्टाचार के हैं कई आरोप

एक-दूसरे की सफलता में साझेदार बनें भारत व चीन

बीजिंग, एजेंसी

● जयशंकर ने चीन के उपराष्ट्रपति झेंग से की मुलाकात, कहा- संबंध सामान्य होने से दोनों को लाभ

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से कहा कि भारत-चीन संबंधों के निरंतर सामान्य बने रहने से पारस्परिक रूप से लाभकारी परिणाम प्राप्त हो सकते हैं और 'जटिल' वैश्विक स्थिति के मद्देनजर दोनों पड़ोसी देशों के बीच विचारों का खुला आदान-प्रदान बहुत महत्वपूर्ण है।

जयशंकर ने अपनी दो देशों की यात्रा के दूसरे और अंतिम चरण में सिंगापुर से बीजिंग पहुंचने के कुछ समय बाद झेंग से बातचीत की। वह चीन के शहर तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा पर हैं। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर 2020 में हुए सैन्य गतिरोध और इसके पश्चात दोनों देशों के संबंधों में आए गंभीर तनाव के बाद जयशंकर की यह पहली चीन यात्रा है।

बैठक में अपने आरंभिक वक्तव्य में जयशंकर ने कहा, जैसा कि आपने उल्लेख किया, पिछले साल अक्टूबर में कजान में प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात के बाद से हमारे द्विपक्षीय संबंधों में लगातार सुधार हो रहा है। मुझे विश्वास है कि इस यात्रा में मेरी चर्चाएं इसी सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेंगी। पिछले कुछ महीनों में, भारत और चीन ने द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने के लिए कई उपाय शुरू किए हैं, जो जून 2020 में दोनों सेनाओं के बीच घातक झड़पों के बाद गंभीर रूप से बिगड़ गए थे। विदेश मंत्री ने भारत-चीन कूटनीतिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ का भी जिक्र किया।

कैलाश मानसरोवर यात्रा बहाली की भारत में प्रशंसा

जयशंकर ने कहा, कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली की भारत में भी व्यापक रूप से सराहना की जा रही है। हमारे संबंधों के निरंतर सामान्य होने से पारस्परिक रूप से लाभकारी परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। आज हम जिस अंतरराष्ट्रीय स्थिति में मिल रहे हैं, वह बहुत जटिल है। पड़ोसी देशों और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के रूप में, भारत और चीन के बीच विचारों और दृष्टिकोणों का खुला आदान-प्रदान बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, मैं इस यात्रा के दौरान ऐसी चर्चाओं की आशा करता हूं।

ट्रंप का एलान, अमेरिका यूक्रेन को देगा पैट्रियट मिसाइलें

वाशिंगटन, एजेंसी

● अमेरिकी राष्ट्रपति ने समझौते पर सहमत न होने पर पुतिन की आलोचना की

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि रूस के साथ युद्ध में फंसे यूक्रेन की मदद के लिए वह उसे घातक पैट्रियट मिसाइलें देंगे। ट्रंप ने यहां एंड्रूज बेस पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि वह अभी इनकी संख्या पर सहमत नहीं हैं, लेकिन यूक्रेन को कुछ मिसाइलें मिलेंगी क्योंकि उन्हें सुरक्षा की ज़रूरत है।

उन्होंने कहा, यूरोपीय संघ इसके लिए भुगतान कर रहा है। हम इसके लिए कुछ भी भुगतान नहीं कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्होंने वास्तव में बहुत से लोगों को चौंका दिया है। वह बातें तो अच्छी करते हैं और फिर शाम को सभी पर बमबारी कर देते हैं। इसमें थोड़ी समस्या है और यह उन्हें पसंद नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह रूस पर प्रतिबंधों की घोषणा करेंगे, तो उन्होंने इसे कल पर टाल दिया।

जर्मनी ने टॉरस मिसाइलें देने से किया इन्कार

मॉस्को। जर्मनी ने कहा है कि यूक्रेन के फिर अनुरोध के बावजूद उसे टॉरस मिसाइलें अथवा पैट्रियट वायु रक्षा प्रणालियाँ नहीं दी जाएंगी। रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने 'फाइनेंशियल टाइम्स' से कहा कि देश के पास पर्याप्त पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली नहीं हैं जिन्हें यूक्रेन को दिया जा सके। उन्होंने कहा, "यूक्रेन के अनुरोध के बावजूद उसे जर्मनी की टॉरस मिसाइलें या पैट्रियट रक्षा प्रणाली नहीं दी जाएंगी। हमारे पास केवल छह पैट्रियट वायु रक्षा प्रणालियां बची हैं।

गाजा में इजराइल के हवाई हमले में मारे गए 58 फलस्तीनी

गाजा/रामल्लाह। गाजा पट्टी के अलग-अलग क्षेत्र में रविवार को इजराइल के हवाई हमलों और गोलीबारी में कम से कम 58 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई।

गाजा में नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता महमूद बसल ने शिन्हुआ को बताया कि इजराइल ने मध्य गाजा शहर के एक भीड़भाड़ वाले बाज़ार को निशाना बनाया जिसमें एक डॉक्टर और एक बच्चे सहित कम से कम 15 लोग मारे गये। अल-शती शरणार्थी शिविर और गाजा शहर के ताल अल-हवा, अल-ज़ैतून और अल-सबरा इलाकों पर अलग-अलग इज़राइली हवाई हमलों में एक लड़की सहित 11 लोग मारे गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इज़राइली ड्रोन ने मध्य गाजा पट्टी के अल-नुसेरात शरणार्थी शिविर में एक जल वितरण केंद्र पर हमला किया।

बोनालु जथारा उत्सव

तेलंगाना के सिकंदराबाद में सोमवार को बोनालु जथारा उत्सव के दौरान निकाले गए जुलूस में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यह उत्सव तेलंगाना का एक वार्षिक हिंदू त्योहार है जो देवी महाकाली को समर्पित है और हैदराबाद और सिकंदराबाद के जुड़वां शहरों में विशेष रूप से मनाया जाता है एजेंसी

पाकिस्तानी एयरलाइन ने कराची के बजाय पहुंचाया सऊदी अरब

कराची, एजेंसी

● जेद्दा में उतरने के बाद आव्रजन अधिकारियों ने वापस लौटाया

पाकिस्तान में एक निजी एयरलाइन की एक विचित्र गलती के कारण लाहौर से कराची जाने वाला एक यात्री सऊदी अरब पहुंच गया और बाद में उन्हें वापस पाकिस्तान भेजा गया। यह घटना सात जुलाई को हुई, जब कराची के इलेक्ट्रिकल इंजीनियर मलिक शाहज़ैन 'एयरसियाल' की उड़ान में लाहौर से सवार हुए।

नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने कहा कि वे इस घटना की जांच कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा, गलती से किसी यात्री का गलत उड़ान में चढ़ जाना तो हो सकता है, लेकिन हमारे सामने ऐसा कोई मामला नहीं आया है, जहां कोई घरेलू यात्री किसी अंतरराष्ट्रीय उड़ान में चढ़ गया हो। शाहज़ैन के अनुसार, सात जुलाई की रात को उन्हें पता चला कि उनका बच्चा बीमार पड़ गया है तो वह लाहौर से कराची लौट रहे थे। वह हवाई अड्डे पहुंचे और अपना बोर्डिंग पास दिखाया, जिसके बाद उन्हें लाउंज और प्रस्थान द्वार की ओर भेज दिया गया। शाहज़ैन ने कहा, एयरसियाल' के दो विमान टर्मिनल पर थे, एक कराची जा रहा था और दूसरा जेद्दा। कर्मचारियों ने बिना जांच मुझे अंतरराष्ट्रीय उड़ान में बिठा दिया, मुझे इसका एहसास तब हुआ, जब दो घंटे की उड़ान के बाद भी हम नहीं उतरे। यात्री जेद्दा में उतरा, जबकि उसका सामान कराची पहुंच गया। जेद्दा में उसे घंटों आव्रजन अधिकारियों की पूछताछ का सामना करना पड़ा।

ट्रेन के ऊपर चढ़कर रील बना रहे किशोर की करंट से मौत

ठाणे। नवी मुंबई में नेरुल रेलवे स्टेशन पर एक खड़ी ट्रेन के ऊपर चढ़कर सोशल मीडिया के लिए 'रील' बनाने की कोशिश के दौरान करंट की चपेट में आने से 16 वर्षीय लड़के की मौत हो गई।

वाशी जीआरपी के वरिष्ठ निरीक्षक किरण उंद्रे ने बताया कि किशोर की पहचान आरव श्रीवास्तव के रूप में हुई है, जो नवी मुंबई में बेलापुर से था। आरव छह जुलाई को अपने दोस्तों के साथ रेलवे स्टेशन गया था। वह कचरे से लदी एक खड़ी ट्रेन पर चढ़ गया और रील बनाने की तैयारी करने लगा। ट्रेन के डिब्बे पर चढ़े लड़के का हाथ ऊपर से गुजर रहे उच्च क्षमता वाले बिजली के तार के संपर्क में आ गया, जिससे उसे जबरदस्त बिजली का झटका लगा और वह नीचे गिर गया। उसकी फौरन मौत हो गई।

विमान हादसा एअर इंडिया के सीईओ कैम्पबेल विल्सन ने कहा- रिपोर्ट में किसी यांत्रिक या रखरखाव संबंधी मुद्दे का जिक्र नहीं

जांच से खड़े हुए और सवाल, अभी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी

नई दिल्ली, एजेंसी

एअर इंडिया के सीईओ ने कहा कि पिछले महीने एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई171 के दुर्घटनाग्रस्त होने की प्रारंभिक रिपोर्ट ने और अधिक प्रश्न खड़े कर दिए हैं। उन्होंने पायलटों और विमान की फिटनेस का बचाव करते हुए कहा कि रिपोर्ट में किसी भी यांत्रिक या रखरखाव संबंधी मुद्दे का उल्लेख नहीं किया गया है।

सीईओ कैम्पबेल विल्सन ने कहा कि अहमदाबाद में 12 जून को हुई विमान की दुर्घटना की जांच अभी पूरी नहीं हुई है, लिहाज़ा लोगों को जल्दबाजी में कोई निष्कर्ष नहीं निकालने चाहिए। इस हादसे में विमान में सवार 242 लोगों में से एक को छोड़कर सभी की मौत हो

गई थी तथा विमान के एक इमारत से टकराने के कारण 19 अन्य लोगों की जान चली गई थी।

एयरलाइन के कर्मचारियों को भेजे गए एक आंतरिक ज्ञापन में उन्होंने कहा, प्रारंभिक रिपोर्ट के जारी होने से हमारे साथ-साथ दुनिया को भी जो कुछ हुआ उसके बारे में अतिरिक्त विवरण मिलने लगे। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि इससे न केवल अधिक स्पष्टता मिली, बल्कि अतिरिक्त प्रश्न भी उठे। उन्होंने कहा कि ईंधन की गुणवत्ता में कोई समस्या नहीं थी और 'टेक-ऑफ रोल' में भी कुछ असामान्य नहीं था तथा पायलटों ने उड़ान से पहले श्वास विश्लेषक परीक्षण पास कर लिया था और उनकी चिकित्सा स्थिति के संबंध में कुछ भी असामान्य नहीं पाया गया था। 'टेक ऑफ रोल' वह चरण होता है जब एक विमान रनवे (हवाई पट्टी) पर दौड़ता है ताकि वह उड़ान भरने के लिए पर्याप्त गति प्राप्त कर सके।

इस घातक दुर्घटना के कारणों को लेकर विभिन्न हलकों में चल रही अटकलों के बीच एअर इंडिया के प्रमुख ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट में न तो कोई कारण बताया गया है और न ही कोई सिफारिश की गई है।

रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय मीडिया में लीक होने की जांच हो

नई दिल्ली। शिवसेना उबाठा की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने सोमवार को नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू को पत्र लिखकर इस बात की जांच की मांग की कि विमान दुर्घटना जांच से जुड़ी प्रारंभिक रिपोर्ट के विवरण भारत में जारी होने से पहले अंतरराष्ट्रीय मीडिया में कैसे लीक हो गए। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट लीक होने की औपचारिक जांच की जानी चाहिए। रिपोर्ट के लेखन के संबंध में पारदर्शिता की मांग करते हुए चतुर्वेदी ने कहा कि जांच समिति के सभी सदस्यों के नाम सार्वजनिक किए जाने चाहिए और अंतरिम रिपोर्ट पर समिति के प्रत्येक सदस्य के हस्ताक्षर होने चाहिए। एएआईबी ने शनिवार को विमान दुर्घटना पर प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की थी।

बोइंग 787-737 विमानों में फ्यूल स्विच लॉकिंग प्रणाली की जांच का निर्देश

मुंबई। विमानन नियामक डीजीसीए ने सोमवार को एयरलाइन कंपनियों से 21 जुलाई से पहले अपने बोइंग 787 और 737 विमानों में 'फ्यूल स्विच लॉकिंग' प्रणाली की जांच करने को कहा। यह कदम एयर इंडिया के बोइंग 787 विमान की दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के कुछ दिन बाद आया है। जांच रिपोर्ट में पाया गया था कि पिछले महीने हुई दुर्घटना से ठीक पहले स्विच बंद कर दिए गए थे। अमेरिकी नियामक संघीय विमानन प्रशासन ने 2018 में 787 और 737 सहित बोइंग विमानों के कुछ मॉडल में ईंधन नियंत्रण करने वाली 'स्विच लॉकिंग' सुविधा में खराबी की आशंका का संकेत किया था।